छपते छपते

आपका सुप्रभात - छपते छपते के साथ

लगता मोहक भोर का,
तब आलोक प्रसार।
जब धरती स्वागत करे,
रवि का पंथ बुहार।।

जयकुमार रुसवा

विश्व का पहला डिजिटल इंटरएक्टिव ई-पेपर
छपते छपते का Interactive E- Paper रोज़ाना पाने के लिए 9831669998 को मोबाइल में सेव कर उसी नम्बर पर **Whatsapp** करें '**NEWS**'

छपते छपते

कचरे के ढेर पर हावड़ा, सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मेगा कार्ययोजना - पेज 3
अब एथेनॉल से दौड़ेंगे वाहन, दी गई कानूनी मंजूरी : गडकरी - पेज 5
सबसे अजीब अफवाह थी कि मैं गे हूं : मौनी रॉय - पेज 7
मुफ्त बस सेवा की मार, निजी बस ऑपरेटरों के पहिये थमे - पेज 8

रु.3/- कोलकाता ■ रविवार ■ 14 जून 2026 ■ अ. ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 14 ■ संवत् 2083 ■ कुल पृष्ठ : 8 ■ वर्ष-55, अंक - 121

रविवारीय चिन्तन

सम्पादक विश्वम्भर नेवर की कलम से

मारवाड़ी समाज के केन्द्रीय संगठन का अन्तर्कलह

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का गठन वर्ष 1935 में समाज के कुछ चिंतकों एवं पुरोधाओं की दूरगामी सोच की परिणति थी। मूल कारण के लिए देश में मारवाड़ी समाज की तत्कालीन स्थिति को समझना जरूरी है। भारत में ब्रिटिश हुकूमत की राजधानी कलकत्ता था। यह शहर सिर्फ ब्रिटिश प्रशासन मुख्यालय ही नहीं था अपितु व्यावसायिक केंद्र भी था। राजस्थान की मरुभूमि से निकलकर मारवाड़ी कोलकाता में आकर बसे। यहां का बंगाली समाज अपनी बौद्धिक एवं सांस्कृतिक पहचान के बावजूद अंदर से असहज महसूस इसलिए कर रहा था कि वह उद्यमी नहीं था। इस स्थिति में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लोहा लेने में जोखिम को समझता था। परिणामस्वरुप सामूहिक रूप से उच्च मनोबल के बावजूद कहीं ना कहीं एक संकोच में था कि इतनी बड़ी ताकत से पंगा कैसे लें। रवींद्रनाथ टैगोर ने भी अपना व्यवसाय किसी मारवाड़ी को सौंप कर साहित्य सेवा में जुट गए। ऐसे और भी कई उदाहरण हैं।

मारवाड़ी समाज को भी इस बात का एहसास था कि यहां स्थानीय बंगाली समाज को साथ लेकर चले बिना वह व्यवसाय में भी स्वच्छंद रूप से काम नहीं कर सकता इस सूझबूझ से मारवाड़ी का व्यापारी के रूप में आधार मजबूत हुआ। एक संगठन भी होना चाहिए जिससे समाज अपने को संयत रख सके एवं अपने को उन बुराइयों एवं विकारों से दूर रख सके जिससे उस वक्त बंगाली समाज ग्रसित हो चुका था। समाज में सुधार की प्रक्रिया को अक्षुण्ण बनाए रखने की दूर दृष्टि ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नींव रखी। उस समय दो मुख्य उद्देश्य थे समाज में सुधार एवं समाज का चौमुखी विकास। इसी पृष्ठभूमि में सम्मेलन में प्रवासी मारवाड़ी समाज के केंद्रीय संगठन की संरचना की। वैवाहिक आयोजनों में अपव्यय, पर्दा प्रथा, दहेज व अन्य सामाजिक कुरीतियों विधवा विवाह आदि के मुद्दों पर सम्मेलन के मंच पर मारवाड़ी समाज ने अपनी आंतरिक पारिवारिक व्यवस्था में संशोधन का मार्ग प्रशस्त किया।

स्वतंत्रता के पश्चात भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं विकास के पट खोलना में सम्मेलन ने सकारात्मक भूमिका रही। संक्षेप में मारवाड़ी सम्मेलन का यह अखिल भारतवर्षीय मंच समाज की कुरीतियों एवं पिछड़ेपन से संघर्ष का एक सामूहिक मंच साबित हुआ। लेकिन समय के साथ-साथ समाज का एक प्रभावशाली एवं साधन संपन्न वर्ग स्वयं उन विकारों का शिकार हो गया जिसके विरुद्ध मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की गई थी। आज सम्मेलन की 400 शाखाएं एवं 5 हजार से अधिक सदस्य है। सभी प्रांत में तो नहीं किंतु जहां-जहां मारवाड़ी समाज के लोग बसे है उनमें इस संस्था की शाखा काम कर रही है।

संस्था एवं प्रशासन कमजोर तब होता है जब उसकी जमीन कमजोर होने लगती है। आज अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन 90 वर्ष पार कर चुका है और समाज के मुद्दों की अनदेखी के परिणामस्वरूप संकटग्रस्त है। संकट धन या साधनों का नहीं बल्कि उसके अपने कुछ लोग हैं जिनको सम्मेलन के मूल एजेंडा में न तो विश्वास है और ना ही उनकी आधुनिक सोच है। मारवाड़ी समाज के युवकों की समस्या हो, चाहे मारवाड़ी युवतियों की के समक्ष आज के समय की चुनौतियां, समाज के अंदर पनप रही बुराइयां बेलगाम हैं जिसकी वे गाहे बगाहे चर्चा कर लेते हैं किंतु उसको छेड़ने की हिमाकत नहीं करते। इन सब के चलते सम्मेलन मात्र पुराना साइन बोर्ड बन गया है। इसकी पश्चिम बंगाल शाखा जो सभी इकाइयों में सबसे महत्वपूर्ण है ने सम्मेलन के ताने-बाने को नष्ट करने की सुपारी ले रखी है। सम्मेलन का राष्ट्रीय संगठन इस नटखट और उच्श्रृंखल शाखा के चलते शिथिल हो गया है। सम्मेलन को यह भ्रम है कि समाज उसके एजेंडे से संचालित होता है। सम्मेलन के सुधारवादी एजेन्डा एवं समाज के सर्वांगीण प्रगति को दरकिनार कुछ मध्यवर्गीय उद्यमियों की आशा, आकांक्षा एवं उनके अपने एजेंडा को आगे बढ़ाने का केंद्र बनता जा रहा है।

इधर मारवाड़ी समाज की कुछ जातीय इकाइयों ने अपने व्यावसायिक एजेंडा को आगे बढ़ाने के बड़े ताकतवर मंच तैयार कर लिए हैं। जैन समाज ने 'जीतो' (जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन) के नाम से एवं माहेश्वरी समाज ने 'एमआईबीएफ' (माहेश्वरी इंटरनेशनल बिजनेस फाउंडेशन) नाम से मंच बन चुके हैं जहां समाज के उद्यमी लोगों को इकट्ठा करने का प्रयास किया जा रहा है। ब्राह्मण समाज भी ऐसे ही व्यापारियों को एक मंच देने का सोच रहा है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन चूंकि अपने सुधारवादी एजेंडा को लगभग तिलांजलि दे चुका है अत: सबसे अधिक चोट उसके संगठन को पहुंच रही है। जैन समाज के जीतो एवं माहेश्वरी समाज के नए संगठन की बड़ी शानदार महफिलें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता में सजी है जहां समाज के प्रबुद्ध उद्यमी अपनी आवाज को ताकत देने का प्रयास कर रहे हैं। अब इनके अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भी प्रकल्प को भी अंजाम दिए जाने की बात चल रही है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पास साधन इन वर्षों में इतने बढ़े हैं जिसकी दो दशक पहले कल्पना भी नहीं थी। मकान जो 25 वर्ष पहले खरीदा था सुनसान पड़ा है। दक्षिण कोलकाता के रुपहले इलाके में शानदार कार्यालय है। पश्चिम बंगाल शाखा का भी अपना एक अलग कार्यालय है जो सारी फसाद की जड़ है। लेकिन गतिविधियों के नाम पर कुछ नाम लेवा बैठकों के बाद एक दो अखबारों में बड़ा चित्र एवं इन बैठकों में एक ही तरह के कई वर्षों से पारित प्रस्ताव को प्रकाशित करा दिया जाता है। सम्मेलन का मुखपत्र 'समाज विकास' प्रकाशित हो रहा है यही उसकी उपलब्धि है जो मैंने कई बार इधर-उधर देखा है, में एक भी ऐसी सामग्री नहीं है जिसे पढ़कर सामाजिक चिंतन किया जा सके।

मैं यह सब किसी आलोचना की मंशा से नहीं लिख रहा हूं। पिछले 50 वर्ष से अधिक मैं इस संस्था से किसी न किसी रूप से जुड़ा रहा हूं। मेरी अपनी शिकायतें हो सकती हैं पर इस संगठन को इतना उद्देश्यहीन, लक्ष्यहीन, दिशाहीन मैंने पहले कभी नहीं देखा। मेरा अपना भी नैतिक दायित्व है इसी को मद्देनजर बिना किसी भी भावना को ठेस पहुंचाए एवं किसी को जिम्मेदार ठहराए कुछ लिखने की कोशिश की है। ■

फाइल टेबल पर आई तो तुरंत एक्शन : सीएम

सॉल्टलेक की 'पाठशाला' में नए मंत्रियों को शुभेंदु से मिला प्रशासनिक गुरुमंत्र

■ संवाददाता

■ अनुभवहीनता को दूर करने की अनूठी पहल
■ आला अधिकारियों ने सिखाए शासन के गुर
■ जनता के काम में देरी बर्दाश्त नहीं

कोलकाता, 13 जून। बंगाल की नई भाजपा सरकार सत्ता संभालते ही प्रशासनिक कामकाज में अभूतपूर्व तेजी लाने और शासन को पारदर्शी बनाने के लिए पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अपने मंत्रिमंडल के नए सदस्यों को बेहद कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी फाइलों को महीनों तक दबाकर और लंबित रखने की पुरानी संस्कृति अब बंगाल में नहीं चलेगी। इसी उद्देश्य से सॉल्टलेक स्थित एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एटीआई) में नए नवेले मंत्रियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र यानी 'प्रशासनिक पाठशाला' का आयोजन किया गया। इस अनूठे कार्यक्रम का मुख्य मकसद मंत्रियों को सरकारी कामकाज की बारीकियों से रूबरू कराना था, ताकि जनहित से जुड़े फैसलों में किसी भी तरह की देरी की गुंजाइश न रहे।

दरअसल, नई सरकार में शामिल किए गए अधिकांश मंत्री पहली बार विधायक चुनकर आए हैं और अपने राजनीतिक जीवन में पहली ही बार इतनी बड़ी प्रशासनिक जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। खुद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और वरिष्ठ नेता तापस राय को छोड़ दिया जाए, तो मंत्रिमंडल के अधिकांश चेहरों के पास मंत्री पद या सरकारी विभागों को चलाने का कोई पूर्व अनुभव नहीं है। मंत्रियों की इसी अनुभवहीनता को दूर करने और उनमें प्रशासनिक आत्मविश्वास जगाने के लिए इस विशेष सत्र में सरकारी फाइलों के त्वरित निपटारे, उन पर नोटिंग लिखने, जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को समझने और त्वरित निर्णय लेने की पूरी प्रणाली से विस्तार से अवगत कराया गया।

सीएम शुभेंदु अधिकारी मंत्रियों को काम का तरीका समझाते हुए।

सॉल्टलेक के एटीआई में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चला। इस चार घंटे के मैराथन सत्र में राज्य के मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्धिनाथ गुप्ता समेत विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के आला अधिकारियों ने मंत्रियों की क्लास ली। अधिकारियों ने प्रोजेक्टर और व्यावहारिक उदाहरणों के जरिए समझाया कि किसी भी सरकारी फाइल पर विभाग प्रमुख या मंत्री के स्तर पर टिप्पणी कैसे की जाती है, उसे कानूनी तौर पर आगे किस प्रकार बढ़ाया जाता है और अलग-अलग स्तरों पर निर्णय प्रक्रिया कैसे संचालित होती है। इसके अलावा, मंत्रियों को बजटीय आवंटन और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की तकनीकी जानकारियां भी दी गईं। प्रशिक्षण के अंतिम चरण में खुद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी इस च्पाठशालाज् में पहुंचे और मंत्रियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने सभी मंत्रियों को सीधे तौर पर निर्देशित करते हुए कहा कि जनता के काम से जुड़ी किसी भी फाइल को अनावश्यक रूप से लटकाकर रखना कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने नए मंत्रियों को व्यावहारिक सलाह देते हुए कहा कि यदि किसी जटिल सरकारी विषय, कानून या नीति को समझने में कोई कठिनाई आ रही हो, तो बिना किसी संकोच के संबंधित विभागों के सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकर चर्चा करें। इसके साथ ही उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से मार्गदर्शन और मदद लेने की भी खुली छूट दी, लेकिन साफ शब्दों में आगाह किया कि काम की गति किसी भी कीमत पर धीमी नहीं पड़नी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता और त्वरित निर्णय प्रक्रिया को अपनी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताते हुए सभी मंत्रियों से पूरी जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ काम करने का आह्वान किया। राजनीतिक हलकों और प्रशासनिक गलियारों में इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को नई सरकार की कार्यशैली और राज्य में वर्षों से चली आ रही सुस्त प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में एक बड़ा व दूरगामी कदम माना जा रहा है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि मंत्रियों को सीधे तौर पर नौकरशाही के साथ तालमेल बिठाने का यह प्रयास बंगाल की प्रशासनिक व्यवस्था में एक नया बदलाव ला सकता है।

कोलकाता में योग दिवस पर रचेंगे इतिहास

ब्रिगेड नहीं, रेड रोड पर पीएम मोदी के साथ योग करेंगे 30 हजार लोग

कोलकाता, 13 जून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर इस वर्ष कोलकाता में एक बेहद भव्य और ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं। राज्य सरकार और प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी मौजूदगी में योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित किया जाएगा। जून के महीने में मौसम संबंधी संभावित चुनौतियों और बारिश की आशंका को देखते हुए इस बार ब्रिगेड परेड ग्राउंड के बजाय रेड रोड को मुख्य आयोजन स्थल के रूप में चुना गया है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद बताया कि इस भव्य कार्यक्रम में लगभग 30 हजार लोगों के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक साथ सामूहिक योगाभ्यास करने की संभावना है। इस मेगा इवेंट को सफल बनाने के लिए योग प्रशिक्षकों (ट्रेनर्स) के चयन की प्रक्रिया भी तेजी से शुरू कर दी गई है।

इस बार योग दिवस के मुख्य आयोजन से पहले ही भारत को योग के क्षेत्र में विश्व रिकॉर्ड दिलाने के उद्देश्य से एक विशेष और अनूठा अभियान शुरू किया गया है। रविवार सुबह 'योगसंगम' पोर्टल के माध्यम से बड़े पैमाने पर एक डिजिटल योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसे सीधे तौर पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है। आयुष विभाग की महानिदेशक दिव्या लोगानाथन ने इस वैश्विक अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जो भी नागरिक इस रिकॉर्ड का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे टोल-फ्री नंबर 1800 315 7008 पर एक मिस्ड कॉल दे सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागियों को ध्यान रखना होगा कि मिस्ड कॉल उसी मोबाइल नंबर से की जाए, जिस पर उनका व्हाट्सऐप सक्रिय हो। मिस्ड कॉल आते ही प्रतिभागियों के नंबर पर एक विशेष लिंक भेजा जाएगा, जहां पंजीकरण की सरल प्रक्रिया पूरी कर वे इस ऐतिहासिक कायक्रम का हिस्सा बन सकेंगे।

देश के प्रधानमंत्री के आगमन और सुरक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन बेहद सतर्क है।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे भारतीय सेना के नए चीफ

नई दिल्ली, 13 जून। भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भारतीय थल सेना के अगले प्रमुख होंगे। वह 30 जून, 2026 की दोपहर को जनरल का पदभार संभालेंगे।

वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून, 2026 को अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिसके बाद वर्तमान में थल सेना के उप-प्रमुख के रूप में सेवा दे रहे लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ सेना की कमान अपने हाथों में लेंगे। लगभग चार दशकों के अपने शानदार सैन्य करियर में उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण और युद्ध में अभूतपूर्व योगदान दिया है। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। दिसंबर 1986 में उन्हें भारतीय सेना की प्रतिष्ठित आर्मर्ड कॉर्प्स (बख्तरबंद कोर) में कमीशन दिया गया था। अपने 40 साल के सैन्य सफर के दौरान उन्होंने सामरिक, ऑपरेशनल और संस्थागत स्तर पर व्यापक अनुभव हासिल किया है। सैन्य शिक्षा के मामले में भी वह हमेशा अव्वल रहे हैं। उन्होंने जूनियर कमांड कोर्स में पहला स्थान हासिल किया था।

असम के जोरहाट में भारतीय वायुसेना का प्लेन क्रैश, 5 जवान शहीद

जोरहाट, 13 जून। असम के जोरहाट जिले में शनिवार को भारतीय वायुसेना का एक परिवहन विमान लैंडिंग के समय क्रैश हो गया। इस हादसे में एयरफोर्स के पांच जवान शहीद हो गए। भारतीय वायुसेना ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। यह घटना तब हुई जब 43 स्क्वाड्रन का एएन-32 एयरक्राफ्ट रोवरिया क्षेत्र स्थित वायुसेना स्टेशन में लैंड कर रहा था। इस प्लेन में सामान लदा हुआ था। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि प्लेन क्रैश होने के बाद दो टुकड़ों में बंट गया है और उसके बाद उसमें आग भी लग गई थी।

आईएएफ ने बताया कि इस हादसे में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर खेमाराम कुमावत और अग्निवीर दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में आईएएफ मजबूती से उनके परिजनों के साथ खड़ी है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि असम के जोरहाट में एएन-32 हादसे में 5 एयर वॉरियर्स के निधन से गहरा दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके परिजनों के साथ खड़ा है। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में को-पायलट की जान बच गई और वर्तमान में उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद भारतीय वायु सेना ने इसके कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच समिति गठित करने का आदेश दिया।

असम के ऊपरी इलाके में स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण एयरपोर्ट के परिसर में एएन-32 परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

अब सुदीप बंदोपाध्याय भी बागियों के साथ

अमित शाह संग हुई मीटिंग

कोलकाता, 13 जून। बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बड़ा सियासी भूचाल आता दिख रहा है। तृणमूल के संस्थापक सदस्य और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बेहद करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय के बागी रुख अख्तियार करने से दिल्ली से कोलकाता तक हड़कंप मच गया है। शनिवार को सुदीप बंद्योपाध्याय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, सुदीप ने शाह से मिलने का कई बार अनुरोध किया था, जिसके बाद यह बैठक संभव हो सकी।

इससे पहले शनिवार को ही सुदीप बंद्योपाध्याय ने टीएमसी की एक और प्रमुख बागी सांसद शताब्दी राय के साथ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर करीब एक घंटे तक गुप्त बातचीत की। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि लोकसभा में टीएमसी के असंतुष्ट सांसदों की संख्या लगातार बढ़ रही है। करीब 19 सांसदों का एक विद्रोही समूह दिल्ली में सक्रिय है, जिन्होंने हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भेजकर एनडीए के प्रति अपना समर्थन जताया था। सूत्रों का दावा है कि रविवार को इन बागी सांसदों की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है, जिसमें सुदीप बंद्योपाध्याय नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकते हैं। यह गुट सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर संसद में एक अलग ब्लॉक या समूह के गठन की मांग रख सकता है। सुदीप बनर्जी का विद्रोही खेमे में जाना ममता बनर्जी के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है। रोज़ वैली मामले में गिरफ्तारी के दौरान भी ममता ने सुदीप का खुलकर साथ दिया था। हालांकि, लोकसभा में टीएमसी संसदीय दल के नेता पद से हटाए जाने और अभिषेक बनर्जी को कमान मिलने के बाद से सुदीप नाराज चल रहे थे। इस घटनाक्रम का असर पश्चिम बंगाल विधानसभा पर भी पड़ना तय है। सुदीप की पत्नी नैना बनर्जी चौरंगी से टीएमसी विधायक हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह भी अपने पति के नक्शेकदम पर चलती हैं या ममता बनर्जी के साथ बनी रहती हैं। यदि सुदीप बनर्जी औपचारिक रूप से पाला बदलते हैं, तो यह टीएमसी के लिए अब तक की सबसे बड़ी संगठनात्मक चुनौती साबित हो सकती है।

कुणाल के हाथ उत्तर कोलकाता की कमान मानस भुइयां ने छोड़ी पार्टी

अमित शाह के संग सुदीप बंदोपाध्याय की बैठक की खबरों के बीच तृणमूल हाईकमान ने भी एक्शन दिखाना शुरू कर दिया है। पार्टी ने सुदीप को उत्तर कोलकाता के अध्यक्ष पद से हटा दिया है और अब कुणाल घोष को कमान सौंप दी गई है। वहीं साइन घोष को युवा अध्यक्ष पद से हटाकर अर्णब बनर्जी को सौंपा गया है। वहीं दिग्गज नेता मानस भुइयां ने भी तृणमूल के सभी पदों से इस्तीफा देते हुए पार्टी की सदस्यता भी छोड़ दी है।

बंगाल बदल रहा है, कटमनी तोलाबाजी खत्म : शुभेंदु

हमारे मुख्यमंत्री करिश्माई नेता : डा. सांवरमल धनानिया

कोलकाता, 13 जून। बंगाल विकास फोरम की तरफ से 27 बालीगंज पार्क गणपति बैंक्वेट हॉल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का अभिनंदन अपनों का कार्यक्रम कर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। मौके पर राजस्थान विधानसभा के पूर्व विपक्ष के नेता राजेन्द्र सिंह राठौर, गुजरात के प्रकाश पटेल, दिग्गज समाजसेवी व भवानीपुर बीजेपी संगठन के कर्ताधर्ता डा. सांवरमल धनानिया उपस्थित थे। बंगाल विकास फोरम के सचिव भगवान दास अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

बंगाल विकास फोरम की तरफ से सीएम का जोरदार अभिनंदन

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में माहौल बदल गया है। पांच हफ्तों में भी परिवर्तन दिखने लगी है और सड़कों पर से माइक गायब हैं। तोलाबाजी और कटमनी खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आनेवाले समय में भवानीपुर को सरकार से सीधा कनेक्ट करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई पैसा मांगे तो मुझे बतायें। सांवरमल धनानिया ने कहा कि भवानीपुर में मेहनत का फल है कि आज कमल खिला है। शुभेंदु अधिकारी एक करिश्माई नेता है। हमें ऐसा मुख्यमंत्री मिला यह हमारे लिए गर्व की बात है। राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि कटमनी से बंगाल के लोगों को आजादी मिली है। बंगाल के लोग यहां काफी परेशान थे। अब शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में असली विकास हो रहा है।

वहीं भगवान दास अग्रवाल ने कहा कि यह अभिनंदन अपनों का है। शुभेंदु अधिकारी ने इतिहास रच दिया, ऐसे में सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है।

मौके पर उद्योगपतियों में अशोक तोदी, ललित बेरीवाल, संजय बुधिया, शिशिर बाजोरिया के अलावा मीना देवी पुरोहित मौजूद रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी का छह दिवसीय यूरोप दौरा शुरू

नई दिल्ली, 13 जून (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस और स्लोवाक गणराज्य की छह दिवसीय महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा शनिवार से शुरू हो गई है।उनकी यह यात्रा 18 जून को पूरी होगी।

अपनी रवानगी से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रा के मुख्य उद्देश्यों और कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए एक्स पर लिखा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और स्लोवाक गणराज्य के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के निमंत्रण पर इस यात्रा पर जा रहे हैं। अपनी यात्रा के पहले चरण में वे फ्रांस के नीस शहर पहुंचेंगे।

फ्रांस की इस यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत के रणनीतिक विज़न में फ्रांस का खास स्थान है। इस साल की शुरुआत में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान हमारे संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा मिला था। अब हम फरवरी के बाद हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे।'

उन्होंने बताया कि 14 जून को वह और राष्ट्रपति मैक्रों संयुक्त रूप से 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।'भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष' के तहत होने वाला यह आयोजन भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों से जोड़ेगा।

नीस के बाद प्रधानमंत्री 14-15 जून को स्लोवाक गणराज्य की राजधानी ब्रातिस्लावा के लिए रवाना होंगे। वर्ष 1993 में स्लोवाकिया के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद से किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली स्लोवाकिया यात्रा होगी।

WILD STONE
LOG TOH NOTICE KARENGE
McNROE
WILD STONE
EAU DE PARFUM
WILD STONE
ULTRA SENSUAL
EAU DE PARFUM
℮ 100 ml 3.4FL.OZ.
WILD STONE
WILD STONE
EAU DE PARFUM
ULTRA SENSUAL
LONG-LASTING PERFUMES

अभिषेक के घर तड़के पुलिस ने ताला तोड़कर ली तलाशी, मौके पर पहुंचीं ममता

छापेमारी की सूचना पाकर अभिषेक के घर पहुंची ममता

■ संवाददाता

कोलकाता, 13 जून। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर शनिवार तड़के पुलिस की एक बेहद चौंकाने वाली और बड़ी कार्रवाई देखने को मिली। राज्य पुलिस और कोलकाता पुलिस की एक संयुक्त टीम भारी सुरक्षा बल के साथ सुबह करीब तीन बजे अचानक उनके घर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने लंबे समय तक घर का मुख्य दरवाजा खुलवाने की कोशिश की, लेकिन भीतर से कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने कथित तौर पर ताला तोड़कर परिसर के भीतर प्रवेश किया और पूरे घर की सघन तलाशी ली। इस औचक और हाई-प्रोफाइल कार्रवाई के दौरान घर के बाहर केंद्रीय बल के जवान भी मुस्तैद रहे। अपने भतीजे के आवास पर पुलिस की इस बड़ी दबिश की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री व तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी भी तुरंत मौके पर पहुंचीं। सुबह आठ बजे के बाद जब पुलिस टीम तलाशी पूरी कर घर से बाहर निकली, तब जाकर ममता बनर्जी भी वहां से रवाना हुईं।

पुलिस के जाने के बाद सांसद अभिषेक बनर्जी ने मीडिया के सामने आकर इस कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पुलिसकर्मी ताला तोड़कर मेरे घर में घुसे और पूरे घर की तलाशी ली गई। इस पूरी कार्रवाई की हर एक चीज का रिकॉर्ड हमारे पास मौजूद है। सूत्रों के मुताबिक, इस

भवानी भवन में आज आमने-सामने होंगे अभिषेक और कुणाल!

विधानसभा के कथित हस्ताक्षर विवाद मामले में अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती दिख रही हैं। सूत्रों के अनुसार, राज्य सीआईडी ने इस मामले में जांच का दायरा बढ़ाते हुए एक बार फिर अभिषेक बनर्जी और पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष को पूछताछ के लिए तलब किया है। दोनों ही नेताओं को रविवार को भवानी भवन में उपस्थित होने का नोटिस भेजा गया है। राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चाएं बेहद तेज हैं कि जांच एजेंसी इन दोनों नेताओं को एक साथ बैठाकर आमने-सामने पूछताछ कर सकती है।

सुमित की तलाश में श्रीरामपुर पहुंची पुलिस

सास तल्ख लहजे में बोलीं 'ढूंढिए, ढूंढिए'

कालीघाट में देर रात तलाशी अभियान चलाने के बाद पुलिस की एक टीम श्रीरामपुर में सुमित के ससुराल भी जा पहुंची। हालांकि, अभिषेक के घर की तरह यहां भी पुलिस को सुमित राय का कोई सुराग नहीं मिल सका। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुमित राय के मोबाइल की अंतिम टावर लोकेशन कालीघाट के आसपास एक्टिव मिली थी। इसी पुख्ता इनपुट के आधार पर शुक्रवार देर रात करीब तीन बजे पश्चिम मेदिनीपुर के शालबनी थाने की पुलिस स्थानीय पुलिस के साथ वहां छापेमारी करने पहुंची थी, जहां घंटों इंतजार और गेट खोलने के बाद भी सुमित का कोई पता नहीं चला था। स्थानीय सूत्रों से पुलिस को अहम जानकारी मिली थी कि हालिया चुनाव के दौरान सुमित कई बार इस इलाके में आया था और यहां उसका नियमित आना-जाना बना रहता था। हालांकि, ससुराल पक्ष के लोगों ने पुलिस को बताया कि पिछले कुछ दिनों से वह यहां नहीं आया है। इस अचानक औचक अभियान में पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी थाने की पुलिस मुख्य रूप से शामिल थी, जिसके साथ महिला पुलिस अधिकारी भी मौजूद थीं। हालांकि, यह कार्रवाई किस विशिष्ट मामले को लेकर की गई, इसे लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से आधिकारिक रूप से कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई घंटे तक चली इस मैराथन कार्रवाई के दौरान घर के भीतर और बाहर लगातार जांच-पड़ताल की गई और सुबह आठ बजे के बाद ही पूरी टीम वहां से वापस लौटी।

हुई पुलिस कार्रवाई और घर के बाहर मीडिया के जमावड़े से नाराज सुमित की सास ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तल्ख लहजे में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मुझे नहीं पता कि वह कहां है। आप लोग खुद खोजिए, खोजिए। देश की पुलिस और प्रशासन है, वही उसे ढूंढ निकाले। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि जांच के नाम पर उनके परिवार को अनावश्यक रूप से मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है और उनकी निजता का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। इस पूरे मामले और छापेमारी पर एसपी पापिया सुल्ताना ने बताया कि भूमि संबंधी एक बड़े घोटाले की जांच के दौरान ही सुमित राय का नाम मुख्य रूप से सामने आया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व विधायक सुजय हाजरा की गिरफ्तारी के बाद जब उनके वित्तीय लेन-देन की कड़ियों को खंगाला गया, तो कुछ चौंकाने वाली जानकारियां मिलीं।

एक ही छत के नीचे अलग-अलग 'मुआवजा'!

250 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में अभिषेक के खिलाफ फिर एफआईआर

कोलकाता, 13 जून। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की गई है। इस बार उन पर अम्फान चक्रवात के बाद राहत वितरण में कथित तौर पर लगभग 250 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2020 में आए आंफान चक्रवात के बाद प्रभावित लोगों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सहायता दी गई थी। इसके तहत मकान निर्माण के लिए 20,000 रुपये और क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत के लिए 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी।

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि कई पक्के मकानों को भी क्षतिग्रस्त दिखाकर सरकारी धन जारी किया गया। साथ ही, एक ही छत के नीचे रहने वाले कई व्यक्तियों को अलग-अलग लाभार्थी बताकर भुगतान किया गया। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि राहत राशि दिलाने के बदले कथित तौर पर कटमनी (कमीशन) वसूली गई। आरोपपत्र के अनुसार, एक मोबाइल नंबर से 13 लोगों और दूसरे मोबाइल नंबर से 8 लोगों को जोड़ा गया था, जिन्हें अलग-अलग बैंक शाखाओं के माध्यम से 20,000 रुपये की सहायता राशि मिली। शिकायतकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल गठित करने की मांग की है। यह शिकायत भाजपा नेता अभिजीत दास की ओर से दर्ज कराई गई है। उन्होंने दावा किया है कि राहत वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एक अन्य एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें भाजपा नेता ने आरोप लगाया था कि लगभग साढ़े सात वर्ष पहले उन पर जानलेवा हमला कराया गया था। अब वे इस नए मामले में भी न्यायिक जांच और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

अरूप को 48 घंटे में थाने में पेश होने का तीसरा अल्टीमेटम

कोलकाता, 13 जून। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दौरे के दौरान हुई भारी अव्यवस्था और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पूर्व खेल मंत्री अरूप विश्वास की कानूनी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बिधाननगर दक्षिण थाने की पुलिस ने मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए अरूप विश्वास को तीसरा नोटिस जारी किया है। इस नोटिस के जरिए उन्हें अगले 48 घंटों के भीतर पुलिस के समक्ष पेश होने का कड़ा निर्देश दिया गया है। इससे पहले पुलिस द्वारा जारी किए गए दो नोटिसों पर पूर्व मंत्री ने जांचकर्ताओं के सामने हाजिर होने से परहेज किया था, जिसके बाद पुलिस को यह सख्त कदम उठाना पड़ा है। अलीपुर के निवासी अरूप विश्वास तक यह नोटिस स्थानीय अलीपुर थाने के माध्यम से पहुंचाया गया है।

इस पूरे विवाद में अरूप विश्वास को फिलहाल हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिली हुई है। अदालत ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि 17 अगस्त तक उनके खिलाफ कोई भी दंडात्मक या कठोर कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन इसके साथ ही उन्हें पुलिस जांच में पूरी तरह सहयोग करने की शर्त भी मानी होगी। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने निर्देश दिया था कि यदि पुलिस पूर्व मंत्री को पूछताछ के लिए बुलाना चाहती है, तो उन्हें कम से कम 48 घंटे पहले लिखित नोटिस देना अनिवार्य होगा। इसी अदालती गाइडलाइन का पालन करते हुए पुलिस ने शनिवार को यह नया नोटिस तामील कराया है। इसके अलावा, अदालत ने विश्वास का पासपोर्ट निचली अदालत में जमा कराने और बिना अनुमति राज्य से बाहर जाने पर भी पाबंदी लगा रखी है।

यह पूरा मामला 13 दिसंबर 2025 का है, जब लियोनेल मेसी एक विशेष कार्यक्रम के सिलसिले में कोलकाता के सॉल्ट लेक स्थित युवभारती क्रीड़ांगन आए थे। आरोप है कि उस दौरान तत्कालीन खेल मंत्री अरूप विश्वास और उनके करीबी सहयोगियों ने निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। वे मेसी के बेहद करीब पहुंच गए, जिससे विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। इस अव्यवस्था से असहज होकर मेसी को तय समय से पहले ही मैदान छोड़कर जाना पड़ा था। इस वैश्विक स्तर की फजीहत के बाद चौतरफा दबाव के कारण अरूप विश्वास को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणी करते हुए पूछा था कि क्या अरूप विश्वास मेसी के बचपन के दोस्त हैं, जो सुरक्षा घेरा तोड़कर उनके इतने करीब चले गए?

इस मामले में केवल सुरक्षा चूक ही नहीं, बल्कि एक बड़े वित्तीय घोटाले की बू भी आ रही है। शिकायतकर्ता शतद्रु के अनुसार, इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए कुल 70 हजार टिकट छापे गए थे। आरोप है कि इनमें से करीब 22 हजार टिकट अरूप विश्वास ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर अपने कब्जे में रख लिए थे, जिन्हें बाद में ब्लैक मार्केट में ऊंचे दामों पर बेचा गया। स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने भी एंट्री गेट पर कुप्रबंधन और भारी धक्का-मुक्की का आरोप लगाया था, जिसके कारण वे मेसी की एक झलक भी नहीं देख पाए थे। नाराज भीड़ ने बाद में स्टेडियम में तोड़फोड़ भी की थी। अब जबकि उनके भाई स्वरूप विश्वास रंगदारी और शीलभंग जैसे गंभीर आरोपों में पहले ही सलाखों के पीछे हैं, राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि क्या अरूप इस तीसरे नोटिस के बाद पुलिस के सामने सरेंडर करेंगे या कोई नया कानूनी रास्ता चुनेंगे।

ईडी की गिरफ्तारी के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे सुजित बोस, सोमवार को सुनवाई की उम्मीद

कोलकाता, 13 जून। पूर्व मंत्री सुजित बोस ने ईडी द्वारा की गई अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ अब जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जेल में बंद पूर्व मंत्री की ओर से दायर इस ताजा याचिका पर आगामी सोमवार को सुनवाई होने की प्रबल संभावना है। सुजित ने अपनी याचिका में केंद्रीय जांच एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उनकी यह गिरफ्तारी पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से प्रेरित है। पूर्व मंत्री ने अदालत से राहत की गुहार लगाते हुए कहा है कि जांच एजेंसी ने उन्हें केवल राजनीतिक कारणों से निशाना बनाया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी सुजित बोस ने ईडी द्वारा दर्ज मामले को सीधे चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी और उस पर त्वरित सुनवाई करने की मांग की थी। हालांकि, पिछली सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कृष्णा राव की अदालत ने उनकी इस जल्दबाजी वाली मांग को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया था। अदालत ने बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कहा था कि इस मामले में किसी विशेष जल्दबाजी का कोई ठोस आधार नजर नहीं आता। इसके साथ ही अदालत ने टिप्पणी की थी कि यदि स्थिति इतनी ही गंभीर है, तो याचिकाकर्ता को कानून के निर्धारित रास्ते पर चलते हुए नियमित जमानत के लिए आवेदन करना चाहिए। अदालत ने यह भी साफ कर दिया था कि कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार कर किसी भी तरह का शॉर्टकट नहीं अपनाया जा सकता।

हाईकोर्ट से झटका लगने और तत्काल राहत नहीं मिलने के बाद अब सुजित बोस ने नियमित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए यह जमानत याचिका दाखिल की है। फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं और कथित नगर निगम भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में जेल की सलाखों के पीछे दिन काट रहे हैं। इस बीच, कोर्ट में हुई पिछली सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश डिप्टी सॉलिसिटर जनरल धीरज त्रिवेदी ने मामले से जुड़े एक और अहम किरदार, साउथ दमदम नगरपालिका के उपाध्यक्ष निताई दत्ता का विशेष रूप से उल्लेख किया था। ईडी ने अदालत को अवगत कराया कि निताई दत्ता को कई बार पूछताछ के लिए समन भेजा गया, लेकिन वह हर बार स्वास्थ्य कारणों और हैदराबाद में इलाज का हवाला देकर जांच एजेंसी के सामने पेश होने से बचते रहे हैं।

भर्ती के बदले सोना, मदन मित्रा के ठिकानों पर रेड

अयन सील की डायरी के 'एमएम' कोड वर्ड पर ईडी का शिकंजा

कोलकाता, 13 जून। बहुचर्चित नगर निकाय भर्ती घोटाले की जांच कर रही ईडी की टीम ने शनिवार को एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा करते हुए इस पूरे भ्रष्टाचार में एक बड़े रसूखदार नाम पर शिकंजा कस दिया है। ईडी ने कामरहाटी के विधायक और सूबे के पूर्व कद्दावर मंत्री मदन मित्रा से जुड़े कोलकाता स्थित उनके आवास सहित कुल आठ अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ मैराथन छापेमारी की। सुबह से शुरू हुए इस तलाशी अभियान के बाद भवानीपुर स्थित उनके पैतृक आवास पर ईडी के वरिष्ठ अधिकारियों ने मदन मित्रा को आमने-सामने बिठाकर घंटों लंबी पूछताछ की। ईडी सूत्रों का दावा है कि राज्य की विभिन्न नगरपालिकाओं में हुई करीब 125 से अधिक अवैध नियुक्तियों में पूर्व मंत्री की संदिग्ध भूमिका के पुख्ता इनपुट मिले हैं, जिसके बाद यह बड़ी कार्रवाई की गई है।

इस मामले में सबसे सनसनीखेज मोड़ तब आया जब जांचकर्ताओं को यह पता चला कि इस घोटाले में सिर्फ नगद रुपयों का ही लेन-देन नहीं हुआ, बल्कि कई मामलों में कानून की नजर से बचने के लिए रिश्वत के तौर पर सीधे भारी मात्रा में सोना वसूला गया था। एजेंसी का दावा है कि इस पूरे सिंडिकेट में बड़े पैमाने पर बिचौलियों का इस्तेमाल किया जाता था, जो नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से मोटी रकम या सोना वसूलते थे और फिर उसका एक बड़ा हिस्सा कथित तौर पर सीधे शीर्ष राजनीतिक आकाओं तक पहुँचाया जाता था।

ईडी की इस ताजा और आक्रामक कार्रवाई के तार साल 2023 में गिरफ्तार किए गए प्रमोटर और कद्दावर कारोबारी अयन शील से जुड़े हुए हैं। अयन शील की निजी संस्था पर राज्य की कम से कम सात प्रमुख नगरपालिकाओं में भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह मैनिपुलेट करने का संगीन आरोप है। इन विवादित निकायों में मदन मित्रा का निर्वाचन क्षेत्र कामरहाटी नगरपालिका भी मुख्य रूप से शामिल है। जांच में सामने आया है कि अयन शील की कंपनी को ही इन नगरपालिकाओं में ग्रुप-डी, टाइपिस्ट, क्लर्क और ड्राइवरों की भर्ती का जिम्मा मिला था, जिसमें ओएमआर शीट की छपाई से लेकर इंटरव्यू के नंबरों में हेरफेर करने तक का सारा खेल खेला गया।

इस पूरे मामले में मदन मित्रा की मुश्किलें अयन शील के साल्टलेक स्थित आलीशान दफ्तर से जब्त हुई एक सीक्रेट डायरी ने बढ़ाई हैं। ईडी के मुताबिक, इस डायरी के पन्नों में करोड़ों रुपये और सोने के लेन-देन के आगे बकायदा शॉर्ट फॉर्म में 'एमएम' लिखा हुआ है। केंद्रीय एजेंसी को पुख्ता संदेह है कि यह संक्षिप्त संकेत किसी और का नहीं, बल्कि मदन मित्रा का ही है। गौरतलब है कि मदन खुद भी सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर अक्सर खुद को इसी लोकप्रिय नाम 'एमएम' से संबोधित करते रहे हैं, जो अब इस जांच में उनके खिलाफ सबसे बड़ा सुराग बन गया है।

ईडी के आला अधिकारियों का कहना है कि डायरी में दर्ज इन गुप्त जानकारियों, डिजिटल डेटा और अन्य दस्तावेजी साक्ष्यों का मिलान किया जा रहा है ताकि यह साफ हो सके कि इस भ्रष्टाचार के नेटवर्क की जड़ें कितनी गहरी हैं। हालांकि, इन तमाम गंभीर आरोपों और दिनभर चली छापेमारी पर मदन मित्रा या उनके वकीलों की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या सफाई सामने नहीं आई है।

3 तृणमूल नेताओं की संपत्ति 100 करोड़ से अधिक होने का दावा, हिसाब मांगा गया

हुगली, 13 जून। उत्तरपाड़ा में शनिवार सुबह कुछ पोस्टरों को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ गई। इन पोस्टरों में तृणमूल कांग्रेस के छह नेताओं के नाम और तस्वीरें लगाकर उनकी संपत्ति का हिसाब मांगा गया है। पोस्टरों पर लिखा था कि इन्हें उत्तरपाड़ा की जनता की ओर से लगाया गया है। पोस्टरों में दावा किया गया है कि छह नेताओं में से तीन—दिलीप यादव, सुब्रत मुखर्जी और टुकाई —की संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है। इनके खिलाफ कथित तौर पर रंगदारी, बेनामी संपत्ति, अवैध कब्जा, अवैध प्रमोटिंग, तस्करी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा पोस्टरों में छोटो पिंटु, अर्नब राय और मौसमी विश्वास के नाम भी शामिल हैं। इनके बारे में दावा किया गया है कि उनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपये से कम है, लेकिन उन पर भी भर्ती घोटाले, रंगदारी और अन्य कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं।

दिलीप यादव, सुब्रत मुखर्जी और टुकाई

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि भ्रष्टाचार या अवैध संपत्ति के आरोप लगाए गए हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में कोई आधिकारिक जांच रिपोर्ट या न्यायिक निष्कर्ष सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तरपाड़ा के वार्ड 17 के पार्षद सुब्रत मुखर्जी ने कहा कि इस प्रकार की पोस्टर राजनीति को उत्तरपाड़ा के लोग पसंद नहीं करते। उन्होंने दावा किया कि उनकी संपत्ति के संबंध में छिपाने जैसा कुछ नहीं है और यदि आवश्यक हो तो ईडी या आयकर विभाग जांच कर सकता है।

अमित शाह को गुंडा और जल्लाद कहकर फंसे कल्याण बनर्जी

भाजपा ने सांसद के खिलाफ दर्ज करवाया मामला, गिरफ्तारी की मांग

कोलकाता, 13 जून। तृणमूल वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी एक बार फिर अपने बयानों के कारण विवादों के घेरे में हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित रूप से बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में भाजपा नेताओं ने श्रीरामपुर थाने में उनके विरुद्ध लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने टीएमसी सांसद की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान और उसके बाद भी कल्याण बनर्जी ने कई मौकों पर देश के गृह मंत्री अमित शाह को लेकर बेहद अमर्यादित और विवादित टिप्पणियां की थीं। शिकायत पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि बनर्जी ने शाह के लिए गुंडा, जल्लाद, कायर और कम्प्लीटली डर्टी मैन जैसे आपत्तिजनक शब्दों का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल किया था। इसके साथ ही उन्होंने गृह मंत्री पर कई अनैतिक और असंवैधानिक गतिविधियों में शामिल होने के मनगढ़ंत आरोप भी लगाए थे। मामले में शिकायत दर्ज कराने वाले भाजपा नेता भास्कर घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के गृह मंत्री जैसे गरिमामय और संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ इस प्रकार की अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना एक गंभीर और दंडनीय अपराध है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इस मामले में बिना किसी राजनीतिक दबाव के तत्काल और कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इसके अलावा भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि कल्याण बनर्जी की अभद्र बयानबाजी केवल केंद्रीय नेताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने कई मौकों पर पश्चिम बंगाल के कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी और उनके परिवार के खिलाफ भी बेहद अशोभनीय टिप्पणियां की हैं।

भाजपा नेताओं का तर्क है कि कल्याण बनर्जी लगातार इस तरह के भड़काऊ और अमर्यादित बयान देकर राज्य में शांति व्यवस्था को भंग करने और राजनीतिक तनाव को जानबूझकर बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। चूंकि पूर्व में भी उनके द्वारा इस तरह की भाषा का बार-बार इस्तेमाल किया गया है, इसलिए अब उनके खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाना अनिवार्य हो गया है।

इस विवाद के बाद श्रीरामपुर के बटतला क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी अचानक बढ़ गई है। यहां बड़ी संख्या में एकत्र हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने कल्याण बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सड़क पर उनका पुतला फूंककर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारी नेताओं का कहना था कि सार्वजनिक जीवन और राजनीति में शालीन भाषा एवं लोकतांत्रिक मर्यादा का पालन हर हाल में होना चाहिए, जिसे टीएमसी सांसद पूरी तरह भूल चुके हैं।

इस पूरे सियासी बवाल और पुलिस शिकायत पर कल्याण बनर्जी या तृणमूल कांग्रेस की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। वहीं, स्थानीय पुलिस प्रशासन ने भाजपा नेताओं से शिकायत मिलने की पुष्टि की है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है और जांच से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

नगरपालिका के दस्तावेज जलाने के आरोप में तृणमूल नेता प्रबोध सरकार गिरफ्तार

कोलकाता, 13 जून (हि.स.)। बंगाल पुलिस ने अशोकनगर-कल्याणगढ़ नगरपालिका के चेयरमैन और तृणमूल कांग्रेस नेता प्रबोध सरकार को नगरपालिका के महत्वपूर्ण दस्तावेज जलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार देर रात स्थानीय लोगों ने प्रबोध सरकार के घर के बगीचे में आग जलती देखी। लोगों को संदेह हुआ कि वहां कुछ दस्तावेज जलाए जा रहे हैं, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बताया गया कि अशोकनगर-कल्याणगढ़ नगरपालिका पर फिलहाल तृणमूल कांग्रेस का नियंत्रण है। स्थानीय लोगों की सूचना पर भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और आरोप लगाया कि प्रबोध सरकार बार-बार बुलाने के बावजूद घर से बाहर नहीं निकले। इसके बाद पुलिस पहुंची और मुख्य गेट बंद होने के कारण दीवार फांदकर परिसर के अंदर दाखिल हुई। कुछ देर बाद प्रबोध सरकार बाहर आए और दावा किया कि वह बगीचे में सूखे पत्ते जला रहे थे। हालांकि भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि आग में नगरपालिका के पहचान पत्र और अन्य सरकारी दस्तावेज जलाए जा रहे थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रबोध सरकार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

भाजपा नेताओं का आरोप है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में अनियमितताओं को लेकर पहले से ही उनके खिलाफ शिकायतें थीं। भाजपा का दावा है कि आवास योजना से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों के सबूत मिटाने के लिए दस्तावेज जलाए गए। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों के आरोपों में तृणमूल कांग्रेस से जुड़े कई नेताओं और पार्षदों पर कार्रवाई हुई है। पुलिस का कहना है कि नगरपालिका रिकॉर्ड नष्ट करने के आरोपों की जांच जारी है।

कचरे के ढेर पर हावड़ा, चरमराई सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए तैयार मेगा कार्ययोजना

हावड़ा, 13 जून। प्रसिद्ध औद्योगिक नगरी हावड़ा इन दिनों कचरे के भारी संकट, असहनीय दुर्गंध और बदहाल जलनिकासी व्यवस्था के कारण बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। शहर के रिहायशी इलाकों से लेकर मुख्य सड़कों तक पर लगे कूड़े के विशाल ढेर ने आम नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है। लंबे समय से नगर निगम चुनाव न होने और बुनियादी सफाई ढांचे में बड़ी खामियों के चलते स्थिति लगातार नियंत्रण से बाहर होती चली गई। हालांकि, सूबे में नई सरकार के गठन के बाद अब स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अमले ने इस गंभीर संकट से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता दिखाई है।

बेलगछिया डंपिंग ग्राउंड के धंसाव से बिगड़े हालात

हावड़ा नगर क्षेत्र में घर-घर से कचरा उठाने की व्यवस्था तो लागू है, लेकिन इसके निस्तारण का तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। नियम के मुताबिक कचरे को स्थानीय वैट (संग्रह केंद्रों) से उठाकर मुख्य डंपिंग ग्राउंड ले जाना होता है, परंतु समय पर इसकी निकासी न होने से यह कूड़ा अब सड़कों तक फैलने लगा है। रही-सही कसर बेलगछिया डंपिंग ग्राउंड के एक हिस्से में हुए धंसाव ने पूरी कर दी, जिसके बाद हावड़ा का कचरा प्रबंधन पूरी तरह चरमरा गया। वर्तमान में शहर के एक बड़े हिस्से का कूड़ा कोलकाता के धापा और बैद्यबाटी के डंपिंग ग्राउंड में भेजा जा रहा है। सरकारी आंकड़ों की मानें तो हावड़ा नगर क्षेत्र में प्रतिदिन करीब 910 मीट्रिक टन भारी-भरकम कचरा पैदा होता है, जिसका सामना करने में मौजूदा तंत्र पूरी तरह हांफ रहा है।

संसाधनों और कर्मचारियों की भारी किल्लत से जूझ रहा निगम

इस भीषण संकट के पीछे संसाधनों की भारी कमी एक मुख्य वजह बनकर उभरी है। इतने बड़े शहर में कचरा ढोने के लिए नगर निगम के बेड़े में महज 13 ट्रैक्टर और 33 ट्रक ही उपलब्ध हैं। वहीं, पूरे नगर क्षेत्र में केवल 1,616 कचरा डिपो हैं, जो आबादी के अनुपात में बेहद कम हैं। संसाधनों के साथ-साथ कंजर्वेंसी विभाग में मैनपावर यानी कर्मचारियों का भारी टोटा है, जिसका सीधा असर रोजाना होने वाले डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन और समय पर उसके निस्तारण पर पड़ रहा है।

साफ-सफाई करते निगमकर्मी

नालियों के जाम होने से जलभराव का खतरा

शहर के चटर्जीहाट, कदमतला, पंचाननतला, सालकिया, शिवपुर और टिकियापाड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक बनी हुई है। इसके अलावा वार्ड संख्या 6, 7, 9, 49 और 50 में कचरे के साथ-साथ जलभराव की दोहरी मार पड़ रही है। स्थानीय निवासियों की शिकायत है कि सड़कों पर बिखरा कचरा हवा और पानी के साथ बहकर नालियों में समा जाता है, जिससे पूरा ड्रेनेज सिस्टम चोक हो गया है। खुले नाले और जगह-जगह अवैध रूप से चल रहे खटाल इस समस्या को और ज्यादा पेचीदा बना रहे हैं, जिसके कारण आने वाले मॉनसून में भारी जलभराव का खतरा मंडराने लगा है।

बंद गाड़ियों और कम्पैक्टर का लिया जाएगा सहारा

इस संकट का स्थाई समाधान खोजने के लिए हावड़ा नगर निगम मुख्यालय में एक उच्चस्तरीय आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें शहर की सूरत बदलने के लिए कई अहम तकनीकी बदलावों पर मुहर लगाई गई। नई कार्ययोजना के तहत अब सड़कों पर खुले वाहनों में कचरा नहीं ढोया जाएगा, बल्कि उनकी जगह बंद बॉक्स वाले आधुनिक वाहनों को चरणबद्ध तरीके से बेड़े में शामिल किया जाएगा। विभिन्न संवेदनशील इलाकों में टिपर वैन तैनात किए जाएंगे, जहाँ घरों से निकला कचरा सीधे डंप होगा। इसके अलावा शहर में जगह-जगह मोवेबल कम्पैक्टर मशीनें लगाई जाएंगी, जो कचरे को कंप्रेस कर कम जगह में सुरक्षित तरीके से संग्रहित करेंगी। योजना में खुले वैट को पूरी तरह हटाने, नालियों की रोस्टर के तहत सफाई और गीले-सूखे कचरे को अलग-अलग करने (पृथक्करण) पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही सफाई विभाग में खाली पड़े पदों पर बहाली की प्रक्रिया भी तेज की जाएगी।

सत्ता और विपक्ष आए एक साथ

हावड़ा को इस बदहाली से निकालने के लिए अब राजनीतिक इच्छाशक्ति भी दिखाई देने लगी है। उत्तर हावड़ा के विधायक और राज्य मंत्री उमेश राय ने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि शहर को इस गंदगी से मुक्ति दिलाने के लिए हर हाल में आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी।

उन्होंने विभाग में नई नियुक्तियों और सफाई अभियानों को युद्ध स्तर पर चलाने की बात कही। दूसरी ओर, विपक्ष ने भी इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाया है। पूर्व विधायक गौतम चौधरी ने नई सरकार को इस दिशा में पूरा सहयोग देने का भरोसा देते हुए कहा कि अतीत में वित्तीय संकट के चलते कई जरूरी परियोजनाएं ठप हो गई थीं, लेकिन अब शहर के हित में सभी पक्षों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा।

प्रशासनिक दावों और इस राजनीतिक एकजुटता के बीच अब हावड़ा के नागरिकों को उम्मीद है कि यह कार्ययोजना कागजों से निकलकर जल्द धरातल पर उतरेगी और उन्हें एक स्वच्छ व प्रदूषण-मुक्त माहौल मिल सकेगा।

ORTEM
Offering Wings to your Financial Dreams
OPEN A DEMAT ACCOUNT WITH US AND ENJOY THE BENEFITS FOR EVER.
ORTEM SECURITIES LIMITED
DEPOSITORY PARTICIPANT OF
NATIONAL SECURITIES DEPOSITORY LTD
59,BENTINCK STREET, 1ST FLOOR
KOLKATA – 700069
Call us @ +9133 2236 7725/7726
Fax us @ +9133 2237 8026
Visit us at **www.ortemsecurities.com**
Email us at **info@ortemsecurities.com**
BENEFITS
● ONLINE BACK OFFICE
● SPEED-E FACILTY FOR ONLINE TRANSFER
● NIL ACCOUNT OPENING CHARGES
● LOW MAINTENANCE CHARGES
● PERSONALISED SERVICE

हर BIGHA
में PROFIT?
Aisa plot milega kaha?
Q AUR KAHA!
INDUSTRIAL PARK
#ApniProfitWaliPlot
STATE APPROVED INDUSTRIAL PARK
CLICK HERE TO CALL
98741 92222

इंसाफ की आस में 'जनता का दरबार', चौथे दिन भी उमड़ी भारी भीड़

मृत छात्र के माता-पिता ने लगाई न्याय की गुहार

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी जनता दरबार में शिकायत सुनते

■ संवाददाता

कोलकाता, 13 जून। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'जनता के दरबार' के चौथे दिन भी फरियादियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सॉल्टलेक स्थित कार्यालय में आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम में शनिवार को भी अपनी-अपनी गंभीर समस्याएं लेकर सैकड़ों लोग पहुंचे। सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त के बीच, वैध पहचान पत्र और पूर्व निर्धारित टोकन नंबरों की कड़ाई से जांच के बाद ही लोगों को परिसर में प्रवेश की अनुमति दी गई। इस जनसुनवाई में सबसे हृदयविदारक दृश्य उस वक्त देखने को मिला, जब बांसद्रोणी स्थित महर्षि विद्या मंदिर स्कूल के मृत छात्र आयुष कुमार नाथ के बेबस माता-पिता न्याय की उम्मीद में एक बार फिर मुख्यमंत्री के दरबार पहुंचे। उनके साथ स्कूल के कई अन्य आक्रोशित अभिभावक भी एकजुटता दिखाने के लिए मौजूद थे। पीड़ित परिवार का सीधा आरोप है कि स्कूल प्रबंधन की घोर लापरवाही ने उनके मासूम बच्चे की जान ले ली, लेकिन रसूख के आगे अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल सका है।

परिजनों ने रुंधे गले से घटना का ब्योरा देते हुए बताया कि बीती 13 मई को तीसरी कक्षा का छात्र आयुष स्कूल की अवधि के दौरान अचानक बेहद अस्वस्थ हो गया था। आरोप है कि बच्चे की तबीयत बिगड़ने के बावजूद स्कूल प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाने के बजाय उसे लंबे समय तक बिना किसी इलाज के कक्षा में ही बैठाए रखा। बाद में छुट्टी के वक्त मची अफरा-तफरी के दौरान सीढ़ियों से गिरकर मासूम आयुष के सिर में गंभीर चोटें आईं। कई बड़े अस्पतालों के चक्कर काटने और लगातार 11 दिनों तक वेंटिलेटर व कोमा में जिंदगी और मौत की जंग लड़ने के बाद, आखिरकार 24 मई को उसने दम तोड़ दिया।

मृतक छात्र के पिता आशिष कुमार नाथ ने स्कूल प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके बेटे की मौत पूरी तरह एक प्रशासनिक हत्या है। उन्होंने बताया कि बेटे की मृत्यु के तुरंत बाद 24 मई को ही स्थानीय थाने में नामजद शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद जब 26 मई को न्याय की मांग को लेकर तमाम अभिभावकों ने स्कूल के मुख्य गेट के बाहर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया, तो पुलिस और प्रबंधन ने उनकी जायज मांगों पर कार्रवाई करने के बजाय उन पर बर्बर बल प्रयोग किया।

पीड़ित पिता का आरोप है कि उन्हें और अन्य प्रदर्शनकारी अभिभावकों को डराने-धमकाने के लिए झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की साजिश रची जा रही है।

आशा सुपरवाइजरों ने समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग

मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे लोगों में केवल स्कूली छात्र का परिवार ही नहीं, बल्कि अन्य पीड़ित भी शामिल थे। इनमें बर्धमान डेंटल कॉलेज के होनहार युवा चिकित्सक स्वर्गीय अमर्त्य घोषाल का परिवार भी मुख्य रूप से मौजूद था। 24 वर्षीय अमर्त्य की दो साल पहले दुर्गापुर एक्सप्रेसवे पर एक संदिग्ध बाइक दुर्घटना में मौत हो गई थी। अमर्त्य के परिजनों ने रोते हुए मुख्यमंत्री को बताया कि यह कोई सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं थी, बल्कि इसके पीछे कॉलेज के भीतर सक्रिय एक गहरी साजिश और दबाव का हाथ था। परिवार का दावा है कि अदालत ने भी इस मामले की सुनवाई के दौरान किसी तीसरे पक्ष की संदिग्ध भूमिका की आशंका जताई थी, लेकिन दो साल का लंबा वक्त बीत जाने के बाद भी जांच ठंडे बस्ते में है। इस जनसुनवाई कार्यक्रम में केवल आपराधिक और प्रशासनिक प्रताड़ना के मामले ही नहीं आए, बल्कि अपनी सेवा शर्तों को लेकर परेशान सरकारी कर्मचारी भी पहुंचे। शनिवार को अर्बन आशा कर्मियों के सुपरवाइजरों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी मुख्यमंत्री के दरबार में हाजिर हुआ। उन्होंने एक ज्ञापन सौंपकर राज्य सरकार से समान कार्य के लिए समान वेतन नीति लागू करने और एक सम्मानजनक सेवा नियमावली बनाने की पुरजोर मांग उठाई। लगातार चार दिनों से जनसुनवाई में उमड़ रही यह भारी भीड़ और लोगों का आक्रोश साफ बयां कर रहा है कि स्थानीय स्तर पर पुलिस और प्रशासन से निराश हो चुके आम नागरिकों को अब केवल मुख्यमंत्री की सीधी दखलअंदाजी पर ही भरोसा रह गया है।

विद्रोही खेमे को बाय वन गेट वन फ्री में मिलेगा चलता-फिरता ब्यूटी पार्लर: कुणाल

कोलकाता, 13 जून। तृणमूल के भीतर जारी सियासी उठापटक के बीच वरिष्ठ सांसद सुदीप बनर्जी के कथित तौर पर विद्रोही खेमे के संपर्क में आने की खबरों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में भारी हलचल पैदा कर दी है। दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर सुदीप बनर्जी और सांसद शताब्दी राय की मौजूदगी के बाद इन अटकलों को और बल मिला है कि वे भी तृणमूल के असंतुष्ट सांसदों के समूह के साथ जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा में तृणमूल के असंतुष्ट सांसदों का एक समूह अलग पहचान और संसद में बैठने की नई व्यवस्था की मांग को लेकर आगामी सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर सकता है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा बेहद तेज है कि यदि सुदीप बनर्जी भी इस समूह में शामिल होते हैं, तो विद्रोही सांसदों की ताकत और संख्या दोनों बढ़ सकती है।

इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक कुणाल घोष ने सुदीप बनर्जी पर बेहद तीखा और तल्ख हमला बोला है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि सुदीप बनर्जी का विद्रोही खेमे में जाना भाजपा के लिए 'बाय वन, गेट वन फ्री' के ऑफर जैसा होगा। इसके साथ ही उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि विद्रोही खेमे को 'विग वाले नेता' के साथ-साथ एक चलता-फिरता ब्यूटी पार्लर भी मुफ्त में मिलेगा। कुणाल घोष का यह सीधा और तीखा इशारा सुदीप बनर्जी की पत्नी और विधायक नैना बनर्जी की ओर था, जिसने राज्य के राजनीतिक हलकों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

कुणाल घोष ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी में ऐसे अवसरवादी नेताओं को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया गया, जिसके कारण कई योग्य और जमीनी कार्यकर्ता आगे नहीं बढ़ सके। उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं ने लंबे समय तक पार्टी और शीर्ष नेतृत्व के दम पर तमाम सुख-सुविधाओं का लाभ उठाया, लेकिन जैसे ही कठिन समय आया, उन्होंने अपनी अलग राह चुन ली। गौरतलब है कि सुदीप बनर्जी लंबे समय तक लोकसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता रहे हैं, लेकिन बाद में उनकी जगह अभिषेक बनर्जी को यह बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई थी। राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि पद से हटाए जाने के समय से ही सुदीप बनर्जी पार्टी नेतृत्व के कुछ फैसलों से भीतर ही भीतर नाराज चल थे।

मुफ्त बस सेवा की मार, निजी बस ऑपरेटरों के पहिये थमे

दैनिक आय में भारी गिरावट के बाद सरकार से लगाई गुहार

कोलकाता, 13 जून (संवाददाता)। राज्य सरकार द्वारा सरकारी बसों में महिलाओं के लिए शुरू की गई मुफ्त यात्रा योजना ने जहां आम महिलाओं को बड़ी राहत दी है, वहीं निजी बस उद्योग के सामने एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। महिला यात्रियों के सरकारी बसों की ओर रुख करने से निजी बसों की आय में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। इस स्थिति से चिंतित निजी बस संचालकों ने अब सरकार के दरवाजे पर दस्तक दी है और इस गंभीर वित्तीय संकट से उबरने के लिए नीतिगत व आर्थिक पैकेज की मांग की है। शनिवार को सर्वभारतीय बस समन्वय समिति सहित विभिन्न बस संगठनों के प्रतिनिधियों ने राज्य के परिवहन मंत्री से शिष्टाचार भेंट की और सार्वजनिक परिवहन की इस बदहाली पर गहरी चिंता जताई। इस दौरान उन्होंने डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों का मुद्दा भी उठाया और राज्य सरकार से डीजल पर लगने वाले सेस में कटौती करने की पुरजोर वकालत की।

संयुक्त बस सिंडिकेट काउंसिल के सचिव तपन बंद्योपाध्याय ने वर्तमान जमीनी हकीकत को बयां करते हुए कहा कि जब से महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू हुई है, तब से प्रत्येक निजी बस की दैनिक कमाई औसतन 500 से 700 रुपये तक कम हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन रूटों पर सरकारी बसें उपलब्ध हैं, वहां महिला यात्री स्वाभाविक रूप से मुफ्त सेवा को प्राथमिकता दे रही हैं। बस संचालकों का दावा है कि पश्चिम बंगाल के सार्वजनिक परिवहन की असली रीढ़ अब भी निजी बसें ही हैं, क्योंकि राज्य के 85 प्रतिशत से अधिक यात्री रोजाना इन्हीं बसों से सफर करते हैं। ऑपरेटरों ने उदाहरण देते हुए समझाया कि पहले जो महिलाएं अपने बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने के लिए दिन में चार बार टिकट खरीदती थीं, वे अब सरकारी बसों का इंतजार करती हैं, जिससे निजी ऑपरेटरों का पूरा गणित बिगड़ गया है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने इसी महीने की 1 जून से सरकारी बसों में महिलाओं के लिए इस महत्वाकांक्षी मुफ्त यात्रा योजना का आगाज किया है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए महिलाओं को विभिन्न वैध सरकारी पहचान पत्रों के आधार पर आवेदन करना होता है।

महुआ की महाकाली टिप्पणी विवाद : कोर्ट में टमाटर और सड़े अंडे लेकर पहुंचे प्रदर्शनकारी

कोलकाता, 13 जून। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा माँ काली को लेकर दी गई कथित विवादास्पद टिप्पणी का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। कृष्णनगर अदालत में उनके संभावित आगमन की खबर फैलते ही कोर्ट परिसर का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। यद्यपि सांसद अदालत में उपस्थित नहीं हुईं, लेकिन उनके आने की अटकलों के बीच बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी कोर्ट परिसर के बाहर जुट गए।

स्थिति उस समय और अधिक गंभीर हो गई जब कुछ प्रदर्शनकारियों के हाथों में सड़े हुए अंडे, टमाटर और अन्य वस्तुएं देखी गईं। बताया जा रहा है कि इस प्रदर्शन में भाजपा समर्थकों की भी खासी मौजूदगी थी, जिन्होंने सांसद के खिलाफ नारेबाजी की। कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे, हालांकि इस दौरान कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई। प्रदर्शनकारियों में महुआ मोइत्रा के पुराने बयान को लेकर गहरा आक्रोश देखा गया, जिसे वे अपनी धार्मिक आस्था पर प्रहार मान रहे हैं।

यह पूरा विवाद साल 2022 के उस घटनाक्रम से जुड़ा है, जब कनाडा स्थित फिल्म निर्माता लीना मणिमेकलई की एक डॉक्यूमेंट्री के पोस्टर में माँ काली को सिगरेट पीते हुए दर्शाया गया था। उस समय महुआ मोइत्रा ने विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि माँ काली को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा जा सकता है, जिसमें उन्हें मांसाहारी और मदिरा ग्रहण करने वाली देवी के रूप में भी माना जाता है। उनके इस बयान ने राज्य से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था।

इस टिप्पणी के बाद धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। कृष्णनगर, कोलकाता और कई अन्य स्थानों पर उनके खिलाफ मामले भी दर्ज किए गए।

सरकारी कामकाज में गड़बड़ी या योजनाओं से वंचित जनता को राहत

अब नए पोर्टल पर सीधे दर्ज होगी शिकायत

कोलकाता, 13 जून। शुभेंदु सरकार ने आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निवारण और प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए एक नया ऑनलाइन शिकायत पोर्टल शुरू किया है। जनता दरबार और आपकी सरकार, आपके साथ हेल्पलाइन की सफलता के बाद उठाए गए इस कदम से अब लोग सरकारी योजनाओं और सेवाओं से जुड़ी शिकायतें सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा सकेंगे। सूत्रों के अनुसार, अन्नपूर्णा योजना, वृद्धावस्था पेंशन, आगामी कल्याणकारी योजनाओं और अन्य नागरिक सेवाओं में होने वाली किसी भी गड़बड़ी या लापरवाही की शिकायत इस पोर्टल के माध्यम से की जा सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रशासन को जनता के प्रति अधिक जवाबदेह बनाना है।

शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को बेहद सरल रखा गया है। नागरिकों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर %सिटिजन सर्विस% के तहत %रेज ग्रीवेंस% विकल्प पर क्लिक करना होगा। इसके बाद मोबाइल नंबर और ओटीपी दर्ज करते ही शिकायत पंजीकरण का फॉर्म खुल जाएगा। फॉर्म में आवेदक को अपना नाम, जिला, पता, थाना और विधानसभा क्षेत्र जैसी बुनियादी जानकारियां भरनी होंगी। शिकायतकर्ता अपनी समस्या का विवरण लिखने के साथ ही संबंधित दस्तावेज या तस्वीरें भी अपलोड कर सकते हैं।

शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित विभाग मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेगा, जिसकी प्रगति रिपोर्ट आवेदक के मोबाइल पर भेजी जाएगी। जो लोग इंटरनेट का उपयोग नहीं कर पाते, उनके लिए सरकार की टोल-फ्री हेल्पलाइन सेवा भी जारी है। इसके अलावा सॉल्टलेक में मुख्यमंत्री का जनता दरबार भी नियमित रूप से चलता रहेगा ताकि जनता की बात सीधे सरकार तक पहुंचे।शिकायत की प्रगति यानी स्टेटस से संबंधित हर छोटी-बड़ी जानकारी आवेदक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए लगातार भेजी जाती रहेगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहे।

ऑनलाइन पोर्टल के अलावा राज्य सरकार ने उन लोगों के लिए भी व्यवस्था की है जो इंटरनेट का उपयोग नहीं कर पाते हैं। सरकार ने जनता की शिकायतें सीधे सुनने के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया हुआ है, जिस पर फोन करके नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। इसके साथ ही सॉल्टलेक में मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत जनता दरबार कार्यक्रम भी पहले की तरह नियमित रूप से जारी रहेगा। सरकार की इस चौतरफा पहल से अब बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी और जनता को अपनी आवाज सीधे सरकार तक पहुंचाने का एक मजबूत और निष्पक्ष माध्यम मिल गया है।

खत्म हो गई तकरार! अभिषेक का बयान सुनते ही कल्याण ने बरसाया प्यार, बोले- वो मेरे बेटे जैसे

कोलकाता, 13 जून। बंगाल में चुनाव हो गए, मगर हलचल नहीं खत्म हुई। बंगाल में सियासी पारा हाई है। ममता बनर्जी की टीएमसी टूट चुकी है। बंगाल चुनाव में हार के बाद ममता को लगातार झटके मिल रहे हैं। ममता के ज्यादातर करीबी नेता अब साथ छोड़ चुके हैं या छोड़ने वाले हैं। टीएमसी नेताओं की नाराजगी ममता से कम और अभिषेक बनर्जी से अधिक है। कल्याण बनर्जी ने तो खुलकर यह बात कही थी। अब कल्याण बनर्जी संग तकरार को अभिषेक बनर्जी कम करना चाहते हैं। यही वजह है कि कल्याण बनर्जी के साथ टकराव पर अभिषेक ने चुप्पी तोड़ी है। अभिषेक ने कल्याण को अपना राजनीतिक मार्गदर्शक बताया और कहा कि उन्हें मेरी आलोचना का पूरा हक है।

जी हां, टीएमसी यानी तृणमूल में जारी अंदरूनी खींचतान के बीच पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक ने शुक्रवार को संयमित रुख अपनाया। उन्होंने हुए टीएमसी के सीनियर सांसद कल्याण के साथ टकराव की अटकलों को विराम देने की कोशिश की। अभिषेक ने कल्याण बनर्जी को अपना राजनीतिक मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि उन्हें आलोचना करने का पूरा अधिकार है, जिससे पार्टी के भीतर बढ़ते मतभेदों के बीच सुलह और संतुलन का संदेश देने का प्रयास नजर आया। अभिषेक की इस पहल का श्रीरामपुर के दिग्गज सांसद कल्याण ने भी तुरंत जवाब दिया। उन्होंने अभिषेक बनर्जी की बात का स्वागत किया और उन्हें बेटे जैसा बताया। कल्याण ने इस बात पर बल दिया कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई में पार्टी के सभी नेताओं का एकजुट रहना जरूरी है।

बागी नेताओं के निशाने पर अभिषेक, ममता की चुप्पी ने बढ़ाई सियासी तपिश

कोलकाता, 13 जून। हालिया विधानसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद तृणमूल के भीतर सुलग रहा असंतोष अब एक बड़े विक्षोभ के रूप में धरातल पर आ गया है। इस पूरे आंतरिक संकट की सबसे दिलचस्प और रणनीतिक कड़ी यह है कि बगावत का झंडा बुलंद करने वाले वरिष्ठ नेता और सांसद सीधे तौर पर पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी पर उंगली नहीं उठा रहे हैं। इसके विपरीत, उनका पूरा गुस्सा और तीखे हमले पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर केंद्रित हैं। पार्टी के पुराने सिपहसालारों का खुला आरोप है कि संगठन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया पूरी तरह खत्म हो चुकी है और कैमैक स्ट्रीट तथा चुनावी रणनीतिकार संस्था आईपैक की मनमानी के चलते जमीन से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं को लगातार दरकिनार किया गया।

अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व के सब्र का बांध अब टूट चुका है। सांसद काकली घोष दस्तीदार, सुखेंदु शेखर राय और अनुव्रत मंडल जैसे कद्दावर नाम अलग-अलग मंचों से अपनी गंभीर आपत्ति दर्ज करा चुके हैं। इनमें सबसे प्रखर आवाज श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी की रही है, जो तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के समय से ममता बनर्जी के साथ चट्टान की तरह खड़े रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने बेहद तल्ख लहजे में कहा कि सार्वजनिक जीवन में बेदाग रहने के बावजूद आज उन्हें दूसरों की गलतियों के कारण चोर-चोर सुनना पड़ रहा है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि या तो संगठन में पुराने वफादारों की बात सुनी जाए या फिर अभिषेक की कार्यशैली में आमूलचूल बदलाव किया जाए।

चौतरफा हमलों के बीच शुक्रवार को इस विवाद ने उस वक्त एक नया मोड़ ले लिया जब खुद अभिषेक बनर्जी ने इस पर बेहद सधे हुए अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कल्याण बंद्योपाध्याय वरिष्ठ नेता हैं, उन्होंने मुझे बचपन से देखा है और उन्हें मुझे दो बातें सुनाने का पूरा हक है। अभिषेक के इस विनम्र रुख के बाद कल्याण बनर्जी के तेवर भी कुछ नरम पड़े। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अभिषेक मेरे बेटे जैसा है, अगर वह अपनी कमियां सुधार ले तो मैं उसे गले लगाने को तैयार हूँ। मेरा विरोध केवल कार्यशैली से है, मैं दीदी के साथ हमेशा खड़ा हूँ।

इस अभूतपूर्व अंतर्कलह के बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की रहस्यमयी चुप्पी राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा सवाल बनी हुई है। विश्लेषकों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस इस वक्त वजूद के सबसे बड़े संकट और बिखराव के मुहाने पर खड़ी है, फिर भी ममता बनर्जी का अपने भतीजे के प्रति नरम रुख यह साफ संकेत देता है कि वह अभिषेक को ही अपना एकमात्र सियासी उत्तराधिकारी मान चुकी हैं। अतीत में भी युवा संगठनों का विलय कर अभिषेक को सर्वोपरि बनाने के दौरान ऐसी बगावतें हुई थीं, जिन्हें ममता ने नजरअंदाज कर दिया था। अब देखना यह होगा कि चुनावी हार और अपनों के ही तीखे विद्रोह के बीच, अभिषेक पर ममता का यह अटूट भरोसा डूबती नैया को पार लगाएगा या संकट को और अधिक गहरा कर देगा।

तृणमूल ने गंवाया विकास का अवसर : शमिक

कोलकाता, 13 जून (हि.स.)। बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर विकास के अवसरों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की उदासीनता के कारण बंगाल विकास के एक बड़े अवसर से वंचित रह गया। भट्टाचार्य ने दावा किया कि वर्ष 2016 में केंद्र सरकार ने राज्य के 780 जनगणना नगरों को शहरी प्रशासन के दायरे में लाकर योजनाबद्ध विकास का अवसर प्रदान करने की पहल की थी। उनके अनुसार, इस पहल के माध्यम से केंद्र की वित्तीय सहायता से सड़कों, जल निकासी व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं को और मजबूत किया जा सकता था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इस पहल को लागू नहीं किया, जिसके कारण तेजी से विकसित हो रहे कई क्षेत्र आज भी अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्याओं से जूझ रहे हैं और विकास के लाभों से वंचित हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता राजनीति नहीं, बल्कि विकास चाहती है। उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन सरकार केंद्र की आर्थिक सहायता, योजनाओं और तकनीकी संसाधनों का बेहतर उपयोग कर राज्य को आधुनिक और रहने योग्य शहरी व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ा सकती है। भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि विकास के अवसर अब और नष्ट नहीं होंगे तथा भविष्य में सही निर्णयों के माध्यम से एक विकसित बंगाल का निर्माण किया जाएगा। हालांकि, इन आरोपों पर राज्य सरकार या तृणमूल कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

'बागी' सुर पड़ गए भारी : माला रॉय की छुट्टी

अलिफा अहमद के हाथ महिला तृणमूल की कमान

कोलकाता, 13 जून। तृणमूल में चल रही तीखी अंदरूनी कलह और संगठनात्मक खींचतान के बीच पार्टी आलाकमान ने एक बड़ा और कड़ा फैसला लिया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता, कोलकाता दक्षिण से सांसद और कोलकाता नगर निगम की चेयरपर्सन माला रॉय को महिला तृणमूल के अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। अनुशासनहीनता के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुए नेतृत्व ने उनकी जगह कालिगंज की कद्दावर विधायक अलिफा अहमद को संगठन की नई प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। शुक्रवार को तृणमूल की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने अलिफा अहमद को आधिकारिक नियुक्ति पत्र भेजकर संगठन की इस नई जिम्मेदारी की घोषणा की।

पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, माला रॉय के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई की मुख्य वजह उनका हालिया रुख रहा है। वे पिछले कुछ दिनों से तृणमूल के भीतर पनपे 'बागी' सांसदों के खेमे में सक्रिय थीं। हद तो तब हो गई जब उन्होंने एनडीए को समर्थन देने वाले एक आंतरिक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए। पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की इस रिपोर्ट के बाद से ही आलाकमान उनके रुख से बेहद नाराज था। हालांकि, सूत्रों का यह भी दावा है कि माला रॉय ने स्थिति को भांपते हुए बीती 8 जून को ही अपने पद से इस्तीफा भेज दिया था, लेकिन शुक्रवार को उनके हटाए जाने और नई नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा कर पार्टी ने यह साफ संदेश दे दिया है कि संगठन में किसी भी स्तर की बगावत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महिला संगठन की नई कप्तान बनी अलिफा अहमद को तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी का बेहद करीबी और भरोसेमंद माना जाता है। अलिफा ने साल 2024 के उपचुनाव में कालिगंज सीट पर शानदार जीत दर्ज कर पहली बार सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद हाल ही में संपन्न हुए 2026 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन पर दोबारा दांव खेला, जिस पर वे पूरी तरह खरी उतरीं। लगातार दो जीतों से उन्होंने शीर्ष नेतृत्व के भीतर अपना कद बेहद मजबूत कर लिया है। नई जिम्मेदारी मिलने के तुरंत बाद अलिफा अहमद ने ममता बनर्जी और पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। वहीं, कृष्णानगर की फायरब्रांड सांसद महुआ मोइत्रा ने भी सोशल मीडिया के जरिए अलिफा को बधाई देते हुए इस नियुक्ति की जानकारी साझा की।

गौरतलब है कि हालिया विधानसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन न होने के बाद से ही तृणमूलके भीतर गुटबाजी और असंतोष खुलकर सड़कों पर आ गया है। सांसद काकली घोष दस्तीदार के नेतृत्व वाले बागी गुट ने पार्टी नेतृत्व की चिंताएं बढ़ा रखी हैं, जिसमें माला रॉय भी शामिल हो गई थीं। पहले यह पद चंद्रिमा के पास था, लेकिन उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद माला रॉय को यह जिम्मेदारी दी गई थी। अब राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता ने संगठन को आंतरिक संकट से उबारने और अनुशासन का पाठ पढ़ाने के लिए नए और वफादार चेहरों को आगे लाना शुरू कर दिया है।

● स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **विश्वम्भर नेवर** द्वारा **छपते छपते**, 26सी, क्रीक रो, कोलकाता-14 में मुद्रित एवं **छपते छपते कार्यालय**, 26सी क्रीक रो, कोलकाता- 700014 से प्रकाशित ● मुख्य संपादक : **विश्वम्भर नेवर** ● सम्पादक : **बिपिन नेवर**

मंत्री बने रहेंगे दीपक प्रकाश, सम्राट चौधरी ने दूर किया सस्पेंस

भाजपा ने उपेंद्र कुशवाहा के पाले में डाली गेंद ?

पटना, 13 जून। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश के मंत्री पद पर संशय फिलहाल दूर हो गया है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट कहा कि दीपक आज भी मंत्री हैं और आगे भी बने रहेंगे। माना जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने गेंद कुशवाहा के पाले में डाल दी है। अब रालोमो चीफ को देखना है कि वह अपने बेटे को मंत्री पद पर बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाते हैं। दरअसल, बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। हाल ही में हुए विधान परिषद चुनाव में उन्हें एमएलसी नहीं बनाए जाने के बाद उनके मंत्री पद पर संकट पैदा हो गया था। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को पटना में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि दीपक प्रकाश आज भी मंत्री हैं और आगे भी रहेंगे। सीएम ने स्पष्ट किया कि बिना किसी सदन का सदस्य होने पर कोई भी 5 महीने और 29 दिनों तक मंत्री रह सकता है।

उन्होंने कहा कि वह खुद बिना सदन के सदस्य रहे 5 महीने एवं 28 दिनों तक मंत्री रहे थे। हालांकि, सीएम ने यह नहीं बताया कि आगामी महीनों में दीपक प्रकाश को सदन में कैसे भेजा जाएगा, या फिर 5 महीने 29 दिन की अवधि पूरी होने के बाद वह पद पर कैसे रहेंगे अथवा नहीं रहेंगे।

सीएम सम्राट के इस बयान के मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने गेंद उपेंद्र कुशवाहा के पाले में डाल दी है। अब कुशवाहा को यह तय करना है कि अपने बेटे को वह सम्राट कैबिनेट में बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

नई सम्राट चौधरी सरकार में दीपक प्रकाश ने 7 मई को मंत्री पद की शपथ ली थी। नियमों के अनुसार, नवंबर 2026 के पहले सप्ताह तक बिना विधायक या एमएलसी बने वह कैबिनेट में रह सकते हैं। इसके बाद उन्हें किसी भी सदन की सदस्यता लेना आवश्यक होगा, नहीं तो उनका मंत्री पद चला जाएगा। सीएम के बयान से यह स्पष्ट हो गया कि इस अवधि से पहले दीपक से इस्तीफा नहीं लिया जाएगा।

बिहार के 23 बड़े पुल की हालत गंभीर

50 ब्रिज को तुरंत मरम्मत की दरकार, रिपोर्ट में खुलासा

पटना, 13 जून। बिहार के 23 बड़े पुल की स्थिति गंभीर है। यही नहीं, 50 छोटे-बड़े पुलों को तत्काल मरम्मत करने की भी दरकार है। राज्य भर के पुलों की हुई जांच के बाद आई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। पुल निर्माण निगम ने 60 मीटर से अधिक लंबाई के पुलों की सुरक्षा एवं वर्तमान स्थिति की समीक्षा की है। इसमें कमजोर पुलों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई गई है। दूसरी ओर, आईआईटी पटना के द्वारा राज्य के अत्यंत महत्वपूर्ण एवं लाइफलाइन माने जाने वाले 250 मीटर से अधिक लंबाई वाले 47 पुलों की भी जांच की गई है। आईआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पथ निर्माण सचिव पंकज कुमार पाल ने वरीय अधिकारियों के साथ निगम के इन पुलों की स्थिति से संबंधित जांच रिपोर्ट की उच्च स्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के दौरान बताया गया कि राज्यभर में 60 मीटर से अधिक लंबाई वाले कुल 638 पुलों को चिह्नित किया गया। इसके बाद सभी 638 पुलों की जांच पूरी कर ली गई है।

पश्चिम चंपारण में 49, पटना में 36, मुजफ्फरपुर में 39, अररिया में 38, पूर्णिया में 27, किशनगंज में 37, कटिहार में 36, सुपौल में 35, पूर्वी चम्पारण में 30, दरभंगा में 29 गयाजी में 25, नवादा में 20 जमुई में 16 एवं सहरसा में 19 सहित कुल 638 पुलों की गहन जांच की गई।

पिछले दिनों पथ निर्माण विभाग ने राज्य भर के पुलों का सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए थे। विभाग के सचिव पंकज पाल ने इंजीनियर और अफसरों को चेतावनी भी दी थी कि अगर उनकी लापरवाही से टूटे तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। पिछले महीने भागलपुर में विक्रमशिला सेतु का एक हिस्सा ध्वस्त होकर गंगा नदी में समा गया था। इसके बाद बिहार के पुलों की सेहत पर सवाल खड़े होने लगे। बिहार सरकार ने राज्य भर के पुलों की जांच कराई। बड़े ब्रिज की सेफ्टी जांच आईआईटी पटना के विशेषज्ञों ने की। जांच की रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है।

बिहार की समृद्धि से ही विकसित भारत का सपना होगा साकार : सम्राट चौधरी

पटना, 13 जून (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को राजधानी पटना के बापू सभागार में आयोजित 'भरोसे के च्वाइस पटना एडिशन' के 11वें संस्करण का उद्घाटन करते हुए राज्य के विकास, निवेश, उद्योग, पर्यटन और सुशासन को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब बिहार आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक रूप से समृद्ध बनेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बिहार के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि लगभग दो हजार वर्ष पहले बिहार ज्ञान, संस्कृति, शासन और सभ्यता का प्रमुख केंद्र था। इस धरती ने देश को स्वर्णिम युग प्रदान किया और लंबे समय तक राष्ट्र को दिशा देने का कार्य किया।

एक बार फिर से बिहार की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक गौरव से प्रेरणा लेकर राज्य को विकास के शिखर तक पहुंचाने का समय आ गया है।

सम्राट चौधरी ने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य के विकास की मजबूत नींव रखी थी। हालांकि, वर्ष 1962 से 1990 के बीच राजनीतिक अस्थिरता के कारण विकास की गति प्रभावित हुई, लेकिन अब राज्य सरकार दीर्घकालिक योजनाओं के माध्यम से बिहार को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने राज्य के पेशेवर वर्ग, विशेषकर चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, स्टॉक मार्केट विशेषज्ञ और वित्तीय सलाहकारों से बिहार के विकास में योगदान देने की अपील की।

फ्री होकर बात करुंगा मां... एक घंटे बाद ही शहीद हो गए फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम

जहानाबाद, 13 जून। असम के जोरहाट वायुसेना स्टेशन पर भारतीय वायुसेना का परिवहन विमान (एएन-32) शनिवार को लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में वायुसेना के पांच जवान शहीद हो गए जिसमें बिहार के जहानाबाद के लाल फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार भी शामिल हैं। शुभम ने हादसे के एक घंटे पहले ही अपनी मां से वीडियो कॉल पर बात की थी। बेटे के शहादत की सूचना मिलते ही परिवार टूट गया। 26 वर्षीय शुभम हुलासगंज प्रखंड के बनवारियां गांव के रहने वाले थे।

शुभम के शहीद होने की सूचना मिलते ही पूरे गांव और परिवार में मातम छा गया है। दुर्घटना की यह खबर परिजनों को सुबह करीब 11 बजे मिली। खबर मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। बाद में यह खबर पूरे प्रखंड में फैल गई।

शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट के भाई सत्यम ने बताया कि पहले तो उन्हें लगा कि यह गलत एवं भ्रामक खबर है। फिर जब भाई के मोबाइल पर कॉल किया तो घटना की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह 9 बजे के आसपास वीडियो कॉल पर शुभम की अपनी मां से बात हुई थी। उस समय वह बिल्कुल खुश नजर आ रहे थे। हालांकि, परिवार के अन्य सदस्यों से उनकी बात नहीं हो पाई थी। शुभम कुमार ने अपनी मां से सिर्फ इतना कहा था कि अभी वह जल्दी में हैं, फ्री होकर बात करेंगे। मां को कहां पता था कि यह उनके सपूत का आखिरी वीडियो कॉल होगा।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट के शहीद होने से पूरे घर में चीख पुकार मच गई। शुभम के मां और पिता अमरेंद्र आनंद कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं।

साप्ताहिक राशिफल : 15-21 जून 2026

मेष: मेष राशि के जातकों के लिए सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। बीते कुछ समय से आप जिन समस्याओं से जूझ रहे थे, इस सप्ताह उनका समाधान निकलता हुआ नजर आएगा। सोचे हुए कार्यों के समय पर पूरा होने से आपके पराक्रम एवं उत्साह में बढ़ोत्तरी होगी। आपको घर और बाहर दोनों जगह स्वजनों और शुभचिंतकों से भरपूर सुख और सहयोग मिलेगा। सप्ताह के मध्य में भूमि, भवन या फिर कहें पैतृक संपत्ति आदि से जुड़ी चिंता सता सकती है। हालांकि सप्ताह के अंत तक आप अपनी समझ-बूझ और भाग्य के बल पर इन्हें सुलझाने में सफल हो सकते हैं। इस सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धर्म-कर्म में रमेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी धार्मिक-मांगलिक कार्य में शामिल होने के योग बनेंगे। इस दौरान अचानक से तीर्थाटन का भी संयोग बन सकता है। यह सप्ताह समाज सेवा और राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता बढ़ेगी। प्रेम प्रसंग की दृष्टि से पूरा सप्ताह आपके लिए अनुकूल है।

वृष: वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह वृषभ राशि के जातकों को अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी, अन्यथा आपके बनते काम भी बिगड़ सकते हैं। व्यवसाय की दृष्टि से यह पूरा हफ्ता उतार-चढ़ाव लिए रहेगा। कारोबारियों को मार्केट में फंसे धन को निकालने में दिक्कतें आ सकती हैं। इस दौरान कुछ एक घरेलू समस्याओं को लेकर भी आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। विशेष रूप से संतान से जुड़ी कोई समस्या आपकी चिंता का कारण बनेगी। नौकरीपेशा लोगों को इस सप्ताह अपने काम में किसी भी प्रकार का आलस्य या लापरवाही करने से बचना चाहिए अन्यथा उन्हें अपने बॉस के गुस्से का शिकार होना पड़ सकता है।

मिथुन: मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने के लिए नये अवसर लेकर आयेगा। जिसे उन्हें हाथ से भूलकर भी निकलने नहीं देना चाहिए अन्यथा बाद में आपको पछतावा करना पड़ सकता है। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपका मन कामकाज की बजाय मौज-मस्ती करने में लगेगा। इस दौरान आपको आलस्य और अभिमान से बचने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी। इस सप्ताह आप अपनी सुख-सुविधा अथवा भोग-विलास से जुड़ी चीजों पर अपनी जेब से अधिक खर्च कर सकते हैं, जिससे आपका बजट गड़बड़ा सकता है। कहने का तात्पर्य यह कि यह सप्ताह आर्थिक दृष्टि से उतार-चढ़ाव लिए हुए है। 'आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया' वाली स्थिति बनी हुई है, इसलिए फिजूलखर्ची त्याग कर बचत की ओर ध्यान देना उचित होगा।

कर्क : कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा आपाधापी भरा और खर्चीला रह सकता है। इस सप्ताह आपको छोटे-छोटे काम को करने के लिए अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। सप्ताह की शुरुआत लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा से होगी। यात्रा के दौरान प्रभावी लोगों के साथ मेल-मुलाकात के योग बनेंगे। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो आपको इस दौरान बहुत सूझ-बूझ से निर्णय लेने होंगे क्योंकि कारोबारी दृष्टि से अभी समय कुछ विपरीत बना हुआ है। इस दौरान जोखिम भरे निवेश से बचें और उधार माल देने से बचें अन्यथा आपका पैसा मार्केट में फंस सकता है। किसी भी बड़ी डील को करने के लिए उचित समय का इन्तजार करना बेहतर रहेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में तमाम तरह की समस्याओं को लेकर आपका मन व्यथित रहेगा। इस दौरान आपके भीतर क्रोध की अधिकता रह सकती है। f

सिंह: सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह थोड़ा ज्यादा भागदौड़ वाला साबित हो सकता है, लेकिन बावजूद इसके आपके सोचे हुए काम अंततः मनचाहे तरीके से पूरे होंगे। सप्ताह के पूर्वार्ध व्यापारी वर्ग को व्यवसाय के नवीन अवसर उपलब्ध होंगे। यदि आप लंबे समय से किसी कारोबारी डील को करने के लिए परेशान थे तो इस सप्ताह वह हो सकती है। पूर्व में किसी योजना में किये गये निवेश का आपको इस सप्ताह आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। सप्ताह के मध्य में सत्ता पक्ष से जुड़े किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से आपके अटके कार्यों में गति आ सकती है। आपको स्थाई संपत्ति का लाभ मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए सप्ताह के पूर्वार्ध का समय भले ही थोड़ा कठिनाई लिए हुए रहे, उत्तरार्ध में अनुकूलता बनी रहेगी।

कन्या : राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह किसी बहुप्रतीक्षित मनोकामना पूरे होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। पूरा सप्ताह करियर और कारोबार की दृष्टि से अनुकूल रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को मनचाहा पद मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपके कामकाज से संतुष्ट रहेंगे। सहकर्मियों की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में लंबे समय से अटका कार्य पूरा होने पर आप राहत की सांस लेंगे। इस दौरान आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। इष्ट-मित्रों के सहयोग से लाभ होगा। सप्ताह के मध्य में धार्मिक-मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल होने के योग बनेंगे। इस दौरान किसी पुराने मित्र या आत्मीय व्यक्ति से मुलाकात संभव है। यदि आपका कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो उसमें आपके पक्ष में फैसला आ सकता है।

तुला : तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन में अच्छे अवसर लेकर आने वाला है। पूरे सप्ताह सौभाग्य आपके साथ बना रहेगा और आपके सोचे हुए कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे हाते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी प्रभावी व्यक्ति के सहयोग से किसी महत्त्वपूर्ण कार्य में प्रगति होगी। इस दौरान किसी पारिवारिक यात्रा के योग बन रहे हैं। सेहत और संबंध की दृष्टि से यह सप्ताह पूर्ण रूप से शुभ रहने वाला है। स्वजनों के साथ हंसी-खुशी समय बिताने के आपको ढेर सारे अवसर प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा वर्ग को कार्यक्षेत्र में अधिकारियों के द्वारा शाबाशी मिल सकती है। लोग आपके निर्णय और कामकाज की प्रशंसा करेंगे। पदोन्नति एवं वेतन वृद्धि के योग बनेंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपको पूर्व में किये गये विशेष कार्य हेतु सम्मानित किया जा सकता है। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त होगा। कारोबार में मनचाहा लाभ और वृद्धि होगी। प्रेम संबंध में नजदीकियां बढ़ेंगी।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह औसत फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने काम बहुत सावधानी के साथ करने होंगे। सप्ताह की शुरुआत में किसी नये कार्य को प्रारंभ करने अथवा किसी योजना से जुड़ते समय खूब सोच-विचार कर कदम आगे बढ़ाएं और किसी भी बड़े निर्णय को लेने से पहले अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। इस दौरान आपके घरेलू खर्चों में अचानक से वृद्धि हो सकती है। अधिक धन व्यय होने के कारण आपको आर्थिक दिक्कतें आ सकती है। ऐसे में अपने अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें। सप्ताह के उत्तरार्ध में कुछ हद तक मानसिक चिंताओं से राहत मिलेगी। व्यापारी वर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों को मानसिक संतोष मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए समय थोड़ा संघर्षपूर्ण कहा जाएगा।

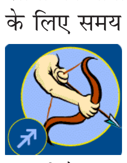

धनु : धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस सप्ताह आपको मनचाहे फल और कार्य सिद्धि के लिए अपने समय, ऊर्जा और धन आदि का प्रबंधन करके चलना होगा। सप्ताह की शुरुआत व्यवसाय की दृष्टि से आपके लिए अनुकूल कही जाएगी। इस दौरान व्यवसायी वर्ग को कारोबारी मामलों में मनचाही सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। बीते समय में किए हुए निवेश का अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। कारोबारी गतिविधियों में नई गति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं, हालांकि बावजूद इसके आपको धैर्य के साथ आगे बढ़ने और सोच-विचार कर निर्णय लेने की जरूरत बनी रहेगी क्योंकि सप्ताह के उत्तरार्ध में आपको थोड़ा उतार-चढ़ाव देखना पड़ सकता हैं। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है।

मकर : मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। सेहत और संबंध दोनों से जुड़ी समस्याओं से इस सप्ताह आपको छुटकारा मिल सकता है। स्वजनों के साथ उपजे विवाद संवाद से दूर होंगे। आपके मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। सप्ताह की शुरुआत में आपको कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए सम्मानित किया जा सकता है। पूरे सप्ताह आप पर सीनियर की कृपा बरसती हुई दिखाई देगी। किसी विपरीत लिंगी व्यक्ति की तरफ आपका आकर्षण बढ़ सकता है। हाल-फिलहाल में हुई मित्रता प्रेम संबंध में बदल सकती है। कारोबार की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध कहीं ज्यादा शुभ एवं लाभप्रद रहने वाला है। इस दौरान कारोबार से जुड़ी यात्राएं शुभ एवं लाभप्रद साबित होंगी।

कुंभ: कुंभ राशि के जातक यदि इस सप्ताह थोड़ी समझदारी के साथ समय पर अपने निर्णय लेते हैं तो उन्हें अपेक्षा से अधिक लाभ की प्राप्ति संभव है। जो जातक लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे, उन्हें मनचाहा लाभ प्राप्त होगा। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो किसी मित्र या परिचित की मदद से विशेष सहयोग मिलेगा। यह सप्ताह विदेश से जुड़े लोगों के लिए अत्यधिक शुभ एवं लाभप्रद साबित हो सकता है। विदेश में उच्च शिक्षा की दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल हो सकते हैं। सप्ताह के मध्य में भौतिक सुख-सुविधाओं की पूर्ति होगी। इस दौरान राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की लोकप्रियता एवं प्रभाव में वृद्धि होगी। सप्ताह के मध्य में धार्मिक या फिर मांगलिक कार्यों में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बनेंगे। लोग आपके निर्णय की सराहना करेंगे।

मीन : मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह आपको करियर-कारोबार में कुछ एक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपको छोटी मोटी बातों को इग्नोर करना बेहतर रहेगा। आपके लिए विपरीत परिस्थितियों में मौन रहना ज्यादा उचित रहेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको बाजार में अपनी साख को बनाए रखने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करने पड़ सकते हैं। इस दौरान आय और व्यय समान रहने के कारण पिछले कर्जों को लेकर मन चिंतित रह सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने काम को कल पर टालने की बजाय उन्हें प्राथमिकता से पूरा करना होगा। सप्ताह के उत्तरार्ध सेहत और संबंध को लेकर कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ सकता है। इस दौरान आपको पेट से संबंधी समस्याएं हो सकती है।

बड़ाबाजार के थाना प्रभारी से व्यापारियों की सुरक्षा पर सीधी बात : कोट्टी की पहल

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 13 जून। चैम्बर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्री (कोट्टी) द्वारा आज कोट्टी सभागार में बड़ाबाज़ार पुलिस स्टेशन प्रभारी (ओसी) के साथ एक परिचयात्मक एवं संवादात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ाबाज़ार क्षेत्र के व्यापारियों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारिक क्षेत्र की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, कानून-व्यवस्था तथा व्यापार संचालन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर परस्पर सकारात्मक एवं रचनात्मक संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम के आरंभ में कोट्टी के अध्यक्ष महेंद्र जैन ने कहा कि बड़ा बाजार केवल कोलकाता का ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत के व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रतिदिन लाखों लोगों की आवाजाही, हजारों व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की गतिविधियां तथा करोड़ों रुपये का व्यापार यहां होता है। ऐसे में व्यापारिक वातावरण को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुचारू बनाए रखने में पुलिस प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल समस्याओं की सूची प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर उनके व्यावहारिक समाधान तलाशना है। इसी भावना के साथ उन्होनें कुछ महत्वपूर्ण विषय जैसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, यातायात एवं पार्किंग समस्या, अवैध अतिक्रमण, त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर सुरक्षा व्यवस्था, साइबर अपराध एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी, पुलिस-व्यापारी समन्वय तंत्र, आपातकालीन संपर्क व्यवस्था, रात्रिकालीन गश्त, असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण आदि पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

प्रभारी इंस्पेक्टर श्री सुनील देबनाथ ने व्यापारियों को पुलिस प्रशासन द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी तथा व्यापारिक समुदाय की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना। व्यापारियों ने क्षेत्र में यातायात प्रबंधन, अवैध पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था तथा व्यापारिक गतिविधियों के सुचारु संचालन से जुड़े विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में अध्यक्ष महेंद्र जैन, मंत्री देवेंद्र कुमार बोथरा, संयुक्त सचिव आयुष पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष मुरारी लाल खेतान, विजय कुमार विनायकिया, अरुण भुवालका, कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश पोद्दार, सरोज सिंघल, राजेश नाहटा, शुशील नेथवेवाल, बालकृष्ण धेलिया, संतोष खेड़िया, शुशील शाह, धर्मेंद्र सेठ, मुकेश पारेख, संजय कंदोई, अजय सिंघी, घनश्याम बंग, सुशांत साहा, बजरंग लाल खेरिया, परमेश्वर लाल अग्रवाल, विनय परशरामपुरिया, एंव अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सभा समाचार

■ **ताजा टीवी पर परिचर्चा :** 'ताजा टीवी' के सागर मंथन कार्यक्रम में आज सायं 6 बजे से 'भारतीय न्याय व्यवस्था और अपराध मुक्त समाज' विषयक परिचर्चा का प्रसारण। भाग ले रहे हैं विनोद अग्रवाल, संस्थापक व संचालक, विनोद फाउंडेशन, नंदलाल सिंघानिया, एडवोकेट, ओपी झुनझुनवाला, पूर्व पार्टनर, खेतान एंड कम्पनी सोलिसीटर, मंजू अगरवाल, अतिरिक्त सरकारी प्लीडर। संचालन करेंगे श्री विश्वम्भर नेवर।

■ **बंगीय हिन्दी परिषद:** पुस्तक विमोचन एवं काव्य पाठ का आयोजन कॉलेज स्ट्रीट, कॉफी हाऊस बिल्डिंग, द्वितीय तल, परिषद कक्ष में सायं 4:30 बजे। संचालन करेंगे प्रदीप कुमार धानुक।

बी.डी.एम. इंटरनेशनल में ब्रह्माण्ड संबंधी रोचक संवाद सत्र

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 13 जून। बी.डी.एम. इंटरनेशनल स्कूल में कल 'जिज्ञासा से ब्रह्मांड तक' नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इसरो (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ए. एस. किरण कुमार(पदमश्री) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत सी.ई.ओ. एस. एल. गुप्ता और प्रधानाचार्या महोदया मधुमिता सेन गुप्ता ने किया।

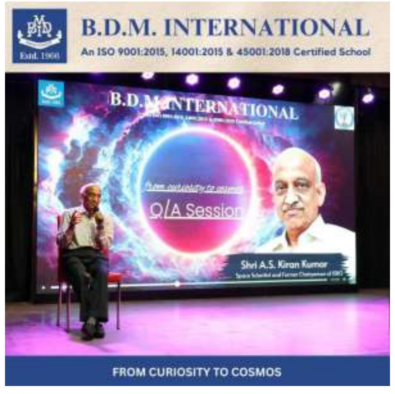

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की एयरोस्पेस प्रयोगशाला के भ्रमण से हुई। इसके पश्चात जेमस्टोन ऑडिटोरियम में कक्षा 12 विज्ञान के विद्यार्थियों के साथ एक रोचक एवं प्रेरणादायक संवाद सत्र आयोजित किया गया। अपने व्यापक अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. किरण कुमार ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम, अंतरिक्ष अन्वेषण, नवीन तकनीकी उपलब्धियों तथा राष्ट्र निर्माण में वैज्ञानिक अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों को देश के अग्रणी वैज्ञानिकों में से एक से सीधे संवाद करने तथा अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं को समझने का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने अनेक प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. किरण कुमार ने सरल एवं प्रेरक ढंग से उत्तर दिया।

दो कारोबारी स्मैक के साथ गिरफ्तार

अररिया 13 जून(हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मालदा से स्कॉर्पियो की डिलीवरी के लिए पहुंचे दो स्मैक कारोबारी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 518 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने स्मैक के साथ पश्चिम बंगाल नंबर की ग्रे रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी संख्या डब्लू 20 जेड/1511 और एक अररिया की हीरो स्प्लेंडर बाइक संख्या बीआर 38 एए/5447 और दो मोबाइल बरामद किया। जानकारी सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने अपने कार्यालय कक्ष में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। सदर एसडीपीओ ने बताया कि जिले की बैरगाछी थाना पुलिस को सूचना मिली कि रामपुर मोहनपुर पूर्वी पंचायत में फिरोज के मुर्गी फार्म के पास स्मैक की बड़ी खेप की डिलीवरी होनी है।

(पृष्ठ 1 का शेषांश)

कोलकाता में योग दिवस पर ....

कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों के चयन और उनके कड़े सुरक्षा सत्यापन की पूरी जिम्मेदारी कोलकाता पुलिस को सौंपी गई है। प्रशासनिक अधिकारियों का साफ कहना है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा मानकों से किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के सचिव सरोद द्विवेदी ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि समय बेहद कम होने के बावजूद सरकार के सभी संबंधित विभाग पूरी ताकत से काम में जुटे हैं। उनका लक्ष्य न केवल 21 जून के योग दिवस को ऐतिहासिक बनाना है, बल्कि गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नया स्थान हासिल करना है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि यदि यह रिकॉर्ड सफलतापूर्वक बनता है, तो देश का नाम रोशन करने वाले सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा।

इस महाअभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए राज्यभर के स्कूलों, कॉलेजों, आवासीय परिसरों और सभी सरकारी संस्थानों से बड़े पैमाने पर शामिल होने की अपील की गई है।

छपरा की बेटी दिव्यांशी सिंह ने रचा इतिहास

भारतीय वायु सेना में कमीशन पाने वाली पहली एनडीए महिला कैडेट बनीं

पटना, 13 जून (हि.स.)। बिहार के सारण जिले के छपरा शहर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली दिव्यांशी सिंह आज देशभर की युवतियों के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन गई हैं। भारतीय वायु सेना में ग्राउंड ड्यूटी (लॉजिस्टिक्स) शाखा में कमीशन प्राप्त करने जा रही दिव्यांशी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली पहली महिला कैडेटों के ऐतिहासिक बैच का हिस्सा हैं। उनकी उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और बदलते भारत की नई तस्वीर भी प्रस्तुत करती है।

दिव्यांशी सिंह का बचपन देशभक्ति, अनुशासन और सेवा की भावना से ओतप्रोत वातावरण में बीता। उनके पिता भारतीय वायु सेना में जूनियर वारंट ऑफिसर के पद पर कार्यरत रहे हैं। घर में अक्सर सैन्य जीवन, कर्तव्यनिष्ठा, साहस और राष्ट्रसेवा से जुड़ी चर्चाएं होती थीं। इन्हीं अनुभवों ने बचपन से ही दिव्यांशी के मन में वर्दी पहनकर देश की सेवा करने का सपना जगाया।

उनके लिए वर्दी केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सम्मान, जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक थी। यही कारण था कि उन्होंने अपने लक्ष्य को बचपन से ही स्पष्ट कर लिया था और उसी दिशा में लगातार मेहनत करती रहीं।

जब राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में महिलाओं के प्रवेश का ऐतिहासिक मार्ग प्रशस्त हुआ, तब दिव्यांशी ने इस अवसर को अपने जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ माना। उन्होंने पूरी तैयारी और दृढ़ संकल्प के साथ एनडीए की प्रवेश परीक्षा दी और सफलता प्राप्त की। हालांकि प्रवेश परीक्षा पास करना ही अंतिम उपलब्धि नहीं थी। इसके बाद शुरू हुआ कठोर प्रशिक्षण, जिसने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्तर पर उनकी क्षमता की परीक्षा ली। सुबह की कठिन परेड, लंबी दौड़, युद्धक प्रशिक्षण, नेतृत्व अभ्यास और सीमित संसाधनों में काम करने की चुनौतियों के बीच दिव्यांशी ने अपने साहस और आत्मविश्वास का परिचय दिया।

एनडीए में प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांशी ने केवल एक उत्कृष्ट कैडेट के रूप में ही नहीं, बल्कि एक सक्षम नेतृत्वकर्ता के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उनके अनुशासन, कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें 'कैडेट क्वार्टर मास्टर सार्जेंट' जैसे प्रतिष्ठित दायित्व से सम्मानित किया गया। यह पद केवल उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेटों को दिया जाता है और यह उनके प्रति संस्थान तथा साथी कैडेटों के विश्वास का प्रतीक माना जाता है।

एनडीए में बिताए गए तीन वर्षों ने दिव्यांशी को एक सामान्य छात्रा से एक आत्मविश्वासी, सक्षम और सैन्य जीवन के लिए पूरी तरह तैयार अधिकारी में परिवर्तित कर दिया।

आलेख

पंकज शुक्ला

'चंद्रकांता' वाले देवकीनंदन खत्री, जिनसे 'साहित्य' ने बनाई दूरी लेकिन लोक ने गले लगाया

देवकीनंदन खत्री भी हिंदी, अंग्रेजी, फारसी और संस्कृत भाषा के जानकार थे। उनसे कहा गया कि वे उर्दू या फारसी में अपना उपन्यास लिखें बहुत पाठक मिले थे। वे अपने विचार पर कायम रहे कि उपन्यास हिंदी में ही छपेगा और हिंदी में जन की बोली। संस्कृतनिष्ठ नहीं जो आम लोगों को समझ न आए। उन्हें चेताया गया कि ऐसी हिंदी में कौन पढ़ेगा? मगर, सारे आकलन गलत साबित हुए। जब उपन्यास आया तो ऐसा छाया कि उसे पढ़ने के लिए लोगों ने हिंदी सीखना शुरू की।

हमारा समय लाइक और हिट्स का युग है। लिखने-पढ़ने का अधिकांश काम इस लक्ष्य से किया जाता है कि ज्यादा से ज्यादा लाइक मिले। ऐसे समय में नई रेखा खींचना आसान तो बिल्कुल भी नहीं है। कोई उसे उपयुक्त कदम भी शायद ही कहे। ऐसा ही कुछ हुआ था बाबू देवकीनंदन खत्री के साथ। परिस्थितिवश में लेखक बने और पहला ही उपन्यास 'चंद्रकांता' ने लोकप्रियता की सीमाएं पार कर लीं। वे और पढ़े जाते, उपन्यास की लाखों प्रतियां और छपती यदि वे उस समय प्रचलित भाषा उर्दू या फारसी में लिखते। मगर उन्होंने तो लोक की भाषा हिंदी को चुना। जोर देकर कहा कि उनकी किताबें केवल हिंदी में ही छपेंगी। इसका एक नुकसान और हुआ। संस्कृतनिष्ठ हिंदी नहीं होने के कारण साहित्य में उन्हें उपयुक्त स्थान नहीं मिला। लेकिन उन्होंने इसकी परवाह कहां की? तमाम आलोचना के बाद भी वे अपने निर्णय पर डटे रहे और आलाचकों को भी यह मानने पर मजबूर होना पड़ा कि भाषा और उपन्यास का गठन कैसा भी हो, उसके जैसा लोकप्रिय उपन्यास दूजा न हुआ।

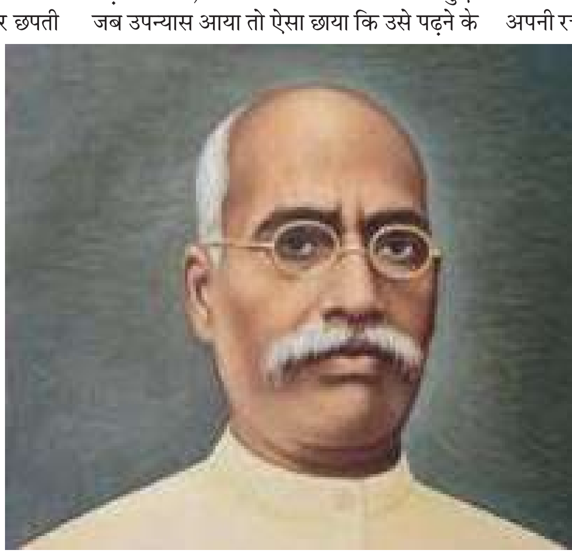

देवकीनंदन खत्री साहित्य के ऐसे सेवी है जिन्होंने हिंदी को तब प्रतिष्ठित किया जब वह बहुत पीछे थी। बाबू देवकीनन्दन खत्री 29 जून को बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के पूसा में हुआ था। (उनकी जन्म तारीख 18 जून 1861 भी बताई जाती है।) बाबू देवकीनंदन खत्री धनी परिवार में जन्?मे थे। देवकीनंदन खत्री के काशी नरेश ईश्वरीप्रसाद नारायण सिंह से बहुत अच्छे संबंध थे। इसी के आधार पर उन्होंने चकिया और नौगढ़ के जंगलों के ठेके लिए। जंगलों की ठेकेदारी कर उन्होंने खुद भी काफी धन कमाया था। आमतौर पर धनी व्यक्ति कई तरह के शौक रखता है और देवकीनंदन खत्री के साथ भी ऐसा ही था। राजाओं के करीबी और फिर धनी की कमी नहीं, देवकीनंदन खत्री के बारे में कई किस्से मशहूर हैं। ठेके लिए जंगलों और पहाड़ियों में आना जाना, मित्रों के साथ गपशप और महफिलें उनकी आदत थी।

फिर एक समय आया जब ठेकेदारी छूट गई। देवकीनंदन खत्री पारिवारिक व्यापारों में व्यस्त हो गए। इसी दौरान जंगलों, पहाड़ियों, राजाओं के दरबार में रहने के अनुभवों ने लेखन की प्रेरणा दी। इन्हीं जंगलों, पहाड़ियों, दरबारों और अपने उपन्यास का हिस्सा बनाया। यहां तक कि पात्रों के नाम भी अपने मित्रों के नाम पर रखे। जब 1888 में 'चंद्रकांता' का प्रकाशन हुआ तो धूम मच गई। उस समय कम पढ़े लिखे लोग थे। जो पढ़े हुए थे वे भी अंग्रेजी, उर्दू/फारसी के जानकार। खुद देवकीनंदन खत्री भी हिंदी, अंग्रेजी, फारसी और संस्कृत भाषा के जानकार थे। उनसे कहा गया कि वे उर्दू या फारसी में अपना उपन्यास लिखें बहुत पाठक मिले थे। वे अपने विचार पर कायम रहे कि उपन्यास हिंदी में ही छपेगा और हिंदी में जन की बोली। संस्कृतनिष्ठ नहीं जो आम लोगों को समझ न आए। उन्हें चेताया गया कि ऐसी हिंदी में कौन पढ़ेगा? मगर, सारे आकलन गलत साबित हुए। जब उपन्यास आया तो ऐसा छाया कि उसे पढ़ने के लिए लोग हिंदी सीखने को मजबूर हुए। गांवों में उपन्यास के सार्वजनिक पाठ किए जाते थे। आम लोगों की भाषा में लिख कर बाबू देवकीनंदन खत्री खास बन गए।

हालांकि, इस लोकप्रियता के विपरीत उन्हें तीखी आलोचना भी झेलनी पड़ी। सबसे बड़ा हमला तो भाषा की शुद्धता का था। हिंदी के प्रख्यात आलोचक और इतिहासकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य का काल विभाजन किया है। आरोप लगे कि उन्होंने भारतेंदु हरिशचंद्र के नाम पर तो काल विभाजन किया लेकिन लोकप्रिय उपन्यासकार देवकीनंदन खत्री को भूला दिया। भारतेंदु संस्कृतनिष्ठ हिंदी लिख रहे थे जबकि देवकीनंदन खत्री आम हिंदुस्तानी में। आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने लिखा है कि देवकीनंदन खत्री के उपन्यास घटनाप्रधान किस्से हैं। उनमें जीवन के विविध पक्षों के चित्रण का कोई प्रयत्न नहीं है। इससे यह साहित्य कोटि में नहीं आते। लेकिन वे मानते हैं कि देवकीनंदन खत्री के उपन्यासों ने हिंदी के जितने पाठक तैयार किए उतने किसी लेखक ने नहीं किए।

संदर्भ बताते हैं कि 'चंद्रकांता' का पहला प्रकाशन 1891 में हुआ। 14 वर्षों के अंतराल में 1904 तक छठा संस्करण प्रकाशित हो चुका था। उस जमाने में देवकीनंदन खत्री के कई दिग्गज समकालीन साहित्यकारों के उपन्यासों को पाठक और प्रकाशक नहीं मिल रहे थे तब उनके उपन्यासों के लगातार संस्?करण प्रकाशित हो रहे थे। सवा सौ साल के हो चुके इस उपन्यास की अब तक लाखों प्रतियां छप चुकी हैं। आज भी इसका इतना प्रभाव है कि कोई उपन्यास पढ़ना शुरू करे तो उसे पूरा पढ़ने का लोभ छोड़ नहीं पाएगा। 'चंद्रकांता' की लोकप्रियता के बाद देवकीनंदन खत्री ने 'चंद्रकांता संतति' लिखना आरंभ किया जिसके 24 भाग हैं। अपनी रचनाओं की लोकप्रियता को देख कर उन्होंने अपना निजी प्रेस 'लहरी' स्थापित किया। उन्होंने मासिक पत्रिका सुदर्शन का प्रकाशन किया। 'चंद्रकांता संतति' के एक पात्र को नायक बना कर देवकीनंदन खत्री ने उपन्यास 'भूतनाथ' की रचना आरंभ की लेकिन 1 अगस्त 1913 को 53 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। वे अंतिम समय तक 'भूतनाथ' के केवल छह भाग ही लिख पाए थे। आगे के 15 भाग उनके पुत्र दुर्गाप्रसाद खत्री ने लिखे। चंद्रकांता और चंद्रकांता संतति के अलावा देवकीनंदन खत्री ने कुसुम कुमारी, वीरेंद्र वीर उर्फ कटोरा भर खून, काजर की कोठरी, अनूठी बेगम, नरेंद्र मोहिनी, गुप्त गोदना जैसे उपन्?यास लिखे हैं।

देवकीनंदन खत्री का लेखन साहित्य की परिभाषा में भले खरे न उतरे लेकिन पाठकों ने उनके उपन्यासों को भरपूर प्यार दिया है। आज भी कई युवा साथी हैं जो हैरी पॉटर शृंखला के मुरीद रहे लेकिन जब देवकीनंदन खत्री का 'चंद्रकांता संतति' पढ़ा तो दंग रह गए। हिंदी को हीन भावना से निकालने का देवकीनंदन खत्री का यह योगदान स्तुत्य है। उन्होंने भाषा की गरिमा और सम्मान को खोए बगैर उसकी सत्ता स्थापित की। उन्होंने आम लोगों की भाषा में लिख और हिंदी को लोकप्रिय बनाया। संदर्भ मिलता है कि भाषा की शुद्धता के बारे में लगे आरोप पर देवकीनंदन खत्री ने स्वयं साफ किया था कि किसी विशिष्ट रचना को पढ़ते समय शब्दकोश को देखने की आवश्यकता है तो कोई बात नहीं लेकिन साधारण विषयों की भाषा के लिए भी शब्दकोश की सहायता लेनी पड़े तो यह ठीक नहीं है। वे कहा करते थे कि उनकी हिंदी को पढ़ने के लिए शब्दकोश को टटोलने की जरूरत नहीं होती। यदि भारतेंदु हरिशचंद्र ने भी संस्कृत निष्ठ की जगह सरल हिंदी में लिखा होता तो उनका पाठक समूह अधिक बड़ा होता और हिंदी कहीं आगे होती। हिंदी साहित्य में एक वर्ग है जो यह मानता है कि देवकीनंदन खत्री को उपयुक्त सम्मान और स्थान नहीं मिला है। तमाम मत-मतांतर के विपरीत देवकीनंदन खत्री खूब पढ़े गए और आज भी पढ़े जा रहे हैं।

आलेख

मायरा सिंह

महाकवि कालिदास : अद्वितीय कवि

संस्कृत साहित्य की संपदा में अद्वितीय और गौरवमयी योगदान देने वाले कवि कालिदास का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। वह सम्राट विक्रमादित्य के दरबार के एक अनमोल रत्न थे, जो लगभग पहली शताब्दी ईसा पूर्व उज्जैन पर शासन करते थे।

कालिदास को औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं हो पाई थी। जब वे केवल पांच वर्ष के थे, उनके माता-पिता का निधन हो गया था, जिससे उनकी शिक्षा की व्यवस्था भी नहीं हो सकी।

एक दयालु ग्वाले ने उन्हें अपने घर ले जाकर उनकी देखभाल शुरू की। कालिदास दिन-रात उस ग्वाले की गायों की देखभाल करते और बदले में उन्हें रहने और खाने का सहारा मिलता। समय बीतता गया और कालिदास एक सुंदर और बलशाली युवक के रूप में बड़े हुए। दूध, मक्खन और दही की कभी कमी नहीं होने के कारण उनका शरीर स्वस्थ और चेहरा दमकता हुआ था। जब भी उन्हें खाली समय मिलता, वे काली माता के मंदिर जाकर पूजा करते। इस कारण लोग उन्हें कालिदास कहने लगे।

वाराणसी के राजा की एक सुंदर और बुद्धिमान पुत्री थी, जिसका नाम वसन्ती था। विवाह योग्य होने के बावजूद, उसके माता-पिता उसकी शादी को लेकर चिंतित थे, क्योंकि वह अपनी सुंदरता और ज्ञान पर घमंड करती थी। उसने घोषणा की थी कि जो भी उसे वाद-विवाद में हराएगा, वही उसका पति बन सकता है।

एक विद्वान ब्राह्मण, वररुचि, ने यह चुनौती स्वीकार की और वसन्ती से शास्त्रार्थ करने का प्रस्ताव रखा। वसन्ती को यह ब्राह्मण पसंद नहीं आया और उसे हारने का भी डर था, लेकिन उसने चुनौती स्वीकार की, पर एक शर्त के साथ कि बहस मौखिक न होकर संकेतों द्वारा होनी चाहिए।

वररुचि ने इस शर्त को मान लिया और वसन्ती को वाद-विवाद शुरू करने को कहा। वसन्ती ने अपनी तर्जनी अंगुली दिखाते हुए इशारा किया, जिसका अर्थ था ईश्वर ही एकमात्र सत्य है, जो शाश्वत है। वररुचि को इसका अर्थ समझ नहीं आया, और उन्होंने हार मान ली। वसन्ती इस जीत से बेहद प्रसन्न हो गई।

वररुचि हताश हो गए और बदला लेने का मन बना लिया।

एक दिन वररुचि ने देखा कि कालिदास एक पेड़ की उस शाखा को काट रहे थे, जिस पर वे बैठे थे। उन्होंने सोचा, यह कितना मूर्ख है! वह शाखा को काट रहा है, यह जाने बिना कि वह भी उसके साथ गिर जाएगा। तब उन्हें अपनी हार का बदला लेने का विचार आया, और उन्होंने योजना बनाई कि वे कालिदास की शादी वसन्ती से करवा देंगे।

उन्होंने कालिदास को अपने घर ले जाकर उसे ब्राह्मणों की तरह सजाया और उसे महल में ले गए। राजा के सामने उन्होंने कालिदास को महान बुद्धिजीवी और विद्वान के रूप में प्रस्तुत किया। फिर उन्होंने वसन्ती को वाद-विवाद के लिए तैयार होने को कहा। वररुचि ने कालिदास को समझाया कि कोई भी सवाल पूछे जाने पर उसे केवल हाथों से संकेत करना है, बोलना नहीं।

वसन्ती ने कालिदास को देखा, और उसकी सुंदरता देख कर वह प्रभावित हो गई। उसने फिर वही तर्जनी अंगुली दिखाई, जिसका अर्थ था कि ईश्वर एकमात्र शाश्वत सत्य है। पर कालिदास ने सोचा कि वह उनकी एक आँख निकालने की धमकी दे रही है। जवाब में, उन्होंने दो अंगुलियां दिखाईं, जिसका अर्थ था कि वह उसकी दोनों आँखें निकाल लेंगे।

वसन्ती यह देखकर प्रभावित हो गई, क्योंकि उसने दो अंगुलियों का मतलब निकाला कि ईश्वर और आत्मा, दोनों शाश्वत सत्य हैं।

इस तरह वसन्ती ने कालिदास से विवाह कर लिया। परंतु बाद में जब उसे सच्चाई पता चली कि कालिदास विद्वान नहीं, बल्कि एक साधारण ग्वाला था, तो वह अत्यंत दुखी हो गई। उसे एहसास हुआ कि वररुचि ने उसके साथ धोखा किया है। वसन्ती ने कालिदास से कहा कि केवल एक बुद्धिमान व्यक्ति ही उसका पति हो सकता है और उसे तुरंत घर छोड़ने का आदेश दिया।

कालिदास बहुत आहत हुए और घर छोड़ कर चले गए। वसन्ती ने अपने घमंड और जिद्दी स्वभाव पर पछताना शुरू किया।

कालिदास ने यह निश्चय किया कि वे एक विद्वान बनेंगे। उन्होंने कठोर परिश्रम किया और आगे चलकर संस्कृत साहित्य के महानतम कवियों में से एक बने। उनकी रचनाओं में न केवल काव्य की अद्वितीय प्रतिभा झलकती है, बल्कि उनका गहन ज्ञान और जीवन के उच्च आदर्श भी दिखाई देते हैं।

आलेख

साहित्य में करुण रस : भवभूति से लेकर निराला तक की मार्मिकता

भारतीय साहित्य की विशाल धारा में रस सिद्धांत एक ऐसा अमृत है जो मानवीय संवेदनाओं को शाश्वत रूप देता है। भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में वर्णित नौ रसों में करुण रस वह भाव है जो शोक से जन्म लेता है और हृदय को गहरी पीड़ा तथा सहानुभूति से भर देता है। यह रस वियोग, त्याग, मृत्यु और जीवन की अनिवार्य वेदना से उत्पन्न होता है, जो पाठक या दर्शक को न केवल आंसू बहाने पर विवश करता है बल्कि आत्मा की गहराई में उतरकर उसे अधिक संवेदनशील बना देता है। करुण रस की यह मार्मिकता प्राचीन काल से आधुनिक युग तक साहित्य की रगों में बहती रही है। संस्कृत नाट्यकार महाकवि भवभूति से लेकर छायावादी कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला तक की इस यात्रा में करुण रस ने न केवल रूप बदला है बल्कि अपनी मूल मार्मिकता को और भी गहरा, अधिक व्यक्तिगत और मानवीय बना लिया है। भवभूति जहां करुण रस को सभी रसों का मूल मानते हुए नाटकीय वेदना को चरम सीमा तक पहुंचाते हैं, वहीं निराला उसे व्यक्तिगत शोक और सामाजिक संघर्ष के माध्यम से आधुनिक संवेदना का रूप देते हैं। यह परंपरा साहित्य को जीवंत रखती है, क्योंकि करुण रस ही वह पुल है जो युगों को जोड़ता है और मानव जीवन की सार्वभौम पीड़ा को अभिव्यक्त करता है।

भवभूति, आठवीं शताब्दी के इस महान संस्कृत नाटककार को करुण रस का आचार्य कहा जाता है। उनके नाटक %उत्तररामचरित% करुण रस की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक है। इस सात अंकों वाले नाटक में रामायण के उत्तर कांड की कथा को आधार बनाकर भवभूति ने राम-सीता के वियोग की पीड़ा को इतनी गहराई से चित्रित किया है कि पाठक का हृदय विदीर्ण हो उठता है। राम, जो राजधर्म के लिए अपनी प्रिय पत्नी सीता का त्याग करते हैं, अपनी आंतरिक वेदना को छिपाते हुए भी उस पीड़ा से तड़पते रहते हैं। भवभूति ने इसे पुटपाक की उपमा दी है—एक धीमी आंच पर पकने वाली वेदना, जो बाहर से दिखाई नहीं देती लेकिन अंदर से हृदय को जला देती है। वे लिखते हैं— अनिर्भिन्नो गभीरत्वादन्तर्गूढघनव्यथः। पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः॥ अर्थात् राम का करुण रस गहरी व्यथा से भरा है, जो बाहर प्रकट नहीं होता। यह त्याग की पीड़ा है, जहां राम प्रजा की खुशी के लिए अपने सुख को बलिदान करते हैं, लेकिन मन में सीता की याद उन्हें त्रस्त किए रहती है। नाटक के विभिन्न अंकों में राम का विलाप, सीता का निर्वासन, पंचवटी की स्मृतियां और अंत में देवी शक्तियों के हस्तक्षेप से पुनर्मिलन—सब करुण रस को बहुआयामी बनाते हैं।

भवभूति का प्रसिद्ध कथन एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद् भिन्नः पृथक् पृथगिव श्रयते विवर्तान्। आवर्तबुद्बुदतरङ्गमयान् विकारान् अम्भो यथा सलिलमेव तु तत्समग्रम्॥ इस रस की सार्वभौमिकता को रेखांकित करता है। वे कहते हैं कि करुण रस ही एकमात्र रस है; शृंगार, वीर आदि अन्य रस उसी के विभिन्न रूप हैं, जैसे जल भंवर, बुलबुले और लहरों में बदलकर भी जल ही रहता है। इस प्रकार भवभूति ने करुण रस को न केवल प्रधान बनाया बल्कि उसे सभी भावों का स्रोत घोषित किया। उनकी भाषा वैदर्भी रीति की कोमलता और गौड़ी रीति की गंभीरता से भरी है, जो वेदना को और अधिक मार्मिक बनाती है। मालतीमाधव जैसे अन्य नाटकों में भी प्रेम-वियोग की करुणा झलकती है, लेकिन उत्तररामचरित में यह चरमोत्कर्ष पर पहुंच जाती है।

भवभूति की यह मार्मिकता इतनी प्रभावशाली है कि आलोचक उन्हें करुण्यम् भवभूतिरेव तनुते कहकर याद करते हैं—करुणा को केवल भवभूति ही सृजित कर सकते हैं। यह करुण रस की परंपरा मध्यकाल तक पहुंचते हुए भक्ति साहित्य में भी जीवित रही, जहां रामकथा के माध्यम से तुलसीदास जैसे कवियों ने वियोग और त्याग की पीड़ा को लोकभाषा में उतारा। लेकिन आधुनिक युग में, जब हिंदी साहित्य छायावाद की लहर से गुजरा, तब सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने इस रस को नया आयाम दिया। निराला की कविता में करुण रस व्यक्तिगत अनुभवों, पारिवारिक वियोग और सामाजिक असंगति से निकलकर आता है, जो भवभूति की नाटकीय वेदना से भिन्न होते हुए भी उसी मूल भावना से जुड़ा है। उनकी कृति सरोज-स्मृति करुण रस का आधुनिक मास्टरपीस है—एक लंबा शोकगीत, जिसमें कवि अपनी पुत्री सरोज की असामयिक मृत्यु पर अपना विलाप व्यक्त करते हैं। यह कविता केवल पिता का शोक नहीं, बल्कि जीवन की नश्वरता, समाज की उदासीनता और पिता की अकर्मण्यता का दस्तावेज है।

सरोज के विवाह का स्मरण करते हुए निराला लिखते हैं— देखा विवाह आमूल नवल, तुझ पर शुभ पड़ा कलश का जल। देखती मुझे तू हँसी मंद, होंठों में बिजली फँसी स्पंद... यहां शृंगार की झलक करुण रस में घुलकर वियोग की पीड़ा को और गहरा बनाती है। कवि अपनी मृत पत्नी की याद में सरोज को देखते हैं, उसकी सुंदरता को अपनी कविता के साथ जोड़ते हैं, लेकिन अंततः मृत्यु की क्रूरता सामने आकर सब कुछ धूल कर देती है। सरोज-स्मृति में प्रधान रस करुण है, जहां शोक का स्थायी भाव निर्वेद तक पहुंच जाता है। निराला की छायावादी शैली में प्रकृति, स्मृतियां और आंतरिक संघर्ष करुण रस को इतना मर्मस्पर्शी बना देते हैं कि पाठक खुद को कवि के दर्द से जोड़ लेता है। उनकी अन्य रचनाओं में भी, जैसे सामाजिक विषमता पर आधारित कविताओं में, करुण रस व्यक्तिगत से सामूहिक हो जाता है—वह वेदना जो भवभूति के राम में राजधर्म और मानवधर्म के द्वंद्व के रूप में थी, निराला में पिता के अंदरूनी टकराव और समाज की निष्ठुरता के रूप में उभरती है।

भवभूति से निराला तक की यह यात्रा करुण रस की निरंतरता को दर्शाती है। भवभूति जहां नाटकीय संदर्भ में महाकाव्यात्मक वेदना को चित्रित करते हैं, वहां निराला उसे आधुनिक कविता की आत्मीयता और यथार्थवाद से भर देते हैं। दोनों में एक समानता है—दोनों ही पीड़ा को छिपाकर भी उसे अभिव्यक्त करते हैं, दोनों ही त्याग और वियोग को मानवीय बनाते हैं। भवभूति का राम राजा होते हुए भी एक साधारण मनुष्य की तरह तड़पता है, जबकि निराला का पिता कवि होते हुए भी सामान्य जीवन की हार का प्रतीक बन जाता है। इस मार्मिकता ने साहित्य को युग-युगांतर में प्रासंगिक बनाए रखा। आज भी, जब जीवन की जटिलताएं बढ़ गई हैं, करुण रस हमें याद दिलाता है कि पीड़ा ही मानवता का सबसे गहरा पुल है।

भवभूति की पुटपाक वाली व्यथा और निराला की सरोज-स्मृति वाली वेदना एक ही सत्य को दोहराती हैं—कि साहित्य बिना करुणा के अधूरा है। यह रस न केवल हृदय द्रवित करता है बल्कि पाठक को अधिक संवेदनशील, अधिक मानवीय बनाता है। इस प्रकार भवभूति से निराला तक की मार्मिकता साहित्य की अमर धारा को निरंतर बहाए रखती है, जहां हर पीड़ा एक नई करुणा को जन्म देती है।

व्यंग्य

अरविंद कुमार खेड़े

गधा बन कर ही खुश रहा जा सकता है

कोई मुझसे पूछे कि कम से कम शब्दों में जिदंगी का अनुभव बयाँ करो, जिदंगी का सार निचोड़ो (हालाँकि ऐसा कभी होगा नहीं, क्योंकि भूखों और नंगों से कोई कुछ पूछना तो दूर बात करना भी पसंद नहीं करता) तो मैं अपनी बात यूँ शुरू करते हुए झटपट खत्म कर दूँगा कि, मैं अब तक सिर्फ इतना ही समझ पाया हूँ कि, इस दुनिया में जीना है तो गधे बनकर जीओ, इनसान बनकर जीने में कई तकलीफें उठानी पड़ती है। मैं जानता हूँ, जो इनसान होगे, उन्हें गधे की बात समझने में ज्यादा मुश्किल नहीं होगी। इसलिए वे पलटकर पूछेंगे नहीं कि, हम आपकी बात का मतलब नहीं समझे। और जो गधा है, वह पूछने में संकोच करेगा कि, गधा होकर गधे की बात नहीं समझे? निरे गधे हो तुम। अब इनसान है तो, भूख है, रोटी है, गरीबी है, बीमारी है, लाचारी है, मजबूरी है, प्रेम है, कर्तव्य है, त्याग है, मोह है, माया है, लोभ है, लालच है, इसलिए इतनी दुविधाएँ हैं, इसलिए इतनी परेशानियाँ है, इसलिए इतनी तकलीफें है, इतना दुख है। इसलिए इनसान को श्रीकृष्ण की दरकार होती है। वे इनसान के ज्ञान चक्षु खोलते हैं, अँधेरा छँटता है, और वास्तविकता का पता लगता है। मुझे नहीं लगता श्रीकृष्ण की शरण लेने की और कोई वजह होगी, और कोई कारण होगे? अब गधा है तो, न भूख है, न रोटी है, न गरीबी है, न बीमारी है, न लाचारी है, न मजबूरी है, न प्रेम है, न कर्तव्य है, न त्याग है, न मोह है, न लोभ है, न लालच है। इसलिए न दुविधाएँ है, न परेशानियाँ है, न तकलीफें है, न दुख है। न श्रीकृष्ण की दरकार है। अब इनसान है तो, पगार है, बीमार माँ-बाप हैं, दवा-दारू है, छोटे भाई बहनों की जिम्मेदारी है, समाज-परिवार में तीज त्यौहारों का ध्यान रखना है, स्त्री की एलईडी की ख्वाहिश है, बच्चों को टच स्क्रीन मोबाईल चाहिए, स्कूटी लाना है, छोटा-मोटा घर देखना है, सस्ती-वस्ती चार पहिया, इस बीच बच्चों को पालना भी, पढ़ाना लिखाना भी है, मरना और खपना भी है। अब गधा है तो कोई झंझट नहीं है। सभी कहते है, देखो, कैसा गधा है, भूसा भरा हुआ है दिमाग में? कुछ सोचता नहीं, समझता नहीं, कुछ करता नहीं? अब इनसान है तो दफ्तर में रोज माथा-पच्ची होती रहती है। बाबू गुस्से से बाहर निकलते हुए किसी से कहते हुए सुनाता है, कोई इसे समझाओ यार? हर फाइल में क्यूरी डालता है। फिर दूसरी परेशानियाँ अलग। दाएँ से प्रेशर, बाएँ से प्रेशर, उपर से प्रेशर, नीचे से प्रेशर, इन्क्रीमेंट रुकने का डर, तबादले का डर, यहाँ तक भी न डरे तो, फिर सस्पेंशन। अब गधा है, तो न कोई क्यूरी है न कोई क्वेश्चन है, बस केवल दस्तखत करना है। इसलिए दरबार सलाम ठोकता है, साहिबान चेंबर में बुलाता है, चाय-काफी पिलाता है, बहुत बढ़िया, बहुत अच्छे के तमगे पाता है। पहले इनसान सोचता है, ईश्वर ने श्रेष्ठ योनि में जन्म दिया है, इनसान बनाया है, बेहतर इनसान बनके दिखाऊँगा। उर्जा से भर जाता है, उत्साहित

होकर जीता है, और समाज-परिवार-देश को बेहतर इनसानापन देने की कोशिश करता है। लेकिन चालीस पार होते ही उसकी धारणाएँ बदल जाती है, उसकी सोच बदल जाती है। और खुद को ही कोसने लग जाता है कि मैं भी आखिर किसके सामने अपना सिर पीट रहा था? समझ आती है, ब्रह्म ज्ञान प्राप्त होता है, और इनसान से गधा बन जाता है। और अंततः मैं भी गधा बना गया। अब गधा बनकर मैंने जाना कि गधे सुख-दुख, राग-द्वेष, मान-अपमान से परे होते हैं। गीता के अनुसार सच्चे स्थितप्रज्ञ ये ही होते हैं। कितनी भी विषम और विकट परिस्थितियाँ क्यों न आएँ, वे अपनी स्थित प्रज्ञता बनाए रखते हैं। इनसानों की यह स्थिति कहाँ? जरा-सी मुसीबत आई, जरा-सा दुख आया, लगे रोने-चिल्लाने। जरा-सी खुशी क्या मिली, जरा-सा मान-सम्मान क्या मिला, लगे गाने-बजाने। लेकिन गधे हर हाल में सम-भाव बनाए रखते हैं। गधा बनकर मैंने जाना कि, गधा सूखी और हरी घास के बीच कोई भेद नहीं करता है। गधे के लिए घास, घास होती है, सूखी या हरी नहीं होती। हरी भी खा लेगा तो, ढोएगा वह बोझ ही, सूखी खाना हो तब भी बोझ ही ढोना है। इनसान रहते हुए मैंने इस स्थिति में अलग महसूस किया। दूसरों की थाली में हमेशा मुझे ज्यादा ही घी नजर आया। अपनी थाली में घी होने के बावजूद भी इनसान हमेशा कुढ़ता ही रहता है। इनसान रहते हुए मैंने इनसानों से सुना कि, इनसान जरूरत पड़ने पर गधे को भी बाप बना लेता है। मतलब इनसान स्वार्थी होता है, मतलबी होता है, अवसरवादी होता है। लेकिन गधा होकर मैंने जाना कि, किसी भी गधे ने इनसान को अपना बाप नहीं बनाया। मतलब गधा, स्वार्थी नहीं होता, मतलबी नहीं होता, अवसरवादी नही होता। उसने इनसान को इनसान ही समझा, इनसान ही माना, चाहे उसे भूखा रखा हो, प्यासा रखा हो, चाहे उसे खूब लादा गया हो। इनसान रहते हुए मैंने जाना कि, इनसान सौभाग्य से या दुर्भाग्य से यदि एक बार नंगा हो जाता है तो वह फिर अपने को ढकना पसंद नहीं करता। उसे नंगेपन में ही मजा आने लगता है। लोग कहते है, बस करो, अब और कितना नंगापन दिखाओगे? लेकिन वह किसी की परवाह नहीं करता। उसे नंगेपन में ही रस लेता है। बल्कि अफसोस करता है, काश...। पहले नंगा हो गया होता? लेकिन गधा बनकर मैंने जाना कि, कोई कितनी भी कोशिशें करे, चिढ़ाए, धमकाए, डाँटे-डपटे, मारे, लेकिन गधा कभी कमीना नहीं होता। इनसान रहकर मैंने जाना कि, इनसान अपने फायदे के लिए शोर-शराबा, खून-खराबा, करता है, हड़तालें करता है, दंगा करता है, बलवा करता है। लेकिन किसी गधे ने कभी अराजकता नहीं फैलाई। गधा कभी उच्छृंखल और उन्मादी भीड़ में शामिल नहीं हुआ। गधे ने कभी कानून नहीं तोड़ा। गधा नियमों का अक्षरशः पालन करता है। बल्कि उसने तो अपने चारे की चिंता किए बिना अपने पंचम स्वर में समरसता और भाईचारे का हमेशा राग ही अलापा। भले ही उसे खदेड़ दिया गया हो। इनसान पल-प्रतिपल अपना रूप-रंग बदलता है। एक पल में वह कुत्ता, दूसरे पल में भेड़िया, तीसरे पल में गीदड़, चौथे पल में जोंक, और पता नहीं क्या क्या स्वाँग रच लेता है, लेकिन गधे ने कभी कभी अपना रूप नहीं बदला। खुशी में भी वह गधा ही रहा है और दुख में भी वह गधा ही रहा। आज भले ही गधे के पास न गाड़ी है, न बंगला है, न कुटुंब है, न कबीला है, न पद है, न पैसा है, न लाठी है न भैंसा है, न पहुँच है, न पहचान है, न खेत है, न मचान है, न रेशम है, न खादी है, न हवा है, न आँधी है, न परमिट है, न कोटा है, भले ही हर चीज का टोटा है, बावजूद गधा खुश रहता है।

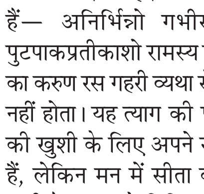

गुलदस्ता

☼ शिवशंकर सिंह 'सुमित'

❋ दरवाजे पे पहरा मगर था
खिड़की फिर भी खुलती थी
मस्त पवन के झोंकों में ही
हँसती खिलती झूलती थी

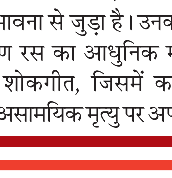

❋ मौसम एक ऐसा भी आया
कि घर में ताला बंद हुआ है
ए.सी.के अब बढ़ते चलन में
पंखों का भी डैना मंद हुआ है

❋ पाती लिखे कौन यहाँ अब
कागद किसके पास बचा है
कारे कारे आखर पढ- पढ़
नयन छलकते यहां कहाँ है

❋ दौलत का अम्बार लगा है
फिर भी यहाँ धनवान कहाँ है
सूट बूट और नेक टाई में दिखते
ढूंढ मरो, यहां इंसान कहाँ है

❋ जीने से मरना अच्छा लगता है
जब रही न कोई पहचान यहाँ
पाने को रह जाता ही क्या है
जब छिन जाए अरमान यहां

❋ कुछ यूं बिखर गये हम यहाँ
खुद को अब समेटे कैसे कहाँ
नाराज जमीं है और आसमां
और खामोशियों में जीना यहां

❋ अश्कों के मिलते हैं सौदागर
मरहम लगाता न कोई यहां
तन्हाई में भी न मिलते आकर
अब न बैठेगा ही पास कोई यहां

मिशन सुदर्शन चक्र करेगा दुश्मन का संहार, देश का मजबूत सुरक्षा कवच : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 13 जून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिशन सुदर्शन चक्र को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में इसकी घोषणा की गई, जो देश की बहुस्तरीय मिसाइल रक्षा प्रणाली के रूप में स्थापित होने जा रहा है। यह सिस्टम न केवल सैन्य प्रतिष्ठानों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करेगा, बल्कि नागरिक बुनियादी संरचनाओं व प्रमुख संस्थानों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगा। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह व्यवस्था देश की रक्षा क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

राजनाथ सिंह ने कहा कि मिशन सुदर्शन चक्र सभी अहम संपत्तियों के लिए मजबूत सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह आधुनिक भारत की रक्षा तैयारियों को और अधिक मजबूत बनाएगा। देश की संप्रभुता और सुरक्षा को अटूट बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में शामिल होने वाले नए अधिकारियों को आधुनिक संघर्ष के बदलते स्वरूप के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी। शनिवार को उन्होंने कहा कि बड़ी शक्तियों को अब युद्धक्षेत्र में पहले जैसी बढ़त हासिल नहीं है क्योंकि छोटी ताकतें भी विशेष रणनीति का इस्तेमाल कर भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

राजनाथ सिंह ने हैदराबाद के निकट स्थित भारतीय वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उभरती टेक्नोलॉजी ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है। रक्षा मंत्री ने कहा, 'पहले ऐसा लगता था कि बड़ी शक्तियों को युद्धक्षेत्र में निर्णायक बढ़त हासिल होती है लेकिन अब तुलनात्मक रूप से छोटी ताकतें भी अपने छोटे लेकिन खतरनाक हथियारों व नई रणनीतियों से भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। आप सभी को यह बताने का मेरा उद्देश्य यही है कि आप युद्ध के हर स्वरूप के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें।'

रक्षा मंत्री ने कहा, 'पहले सैनिक और सैन्य उपकरण स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे, लेकिन अब आधुनिक युद्ध में रडार, उपग्रह, ड्रोन, सेंसर और रोबोटिक्स जैसी कई प्रणालियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अब ऐसा देखने को मिल रहा है जिनमें विरोधियों की यातायात प्रणालियों और सीसीटीवी कैमरों को नियंत्रित किया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि युद्ध की परिभाषा काफी हद तक बदल गई है। सेना में शामिल हुए अधिकारियों को युद्ध के आधुनिक तरीकों व रणनीतियों को समझना चाहिए। उनके तहत ढलना, उन्हें अपनाना और जरूरत पड़ने पर उनमें बदलाव करना चाहिए।

विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए 14 जून को ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन

नई दिल्ली, 13 जून (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले आयुष मंत्रालय रविवार को विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन करने जा रहा है। यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय और हबिल्ड हेल्थ टेक द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन सबसे बड़े एक साथ ऑनलाइन योग सत्र का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इच्छुक लोग 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के बाद प्रतिभागियों को व्हाट्सऐप के माध्यम से ऑनलाइन सत्र का लिंक भेजा जाएगा।

इसके साथ मंत्रालय ने वेबसाइट का लिंक भी जारी करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों से भाग लेने की अपील की। आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच पर साझा किए अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आयुष मंत्रालय और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान मिलकर एक नया इतिहास रचने जा रहे हैं। एक साथ सबसे अधिक लोगों द्वारा ऑनलाइन योग सत्र में भाग लेने के इस गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रयास का हिस्सा बनेंगे।

'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' थीम के तहत यह ऐतिहासिक आयोजन 14 जून को सुबह 6:15 बजे से 7:35 बजे तक होगा। उन्होंने सभी देशवासियों से वैश्विक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एकजुट होकर योग कार्यक्रम का

उल्लेखनीय है कि आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय की 'गंगोत्री से गंगा सागर तक' श्रृंखला के तहत गंगोत्री धाम में एक विशेष योग सत्र का सफल आयोजन किया गया। पवित्र गंगा तट पर योग और ध्यान का यह संगम असीम शांति व ऊर्जा प्रदान करने वाला रहा।

यह आध्यात्मिक कार्यक्रम मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के तत्वावधान और संस्कार योगशाला के साथ आयोजित किया गया।

संक्षिप्त खबर

श्रद्धालुओं की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, चार की मौत

पलामू, 13 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के किछौछा शरीफ से वापस लौट रहे पलामू डालटनगंज के श्रद्धालुओं की कार को ट्रक ने टक्कर मार दी जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक जख्मी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना आजमगढ़ जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के देवगांव इलाके में हुई। शनिवार सुबह घटना की खबर मिलते ही डालटनगंज में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनसार मृतकों में डालटनगंज छोटी मस्जिद के सामने स्थित किताब घर के संचालक हाफिज रज्जाक, जनता मेडिकल से जुड़े कैश अंसारी, सब्जी मंडी के व्यवसायी शोहराब राईन और वाहन चालक शामिल हैं। चूड़ी कारोबारी अजमल जख्मी हैं। उनका इलाज चल रहा है। चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी अभियान 17 जून से, राहुल करेंगे छात्रों को संबोधित

नई दिल्ली, 13 जून (हि.स.)। कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा अनियमितताओं और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। पार्टी के अनुसार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 17 जून से देश के विभिन्न शहरों में छात्र सम्मेलनों की श्रृंखला शुरू करेंगे, जिसमें छात्रों, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों, शिक्षकों और युवा संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि अभियान के पहले चरण के तहत राहुल गांधी 17 जून को कोटा, 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में छात्र सम्मेलनों को संबोधित करेंगे।

महाराष्ट्र में मां ने 4 बच्चों को जहर देकर की आत्महत्या

मुंबई, 13 जून (हि.स.)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मानगांव तहसील में स्थित खारवली गांव में एक मां ने अपने चार बच्चों को ज़हर देने के बाद खुद भी जहर पीकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में मां और उसके दो बच्चों की मौत हो गई है, जबकि 2 बच्चों की हालत बहुत गंभीर बताई जा रही है और दोनों का इलाज मानगांव के सरकारी अस्पताल में हो रहा है। इस घटना की छानबीन मानगांव पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि मानगांव तहसील के खारवली आदिवासी गांव में आशा जाधव (29) अपने चार बच्चों सहित रहती थी। शुक्रवार को देर रात आशा जाधव ने अपने चार बच्चों को कोल्ड ड्रिंक में मिलाकर जहर दे दिया। इसके बाद आशा जाधव ने खुद जहर पी लिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोसियों ने तत्काल मां और बच्चों को मानगांव सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। लेकिन अस्पताल में आशा जाधव और उनकी दो बेटियों, नंदिनी जाधव (7) और दुर्वा जाधव (6) की मौत हो गई। जबकि दो बच्चों की हालत बहुत गंभीर है। इन दोनों बच्चों का मानगांव के सरकारी हॉस्पिटल के इंटेंसिव केयर यूनिट में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। अभी तक आशा जाधव के आत्महत्या के बारे में पता नहीं चल सका है।

2027 में हार मिली तो सपा चंबल चली जाएगी: अखिलेश यादव

लखनऊ, 13 जून। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर से क्ष्छ्क्क पर निशाना साधते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का चुनाव इस बार आखिरी चुनाव होगा। अगर हमारी पार्टी 2027 में होने वाले चुनाव में हार जाती है तो पूरी समाजवादी पार्टी चंबल चली जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में चुनाव एजेंसियों का दुरुपयोग बहुत बड़े स्तर पर किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि डॉलर जितना ऊपर जाएगा, रुपया उतना ही नीचे आएगा, जिससे चाय और मंहगी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी में स्मार्ट मीटर लगाए गए थे जिसे उखाड़ फेक दिया गया है।

राहुल गांधी हारने का शतक बनाने की ओर अग्रसर हैं : गिरिराज सिंह

रायपुर, 13 जून (हि.स.)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी लोगों का प्यार जीतने का शतक बना रहे हैं जबकि राहुल गांधी हारने का शतक बनाने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कई वर्षों से देश के भीतर गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा करने की योजना बना रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में केन्द्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने कहा कि हमने ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक राष्ट्रीय सरकार तक जीत का शतक बनाया और कांग्रेस ने हार का शतक बनाया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार के सफल कार्यकाल, विकास योजनाओं और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि 22 राज्यों में हमारी सरकार है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 12 वर्षों के कार्यकाल में विकास के साथ विरासत का संरक्षण और विरासत के साथ विकास का संवर्धन करने का काम किया है। इस अवसर पर उनके

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से देश की जनता ने शासन को सत्ता भोगने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का संकल्प मानने वाली मोदी सरकार पर भरोसा जताया है। उन्होंने दावा किया कि बीते वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर तंज कसते हुए कहा कि पहले केवल 'गरीबी हटाओ' के नारे दिए जाते थे, लेकिन गरीबी नहीं मिटी, बल्कि गरीब मिट गए।

उन्होंने कहा कि जब विपक्ष केरल या तेलंगाना जीतता है तो सब ठीक रहता है, लेकिन हारने पर ईवीएम और वोट चोरी का रोना रोते हैं। टीएमसी सांसद के 'ऑपरेशन लोटस नाकाम होने' के बयान पर उन्होंने कहा कि भाजपा का कोई ऐसा ऑपरेशन नहीं चलता। जो जैसी करनी करता है, वैसा फल भोगता है।

उपेन्द्र कुशवाहा फिर बने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, 13 जून (हि.स.)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा को एक बार फिर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। शनिवार को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अधिवेशन एवं सांगठनिक चुनाव कार्यक्रम में सर्वसम्मति से पार्टी के संस्थापक एवं वरिष्ठ नेता उपेन्द्र कुशवाहा को आगामी कार्यकाल 2026-29 के लिए पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इस मौके पर बिहार सहित देशभर से आए प्रतिनिधियों, प्रदेश अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी के अधिवेशन में देश की वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों पर व्यापक चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए गए। उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि निरंतर विश्वास एवं जिम्मेदारी के लिए पार्टी के बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के सभी सम्मानित, समर्पित और संघर्षिल साथियों का आभार।

असम में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए सीधे आधार नहीं : डॉ. हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहाटी, 13 जून (हि.स.)। अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड लेने से रोकने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, असम कैबिनेट ने 18 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए रेगुलर एनरोलमेंट प्रोसेस के ज़रिए आधार कार्ड जारी करना बंद करने का फ़ैसला किया है। इसके अलावा कैबिनेट बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

नई सरकार की शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य सरकार यह पक्का करना चाहती है कि कोई भी अवैध प्रवासी आधार एनरोलमेंट सिस्टम का फ़ायदा न उठा सके। नई पॉलिसी के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे। हालांकि, 18 साल से अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। ऐसे मामलों में, संबंधित डिप्टी कमिश्नर को सरकार को एक प्रस्ताव भेजना होगा, जो कार्ड जारी करने पर अंतिम फ़ैसला लेगी।

मुख्यमंत्री ने साफ़ किया कि इस कदम का मकसद आधार एनरोलमेंट प्रोसेस में कमियों और गड़बड़ियों को रोकना है, साथ ही यह पक्का करना है कि असली भारतीय नागरिक इस दस्तावेज़ से वंचित न रहें।

कैबिनेट ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय बागान समुदाय के सदस्यों के लिए भी छूट दी है, जो मार्च 2027 तक आधार एनरोलमेंट के लिए पात्र बने रहेंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, यह फ़ैसला पहचान की पुष्टि करने वाले सिस्टम को मज़बूत करने और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों द्वारा धोखाधड़ी से आधार कार्ड हासिल करने पर रोक लगाने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है। अधिकारियों ने कहा कि मकसद एनरोलमेंट प्रोसेस को और मज़बूत बनाना और यह पक्का करना है कि आधार कार्ड सही जांच-पड़ताल के बाद ही जारी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि वयस्कों के लिए आधार एनरोलमेंट पूरी तरह से बंद नहीं किया जाएगा, लेकिन मौजूदा सिस्टम के ज़रिए कोई भी कार्ड अपने-आप जारी नहीं किया जाएगा और 18 साल से अधिक उम्र के हर आवेदन को मंज़ूरी मिलने से पहले कड़ी जांच-पड़ताल से गुज़रना होगा।

रामगढ़ में अवैध कोयला खदान में दम घुटने से चार मजदूरों की मौत

रामगढ़, 13 जून (हि.स.)। रामगढ़ जिले के सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के अरगड्डा प्रक्षेत्र में अवैध कोयला खनन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जंगल क्षेत्र में बने एक अवैध कोयला मुहाने (चाल) में फंसने से चार मजदूरों की मौत हो गई। यह घटना अरगड्डा पुराने माइंस के सामने स्थित चपरी गांव के काजू बागान क्षेत्र में हुई। शनिवार को पुलिस और माइंस रेस्क्यू टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर चारों मजदूरों के शव बाहर निकाले। मृतकों की पहचान किशोर, आशीष, देवा और डब्बू के रूप में हुई है। सभी मजदूर अवैध रूप से कोयला निकालने के लिए खदाननुमा मुहाने में उतरे थे।

ओमान में लियाकी फ्रीडम जहाज पर हमले की खबर गलत, चालक दल सुरक्षित: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जून (हि.स.)। ओमान के तट पर लियाकी फ्रीडम जहाज पर हमले और भारतीय नाविकों की मौत की खबरों को भारत सरकार ने पूरी तरह गलत बताया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जहाज पर मौजूद चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। मंत्रालय ने मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिकी हमले में इस जहाज पर सवार भारतीय नाविक मारे गए हैं।

विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने जहाज लियाकी फ्रीडम के मास्टर से बात की है, जिन्होंने पुष्टि की है कि सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं और बताई गई जानकारी गलत है।

इससे पहले भारतीय जहाजों पर हुए अमेरिकी हमलों को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शनिवार तड़के अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की और खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की ओर से किए गए हमलों में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने पर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया।

जयशंकर ने एक्स पर लिखा, 'आज शाम अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की। खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत पर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। वाणिज्यिक जहाजों पर इस तरह की घातक कार्रवाई उचित नहीं है।'

नई शिक्षा नीति से खेल और शिक्षा को मिल रही नई दिशा : धर्मेन्द्र प्रधान

भोपाल, 13 जून (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के माध्यम से खेल और शारीरिक शिक्षा को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। अब विद्यार्थियों को खेल और पढ़ाई में से किसी एक का चयन करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि दोनों क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।

केंद्रीय मंत्री प्रधान शनिवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में खेल अकादियों का भ्रमण के दौरान खिलाड़ियों से संवाद कर रहे थे। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के साथ शूटिंग अकादमी का दौरा किया और खिलाड़ियों से संवाद कर उनके अनुभवों को जाना।

केंद्रीय मंत्री प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल डिग्री आधारित शिक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें कौशल, खेल और नवाचार से जोड़ने का कार्य किया गया है।

उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के लिए विशेष कोर्स वर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे खेल गतिविधियों और शैक्षणिक उपलब्धियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

सड़क हादसे में असम के पांच युवकों की मौत

सेप्पा (अरुणाचल प्रदेश), 13 जून (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के सेप्पा क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में असम के लखीमपुर जिले के पांच युवकों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक जिस वाहन में सवार थे, वह पहाड़ी सड़क पर अचानक नियंत्रण खो बैठा और गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि सभी पांचों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अमदाज अली, बुलबुल अली, नूर हुसैन, सैदुल इस्लाम और अबुल हुसैन के रूप में हुई है। सभी लखीमपुर जिले के नावबोइचा क्षेत्र के निवासी थे।

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15446092W, Rank NK (NA), Name TUSHAR ROY, permanent resident of Village & P.O. Kalyandaha, P.S. Chapra, District Nadia, State West Bengal, Pin Code-741123, have changed my father's name from PROSANTA KR ROY to PRASHANTA ROY in my Service Record Record vide affidavit dated 08.06.2026 before the Barrackpore court.

CHANGE OF NAME

I, Yogita Sah, presently residing at Army Camp, Dakshineswar, 17 Corps OMC, Block-B2 5/4, P.O.- Alambazar, Dist.- North 24 Parganas, Kolkata-700035, West Bengal, and permanent resident of Village- Lauwa Kalan, P.O.- Lauwa Kala, Dist.- Saran, Bihar-841403, legally wedded spouse of Service No.- 15824907A, Rank- L/Nk, Name- Umesh Kumar Sah, have changed my name from Yogita Sah to Yogita Shah as recorded in my husband's service Record vide Affidavit dated 10.06.2026 before Barrackpore Court.

CHANGE OF NAME

I, Alimuddin Shaikh S/O Niyat S.K , residing at Barnia Haritala para ,Barnia , Tehatta , pin - 741156 , That due to mistake my father's name has been recorded Niyth Shaikh instead of Niyat Shaikh and his date of birth is 01/07/1964 in place of 13/09/1963 and my mother's name is Alia Bibi instead of Aliya Bibi SK and her date of birth is 01/07/1969 in place of 01/01/1970 by an affidavit 1st class Judicial Magistrate at Barrackpore court on 16/05/2026. Niyth Shaikh and Niyat Shaikh and Alia Bibi and Aliya Bibi SK is the same and one identical person.

CHANGE OF NAME

I service No - 13693024L , Rank - Ex - HAV (MACP NB SUB) , Name - Ratul Sonowal is legal father of Junti Sonawal , presently posted Ishapur Rifle factory , 24 pgs (N), permanent resident of 1 no Torani, P.O- Upper Torani, P.S- Merapani, Dist- Golaghat,Assam, That I have changed my child name from Junti Sonawal to Junti Sonowal due to recorded in his education documents and Aadhaar card by an 1st class Judicial Magistrate at Barrackpore court on 09/06/2026. Junti Sonawal and Junti Sonowal is the same and one identical person.

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नंबर-18010351X, रैंक-NK, 236 इंजीनियरिंग रेजिमेंट का स्मृति रंजन राउत हूँ। मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पिता का नाम 'श्रीनिबास राउत' (Shrinibas Rout) गलत लिखा गया है, जबकि सही नाम 'श्रीनिबाश राउत' (Srinibash Rout) है (जन्म तिथि-19-01-1962); साथ ही, मेरी माँ का नाम भी 'सुकंती कुमारी देई' (Sukanti Kumari Dei) गलत लिखा गया है, जबकि सही नाम 'सुकंती देई' (Sukanti Dei) है (जन्म तिथि-11-02-1966)। वर्तमान में मैं गाँव/पोस्ट-खुंटाकाटा, थाना/तहसील-बारम्बा, जिला-कटक, ओडिशा, पिन-754031 में रहता हूँ। इस संबंध में मैंने एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट, बारम्बा, जिला-कटक, ओडिशा के समक्ष शपथ-पत्र संख्या-2067 (दिनांक 26.05.2026) प्रस्तुत किया है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सीएक्यूएम सख्त अगले साल से डीजल ऑटो रिक्शा होंगे बंद

नई दिल्ली, 13 जून (हि.स.)। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने शनिवार को अपनी 25वीं समीक्षा बैठक कर विभिन्न विभागों की तैयारियों और प्रवर्तन कार्रवाइयों का जायजा लिया। आयोग ने वाहन प्रदूषण, सड़क की धूल, निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कचरा, पराली जलाने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और औद्योगिक उत्सर्जन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने की। बैठक में दिल्ली सरकार, एनसीआर राज्यों और पंजाब सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया। आयोग ने निर्देश दिया कि 1 अक्टूबर 2026 से एनसीआर के सभी पेट्रोल पंपों और सीएनजी स्टेशनों पर एएनपीआर कैमरों के माध्यम से बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ईंधन देने पर रोक सुनिश्चित की जाए। साथ ही पुराने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। आयोग ने 31 दिसंबर तक एनसीआर के सभी जिलों से डीजल ऑटो रिक्शा हटाने की प्रगति की समीक्षा की। ट्रैफिक जाम वाले प्रमुख चौराहों पर यातायात प्रबंधन मजबूत करने के निर्देश दिए गए ताकि वाहनों से होने वाला उत्सर्जन कम किया जा सके।

अब एथेनॉल से दौड़ेंगे वाहन, दी गई कानूनी मंजूरी : गडकरी

नागपुर, 13 जून (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को बताया कि देश में हरित ऊर्जा और स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए 100 प्रतिशत एथेनॉल को वाहनों में उपयोग करने की कानूनी मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आवश्यक फाइल पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश को पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता से मुक्त करना है। नए निर्णय के बाद वाहन मालिक अपनी गाड़ियों में पेट्रोल के स्थान पर सीधे 100 प्रतिशत एथेनॉल का उपयोग कर

सकेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एथेनॉल आधारित ईंधन से पर्यावरण को होने वाला नुकसान काफी कम होगा और उपभोक्ताओं को ईंधन पर कम खर्च करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि अब वाहन मालिक की मर्जी है, वह गाड़ी में पेट्रोल डलवाए या एथेनॉल। फोर-व्हीलर, थ्री-व्हीलर और स्कूटर सहित सभी वाहनों में इसका उपयोग किया जा सकेगा। एथेनॉल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन ने देशभर में लगभग 350 एथेनॉल पंप स्थापित किए हैं। सरकार ने अन्य सार्वजनिक और निजी तेल कंपनियों से भी एथेनॉल पंपों का नेटवर्क बढ़ाने का आग्रह किया है। जल्द ही नई अनुमतियां जारी कर इस व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा।

इस अवसर पर गडकरी ने विमानन क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि हवाई ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में बार-बार होने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये का विशेष स्थिरीकरण कोष (स्टेबिलाइज्ड फंड) बनाया गया है।

उनके अनुसार, इस व्यवस्था के तहत विमानन ईंधन की कीमत 115 रुपये प्रति लीटर पर निर्धारित की गई है। इससे एयरलाइंस कंपनियों को परिचालन में स्थिरता मिलेगी और यात्रियों को बार-बार बढ़ते हवाई किराए से राहत मिल सकती है।

पहलगाम हमले के बाद बदली भारत की जल रणनीति, पाकिस्तान को और तड़पाने का प्लान तैयार

पहलगाम, 13 जून। पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जिस कूटनीतिक और रणनीतिक अभियान की शुरुआत की थी, उसके प्रभाव अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। दशकों तक संयम और उदारता दिखाने वाले भारत ने साफ संदेश दिया है कि खून और पानी एकसाथ नहीं। इसी बदले हुए रणनीतिक माहौल के बीच भारत सरकार ने उन जल परियोजनाओं पर तेजी से काम शुरू कर दिया है, जिनका उद्देश्य भारत के हिस्से के पानी का ज्यादा उपयोग देश के किसानों, उद्योगों और ऊर्जा क्षेत्र के लिए सुनिश्चित करना है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है चेनाब-ब्यास लिंक परियोजना, जिस पर अब तेजी से आगे बढ़ने की तैयारी हो रही है।

इस परियोजना के पूरा होने के बाद राजस्थान सहित उत्तर भारत के कई राज्यों को अतिरिक्त पानी मिल सकेगा और लाखों किसान इससे लाभान्वित हो सकते हैं।

साल 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सिंधु जल संधि को दुनिया के सबसे सफल जल समझौतों में गिना जाता रहा है। इस संधि के तहत सिंधु, झेलम और चिनाब जैसी पश्चिमी नदियों का ज्यादा जल पाकिस्तान के हिस्से में जाता रहा, जबकि भारत को सीमित उपयोग की अनुमति थी।

हालांकि, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने अपने रुख में बदलाव का संकेत दिया। नई दिल्ली ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।' इसके बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने का फैसला लिया गया और भारत ने अपने हिस्से के जल संसाधनों के अधिकतम उपयोग की दिशा में कदम बढ़ाने शुरू कर दिए।

करीब 2,600 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत चंद्रा और भागा नदियों के जल को 8.17 किलोमीटर लंबी सुरंग के जरिए ब्यास नदी बेसिन में स्थानांतरित किया जाएगा। आगे 113 किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली के माध्यम से इस पानी का उपयोग सिंचाई और अन्य विकास कार्यों में किया जाएगा।

सरकारी आकलन के अनुसार हर साल लगभग 19 लाख एकड़ फीट अतिरिक्त जल को ब्यास बेसिन में पहुंचाया जा सकेगा। इससे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और विशेष रूप से राजस्थान को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

राजस्थान और उत्तर भारत के कई क्षेत्र लंबे समय से जल संकट और सिंचाई की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। परियोजना के पूरा होने के बाद इन इलाकों में खेती के लिए अतिरिक्त पानी उपलब्ध होगा। इससे कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिल सकती है और किसानों की लागत भी कम हो सकती है।

भारत वैश्विक झटकों से निपटने को तैयार : नागेश्वरन

नयी दिल्ली, 13 जून। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारत का बाहरी क्षेत्र अब काफी मजबूत हो गया है। देश की व्यापक आर्थिक बुनियाद वैश्विक झटकों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में है। एक आयोजन के दौरान नागेश्वरन ने बताया कि बाहरी क्षेत्र के जोखिमों में काफी कमी आई है।

भारतीय रिजर्व बैंक को रुपये को संभालने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करने का दबाव भी कम है। उन्होंने कहा कि बाहरी मोर्चे पर सबसे कठिन दौर अब पीछे छूट चुका है। हाल के वैश्विक संकटों के दौरान विवेकपूर्ण आर्थिक प्रबंधन और समय पर नीतिगत हस्तक्षेपों से यह बेहतर स्थिति बनी है।

नागेश्वरन ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के 6.6 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि

अनुमान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति नियंत्रण में है।

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को लंबे समय तक लगभग आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। नागेश्वरन ने यह बात कही। हालांकि, उन्होंने कुछ संभावित चुनौतियों का भी जिक्र किया। यदि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहने पर भी विकास दर प्रभावित होगी। ऐसी स्थिति में वृद्धि दर घटकर करीब छह प्रतिशत तक आ सकती है।

रोजगार और तकनीक के विषय पर नागेश्वरन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र में नए अवसर पैदा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को ऐसे कौशल विकसित करने होंगे जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ काम कर सकें।

इससे वे स्वचालन के कारण होने वाले बदलावों से कम प्रभावित होंगे। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक सामान्य तकनीक बन जाएगी। भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के लिए मजबूत प्रतिभा आधार और बड़े आंकड़े संसाधन चाहिए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने बताया कि सूचीबद्ध कंपनियों ने निवेश बढ़ाना शुरू कर दिया है। यह निजी पूंजीगत व्यय चक्र में सुधार का संकेत देता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है। नागेश्वरन ने आगामी खरीफ सीजन को लेकर सकारात्मक रुख जताया। जलाशयों में बढ़ा हुआ जलस्तर और बेहतर बुवाई की स्थिति कृषि उत्पादन को सहारा देगी। अमिताभ कांत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक परिवर्तनकारी शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि यह बिजली और कंप्यूटर के आगमन से भी अधिक बड़े स्तर पर उत्पादकता बढ़ा सकती है।

एआई निवेश थीम की रफ्तार पड़ी धीमी

नयी दिल्ली, 13 जून। दुनियाभर के बाजारों में एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस निवेश थीम की रफ्तार धीमी पड़ती दिख रही है। ब्रोकरेज फर्म इलारा कैपिटल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2025 से जारी एआई आधारित निवेश उछाल के बाद पहली बार निवेशक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सप्लाई-चेन से जुड़ी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी घटाने लगे हैं। हालांकि, एआई तकनीक से सीधे लाभ कमाने वाली कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी अब भी बनी हुई है। ब्रोकरेज ने लेटेस्ट 'ग्लोबल लिक्विडिटी ट्रैकर' में बताया गया है कि डाइवर्सिफाइड ग्लोबल इमर्जिंग मार्केट फंड्स से लगातार छह हफ्तों में 10 अरब डॉलर की निकासी हुई है। ये फंड्स उन निवेशकों के लिए पसंदीदा विकल्प बन गए थे जो ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे बाजारों के जरिए एआई थीम में निवेश करना चाहते थे।

वेनेजुएला से कच्चे तेल की सप्लाई का अर्श से फर्श तक का सफर, अब फिर वापसी के संकेत

नयी दिल्ली, 13 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ हाल में मुलाकात की। इससे वेनेजुएला फिर भारत के ऊर्जा विचार-विमर्श में शामिल हो गया है। एनर्जी ट्रैकर्स के अनुसार छूट पर भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदे जाने के बावजूद मई, 2026 में भारत के लिए वेनेजुएला तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। यह घटनाक्रम कोई नई साझेदारी नहीं है, बल्कि पुरानी साझेदारी की वापसी है। यह साझेदारी बीते दशक में नाटकीय रूप से खत्म हो गई थी।

भारत ने 2013-14 में वेनेजुएला से लगभग 14 अरब डॉलर का सामान आयात किया। यह लगभग पूरी तरह से कच्चा तेल ही था। इससे यह लैटिन अमेरिकी देश भारत के सबसे महत्वपूर्ण तेल साझेदार देशों में से एक बन गया। वर्ष 2010 के दशक में भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में वेनेजुएला की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत होती थी। उस दौर में भारत के लिए वेनेजुएला कच्चे तेल का शीर्ष आपूर्तिकर्ता था। लेकिन वेनेजुएला का भारत के कच्चे तेल के व्यापार में 2016-17 के दबदबा कम होता गया और 2020-21 के बाद तेजी से खत्म होता गया।

इसका कारण यह था कि प्रतिबंधों, राजनीतिक अस्थिरता और शिपिंग में रुकावटों ने वेनेजुएला के तेल निर्यात को प्रभावित किया। इससे भारत के कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी लगभग न के बराबर रह गई। हालांकि निर्यात के मामले में भी स्थिति बहुत अलग रही है।

पूरे दशक में वेनेजुएला को भारत का निर्यात काफी कम रहा है। यह ज्यादातर सालाना 10 करोड़ डॉलर से 50 करोड़ डॉलर के बीच रहा। यह आयात बिल का छोटा सा हिस्सा था, तब भी जब कच्चे तेल का व्यापार लगभग खत्म हो गया था। वेनेजुएला से भारत को होने वाले निर्यात में विनिर्मित सामान, रसायन और संबंधित औद्योगिक उत्पादों का दबदबा बना रहा।

इससे पता चलता है कि भले ही तेल ने इस रिश्ते को परिभाषित किया, लेकिन गैर-तेल व्यापार तुलनात्मक रूप से सीमित व स्थिर रहा। आंकड़ों से जानकारी मिलती है कि भारत-वेनेजुएला व्यापार किस हद तक केवल कच्चे तेल के प्रवाह पर निर्भर रहा है और वेनेजुएला के तेल के बढ़ने, खत्म होने और हाल ही में फिर से शुरू होने ने दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को लगभग पूरी तरह से आकार दिया है।

टाटा संस की बोर्ड बैठक में नेतृत्व पर फैसला टला
चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर अनिश्चितता

नयी दिल्ली, 13 जून। नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने तक के कारोबार से जुड़ी कंपनियों के 180 अरब डॉलर से अधिक राजस्व वाले टाटा समूह से जुड़ी टाटा संस की बहुप्रतीक्षित बोर्ड बैठक शुक्रवार को हुई। हालांकि इस बैठक में नेतृत्व के मुद्दे पर कोई निर्णायक बातचीत नहीं हो सकी।

सूत्रों के अनुसार, यह मुद्दा बैठक के आधिकारिक एजेंडे में शामिल नहीं था लेकिन एक स्वतंत्र निदेशक ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन (चंद्रा) को तीसरा कार्यकाल देने के विषय पर चर्चा शुरू की। यह चर्चा ऐसे समय हुई जब समूह के भीतर, खासकर टाटा संस की सबसे बड़ी शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स में आंतरिक मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं। करीब 62 वर्षीय चंद्रशेखरन, फरवरी 2027 में टाटा संस के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपना दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस विषय पर हुई चर्चा में वह खुद शामिल नहीं थे।

टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स ने शुक्रवार की बैठक पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, बैठक के एजेंडे में मुख्य रूप से लेखांकन और लाभांश से जुड़े विषय शामिल थे। पिछले करीब चार महीनों से चंद्रशेखरन के नेतृत्व को लेकर फैसला लंबित है।

24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में उनके तीसरे कार्यकाल का मुद्दा उठा था, लेकिन तब भी कोई निर्णय नहीं लिया जा सका था। उस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष और नामित निदेशक नोएल टाटा ने एयर इंडिया और टाटा डिजिटल जैसी समूह की कुछ कंपनियों के मुनाफे पर सवाल उठाए थे और इसे चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार से जोड़ा था। टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है।

इसके बाद 26 मई को हुई एक अन्य बोर्ड बैठक में घाटे में चल रही कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने नोएल टाटा सहित अन्य निदेशकों के सामने प्रेजेंटेशन दिया था। हालांकि, उस बैठक में भी नेतृत्व परिवर्तन या कार्यकाल विस्तार का मुद्दा चर्चा में नहीं आया।

चार महीनों के भीतर हुई तीसरी बोर्ड बैठक में भी चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल मिलेगा या नहीं, इस पर कोई फैसला नहीं हो सका। चंद्रशेखरन की अध्यक्षता वाला टाटा संस बोर्ड में समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) सौरभ अग्रवाल, स्वतंत्र निदेशक हरीश मनवानी और अनीता जॉर्ज, तथा टाटा ट्रस्ट्स के नामित निदेशक नोएल टाटा और वेनु श्रीनिवासन शामिल हैं।

टाटा समूह में वरिष्ठ अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष है। हालांकि, जुलाई 2025 में टाटा ट्रस्ट ने एक प्रस्ताव पारित कर चंद्रशेखरन को तीसरा पांच वर्षीय कार्यकाल देने की मंजूरी दी थी। ट्रस्ट का मानना था कि समूह कई नए रणनीतिक कारोबारी क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है इसलिए नेतृत्व में निरंतरता जरूरी है। इस सप्ताह की शुरुआत में टाटा ट्रस्ट्स की बोर्ड बैठक भी हुई थी, लेकिन उसमें चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल या टाटा संस की संभावित शेयर बाजार में सूचीबद्धता जैसे विवादित मुद्दों पर चर्चा नहीं हुई। आरबीआई ने वर्ष 2022 में टाटा संस को अपर-लेयर कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) के रूप में वर्गीकृत किया था जिसके तहत कंपनी को तीन वर्षों के भीतर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना था।

खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग में धातु पिन तार का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश

नयी दिल्ली, 13 जून। खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने सभी खाद्य व्यवसाय परिचालकों को खाने-पीने की वस्तुओं और पार्सल की पैकेजिंग में धातु के पिन और तार का इस्तेमाल तत्काल बंद करने का निर्देश दिया है, ताकि उपभोक्ताओं की सेहत को किसी तरह के खतरे से बचाया जा सके।

जन स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के हित में जारी एक परामर्श में एफएसएसएआई ने एफबीओ को यह चेतावनी भी दी कि अगर वे इस निर्देश का पालन नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। नियामक ने कहा, एफएसएसएआई के ध्यान में आया है कि सजावटी केक और ऐसे ही दूसरे उत्पाद बनाने और खाने के पैकेट, केक बॉक्स, मिठाई के डिब्बे, स्नैक पाउच, टेकअवे खाद्य पार्सल और खाने-पीने की दूसरी पैकेजिंग के लिए धातु या स्टेपल पिन और तार का इस्तेमाल किया जा रहा है।

एफएसएसएआई ने कहा कि इससे खाद्य सुरक्षा का गंभीर खतरा पैदा होता है। नियामक ने कहा कि इस बात का काफी खतरा है कि ग्राहक अनजाने में ऐसी पिन खा सकते हैं। इससे नुकसान हो सकता है और सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

सलाह में कहा गया है, सभी एफबीओ किसी भी खाद्य पदार्थ, खाद्य पार्सल, टेकअवे मील, बेकरी उत्पाद, केक बॉक्स, मिठाई के डिब्बे, स्नैक पैकेट या किसी भी अन्य खाद्य पदार्थ या पैकेज को सील करने, जोड़ने, सुरक्षित करने या पैकेजिंग करने के लिए धातु पिन अथवा तार या ऐसी ही किसी अन्य सामग्री का इस्तेमाल तुरंत बंद कर दें।

मैगी में संक्रमण के आरोप गलत, जांच में सही पाए गए सभी उत्पाद : नेस्ले इंडिया

नई दिल्ली, 13 जून (हि.स)। नेस्ले इंडिया ने मैगी नूडल्स में कीड़ों की मौजूदगी को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी ने कहा कि प्रयोगशाला परीक्षणों में सभी उत्पाद गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरे पाए गए हैं।

रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजारों को दिए गए स्पष्टीकरण में कहा कि सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक असत्यापित खाते द्वारा उठाई गई चिंता के बाद उसे यह शिकायत भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के माध्यम से मिली।

नेस्ले इंडिया ने 12 जून को छपी एक खबर के बारे में एनएसई और बीएसई के सवालों के जवाब में यह सफाई दी है। कंपनी ने कहा, हम मीडिया में चल रहे उन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं जो मैगी नूडल्स में कीड़े होने के बारे में एक बिना पुष्टि वाले दावे पर आधारित हैं।

कंपनी ने कहा कि स्वतंत्र लैब टेस्ट और बैच एवं मार्केट सैंपल की क्वालिटी जांच से पुष्टि हुई है कि ये प्रोडक्ट सभी फूड सेफ्टी और क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं।

कंपनी ने बताया कि उसे जांच के लिए शिकायतकर्ता से अभी तक कोई सैंपल नहीं मिला है और उस व्यक्ति से संपर्क करने की कोशिशें नाकाम रहीं क्योंकि सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंचा नहीं जा सका।

गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर मैगी नूडल्स में कीड़े-मकोड़े होने के शिकायत के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने नेस्ले इंडिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

पीओके में अब तक 46 प्रदर्शनकारियों की मौत, 1100 गिरफ्तार

मुजफ्फराबाद, 13 जून। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बीते 4 दिनों से चल रहे आंदोलन में अब तक 46 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, चार दिनों में 1100 से ज्यादा लोगों की भी गिरफ्तारी हुई है। दरअसल, पीओके में विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों लेकर विवाद चल रहा है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे।

पीओके सुप्रीम कोर्ट ने 7 जून को आरक्षण खत्म करने की मांगों को खारिज कर दिया और कहा कि संवैधानिक संशोधन सरकार से छीनी जाने वाली कोई रियायत नहीं है। इस फैसले के बाद जॉइंट अवामी एक्शन

कमेटी इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है।

इस वजह से मुजफ्फराबाद, मीरपुर में बाजार, स्कूल, कॉलेज और दफ्तर बंद हैं। नेटबंदी भी जारी है। इससे घाटी बाहरी दुनिया से कटी हुई है।

इससे प्रदर्शनकारियों का जोश कम नहीं हुआ है। उनमें नाराजगी और बढ़ गई है। जैक के सदस्य धरने की तैयारी तेज कर रहे हैं। पाकिस्तानी आर्मी और सरकार ने पुंछ, मीरपुर और मुजफ्फराबाद में अतिरिक्त अर्धसैनिक बल तैनाती के आदेश दिए हैं। इनमें रेंजर्स और फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी के जवान शामिल हैं।

प्रशासन ने प्रदर्शन समर्थक जेएएसी नेताओं शौकत नवाज मीर, ख्वाजा मेहरान और अन्य पर राजद्रोह के केस दर्ज किए हैं। सरकार अर्धसैनिक बलों का खौफ दिखाकर आंदोलन कुचलने की कोशिश कर रही है।

सरकार ने 5 जून को जैक पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

रावलकोट में जैक नेता उमर नजीर कश्मीरी ने सरकार और आर्मी के खिलाफ भाषण दिया। वे पिछले हफ्ते से छिपे हुए थे। उन्होंने घाटी से सुरक्षाबल हटाने की मांग की। वहीं, पीओके में नेटबंदी के बावजूद भाषण लाइव हुआ। लाइव टेलीकास्ट के लिए स्टारलिंक इस्तेमाल का शक है।

पीओके में आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दवाओं और खाद्य सामग्री तक की किल्लत हो रही है। बाजार बंद होने से जनजीवन ठप है। पीओके संकट पर लंदन और न्यूयॉर्क तक में पाकिस्तान के खिलाफ विरोध दर्ज हुआ। पीओके में हुए कत्लेआम के खिलाफ भारत के कश्मीर में पाकिस्तान विरोधी गुस्सा सड़कों पर दिखा। शुक्रवार को श्रीनगर समेत कई जगहों पर पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हुए। लाल चौक पर पाकिस्तान मुर्दाबाद, खूनखराबा बंद करो और निर्दोषों की हत्या बंद करो जैसे नारे लगे। मानवाधिकार कार्यकर्ता जावेद बेग ने आरोप लगाया कि पीओके को मुसलमानों का कत्लगाह बना दिया गया है।

अमेरिका के टेक्सास में गोलीबारी, 1 की मौत 10 घायल, पुलिस ने हमलावर को मार गिराया

टेक्सास, 13 जून। अमेरिका के टेक्सास राज्य के मिडलैंड शहर में शुक्रवार सुबह हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक संदिग्ध हमलावर की पहचान 45 वर्षीय विक्टर माता वियारियल के रूप में हुई है, जो ओडेसा का रहने वाला था।

स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 8 बजे एक औद्योगिक इलाके से गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद संदिग्ध और पुलिस के बीच करीब दो घंटे तक आमना-सामना चलता रहा। बाद में अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध की मौत हो गई है।

पुलिस के अनुसार वियारियल पहले से वांछित था। उस पर दो दिन पहले एक वाहन पीछा करने की घटना के दौरान मिडलैंड पुलिस अधिकारी पर कई गोलियां चलाने का आरोप था और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज था।

घायलों को मिडलैंड मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सुरक्षा कारणों से इमरजेंसी विभाग को लॉकडाउन कर दिया गया।

अस्पताल ने बताया कि चार घायलों की सर्जरी की गई, जबकि पांच अन्य की हालत स्थिर है। बाद में पांच लोगों को अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई। घटना के बाद एफबीआई की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच में स्थानीय पुलिस की मदद की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गोलीबारी के दौरान कम से कम 40 राउंड फायरिंग की आवाजें सुनी गईं। पुलिस ने बख्तरबंद वाहन और रोबोट भी तैनात किए।

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह एक निरर्थक हिंसक घटना है। उन्होंने पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए संवेदना व्यक्त की और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

क्या जबरन गायब किए जा रहे बलूच लोग? अब दो छात्रों के लापता होने पर सवालों में पाकिस्तानी सेना

क्वेटा, 13 जून। बलूचिस्तान में आम नागरिकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। बलूच मानवाधिकार संगठनों ने पाकिस्तान सुरक्षा बलों पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने एक व्यक्ति की हत्या और छात्रों को जबरन गायब करने का आरोप लगाया है।

बलूचिस्तान के मानवाधिकार संगठन %बलूच यकजेहती समिति% के अनुसार, केच जिले के तुर्बात क्षेत्र में 28 वर्षीय सद्दाम का शव शुक्रवार को डी-बलूच इलाके में फेंका हुआ पाया गया। संगठन ने इस घटना को बलूचिस्तान में जारी हिंसा और मानवाधिकारों के हनन के एक निरंतर पैटर्न का हिस्सा बताया है।

एक अन्य मानवाधिकार निकाय बलूच वॉयस फॉर जस्टिस ने दो छात्रों की जबरन गुमशुदगी का मामला उठाया है।

आरोप है कि 19 वर्षीय शुक्रुल्लाह और 20 वर्षीय जुबैर बलूच को 4 जून को प्रांत के दलबंदिन इलाके से पाकिस्तानी बलों द्वारा कथित तौर पर गायब कर दिया गया। इन छात्रों के परिवारों को उनके बारे में कोई जानकारी भी नहीं दी गई।

संगठन ने आगे कहा, 'सद्दाम की हत्या बलूचिस्तान में जारी हिंसा और मानवाधिकारों के उल्लंघन के सिलसिले में एक और दुखद घटना है। पूरे क्षेत्र में परिवार अपनों को खोने का दर्द झेल रहे हैं और उन्हें न्याय भी नहीं मिल रहा है।' मानवाधिकार निकायों ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, पत्रकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से अपील की है कि वे बलूचिस्तान में हो रहे इन अत्याचारों का संज्ञान लें।

बीवीजे ने दावा किया कि बलूचिस्तान में नागरिकों के निरंतर लापता होने और संदिग्ध मौतों ने क्षेत्र में असुरक्षा की भावना को और गहरा कर दिया है। मानवाधिकार संगठनों का तर्क है कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वतंत्रता, उचित कानूनी प्रक्रिया और मनमानी हिरासत से सुरक्षा का अधिकार है। जब तक उन परिवारों की आवाज नहीं सुनी जाएगी, तब तक क्षेत्र में शांति और सुरक्षा की बहाली संभव नहीं है।

अमेरिका के फेमस केनेडी आर्ट सेंटर से ट्रम्प का नाम हटेगा

वाशिंगटन, 13 जून। अमेरिका के सबसे बड़े कल्चरल और आर्ट सेंटर में शामिल जॉन एफ. केनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम हटाया जा रहा है। अमेरिकी कोर्ट ने कहा है कि सेंटर का नाम बदलना कानून के खिलाफ था। केनेडी सेंटर अमेरिका का नेशनल आर्ट सेंटर है। यहां हर साल बड़े संगीत कार्यक्रम, नाटक, डांस शो, ओपेरा और दूसरे सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। दुनिया के कई मशहूर कलाकार यहां प्रस्तुति देते हैं।

इस सेंटर का नाम अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी के नाम पर रखा गया था। 1963 में उनकी हत्या के बाद अमेरिकी कांग्रेस ने 1964 में इसे उनकी याद में बनाया। इसलिए यह सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि केनेडी की याद में बना राष्ट्रीय स्मारक भी है। फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प ने सेंटर के बोर्ड में अपने करीबी लोगों को शामिल किया। बाद में बोर्ड ने सेंटर के नाम में ट्रम्प का नाम जोड़ने का फैसला कर लिया। इसके बाद इमारत पर द डोनाल्ड जे. ट्रम्प एंड जॉन एफ. केनेडी मेमोरियल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स% लिखा गया। ओहायो की सांसद जॉयस बीटी ने इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी। उनका कहना था कि केनेडी सेंटर का नाम कांग्रेस (संसद) ने तय किया था, इसलिए, उसे बदलने का हक सिर्फ कांग्रेस के पास है।

कोर्ट ने उनकी बात मान ली और कहा कि बोर्ड अपने आप नाम नहीं बदल सकता। कोर्ट ने आदेश दिया कि ट्रम्प का नाम इमारत, वेबसाइट, सोशल मीडिया, दस्तावेजों और दूसरी सभी जगहों से हटाया जाए।

कोर्ट की तय समय सीमा खत्म होने के बाद कर्मचारी इमारत से ट्रम्प के नाम वाले अक्षर हटाने लगे। ट्रम्प का नाम करीब 176 दिनों तक इस इमारत पर रहा। ट्रम्प का नाम हटाने के फैसले के बाद बड़ी संख्या में लोग केनेडी सेंटर के बाहर पहुंचे और खुशी जताई।

खैबर पख्तूनख्वा में बड़ी सैन्य कार्रवाई
टीटीपी के चार टॉप कमांडर समेत 21 आतंकी ढेर

पेशावर, 13 जून। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से बड़ी खबर सामने आ रही है। सुरक्षा बलों ने पिछले तीन दिनों में 21 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह पूरी कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई है। सेना की मीडिया विंग ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी है। यह मुठभेड़ उत्तरी वजीरिस्तान जिले में पिछले 72 घंटों से चल रही थी। मारे गए आतंकियों में चार बड़े रिंग लीडर यानी कमांडर भी शामिल हैं। ये कमांडर सुरक्षा बलों पर हमले और आम नागरिकों की हत्या के मामलों में वांछित थे। सरकार इन आतंकियों को फितना-अल-ख्वारिज कहती है। यह असल में प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का ही दूसरा नाम है।

सेना के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में कुल 48 आतंकवादी मारे गए हैं। सुरक्षा बलों ने मारे गए आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। इलाके में छिपे बाकी आतंकियों को ढूंढने के लिए सैनिटाइजेशन ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार खोजी अभियान चला रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि आतंकवाद के खिलाफ यह अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

इससे पहले मई के आखिरी हफ्ते में भी सेना ने दत्ता खेल इलाके में 11 आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद जून के पहले हफ्ते में मीरानशाह में एक आत्मघाती हमला नाकाम किया गया था। इस घटना के बाद वहां धारा 144 लागू कर दी गई थी। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में सुरक्षा स्थिति बिगड़ी है। मार्च और अप्रैल में हालात थोड़े ठीक थे। लेकिन मई 2026 में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में अचानक आतंकी हिंसा काफी बढ़ गई। इसी वजह से सुरक्षा बलों ने अब यह आक्रामक कार्रवाई शुरू की है।

फिल्मी खबरें

पेद्दी बनी 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली साउथ इंडियन मूवी

राम चरण की पेद्दी बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर रही है। राम चरण की ये स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म दुनियाभर में इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। राम चरण की फिल्म ने 9 दिन में दुनियाभर में 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। वहीं, भारत में भी फिल्म ने 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है।

पेद्दी मूवी के इंस्टाग्राम पर इस बात की जानकारी दी गई है। पेद्दी का एक पोस्टर शेयर किया गया है। इस पोस्टर पर राम चरण की तस्वीर है, उसी के साथ पोस्टर पर लिखा है– 2026 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली साउथ इंडियन फिल्म। 9 दिन में दुनियाभर में कमाए 366 करोड़ से ज्यादा। पेद्दी ने भारत में भी 200 करोड़ की कमाई पूरी कर ली है। खबर के मुताबिक, पेद्दी ने अबतक (दोपहर 3 बजे तक) 201.61 करोड़ (नेट) की कमाई कर ली है। फिल्म ने आज यानी 10 वें दिन 3.24 करोड़ (खबर लिखे जाने तक) की कमाई की है। आज फिल्म ने हिंदी भाषा में 39 लाख और तेलुगु भाषा में 2.85 करोड़ की कमाई कर ली है। इस तरह फिल्म की टोटल कमाई 201.94 करोड़ (शाम 4 बजे तक) की कमाई कर ली है।

राम चरण की पेद्दी एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। फिल्म में राम चरण के अलावा जाह्नवी कपूर, शिवराज कुमार, दिव्येंदु शर्मा, दयानंद रेड्डी और श्रुति हसन जैसे कलाकार नजर आए हैं। पेद्दी को बुची बाबू सना ने डायरेक्ट किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है, लेकिन फिल्म की रिलीज के बाद एक विवाद भी हुआ था। दरअसल, फिल्म में जिस तरह से जाह्नवी कपूर को दिखाया गया है, उसे लेकर ही विवाद मचा था। लोगों का कहना था कि फिल्म में जाह्नवी कपूर को बेमतलब के ज्यादा सेक्सुलाइज तरीके से दिखाया गया। इस विवाद पर फिल्म के डायरेक्टर ने माफी भी मांगी। पेद्दी से उठे इस विवाद के बाद एक बार फिल्मों में महिलाओं को दिखाए जाने के तरीके पर सवाल उठने लगे हैं।

क्या तृषा कृष्णन ने सीएम एवं अभिनेका विजय से कर ली गुपचुप सगाई?

अभिनेत्री तृषा कृष्णन इन दिनों अपनी फिल्मों और अभिनय से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय से डेटिंग की अफवाहों के बीच अदाकारा की सगाई की अफवाहों ने जोर पकड़ा है। जानिए इसकी शुरुआत कैसे हुई? तृषा कृष्णन तमिल इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री हैं। काफी वक्त से उनका नाम विजय के साथ जोड़ा जा रहा है। विजय जब राज्य के मुख्यमंत्री बने तो शपथ ग्रहण समारोह में उनके परिवार के सदस्यों के साथ-साथ तृषा कृष्णन भी पहुंचीं। इतना ही नहीं, तृषा ने अपने अंदाज से खूब लाइमलाइट बटोरी। इसके बाद विजय और उनके अफेयर की अफवाहों ने और जोर पकड़ा। अब ऐसी अटकलें हैं कि दोनों ने सगाई कर ली है।

विजय और तृषा की डेटिंग की अफवाहों के बीच अचानक गुपचुप सगाई की चर्चाओं की शुरुआत दरअसल वायरल तस्वीर से हुई, जिसने नई चर्चाएं छेड़ दी हैं। तृषा इनमें लॉकेट वाला एक नया नेकलेस पहने नजर आई हैं।

यह लॉकेट पीपल के पत्ते के आकार का है, जो शादियों में पहने जाने वाले पवित्र पेंडेंट जैसा है। ऐसे में फैंस को समझ नहीं आ रहा है कि क्या यह सगाई या शादी की पुष्टि है? वायरल तस्वीर के आधार पर कई लोगों को शक है कि क्या एक्ट्रेस ने आखिरकार विजय से किसी प्राइवेट फंक्शन में सगाई या शादी कर ली है? सोशल मीडिया पर नेटिजंस अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह पुराना वीडियो है और साल 2025 का है। वहीं, कुछ दावा कर रहे हैं कि यह एआई से बनाया गया वीडियो है।

समुद्र किनारे दिखा मनीषा कोइराला का बोल्ड अंदाज, लिखा-जिंदगी का लुत्फ उठाओ

मनीषा कोइराला ने 90 के दशक में बॉलीवुड में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराई है। अपने अभिनय, डांस, अंदाज और खूबसूरती के दम पर वे टॉप एक्ट्रेस में शामिल रही हैं। उनका बेबाक अंदाज आज भी वैसा ही है। अपने हालिया पोस्ट के जरिए उन्होंने लोगों को जिंदादिली के साथ जिंदगी जीने की सीख दी है। मनीषा कोइराला 55 की उम्र में भी अपनी फिटनेस और बिंदास अंदाज से हैरान कर रही हैं। आज शनिवार को इंस्टाग्राम पर उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है।

इसमें वे समुद्र किनारे बोल्ड लुक में पोज देती दिख रही हैं। एक्ट्रेस सिर पर हैट पहने वेस्टर्न आउटफिट में दिख रही हैं। समुद्री और प्राकृतिक नजारों ने तस्वीरों की खूबसूरती और बढ़ा दी है।

पोस्ट के साथ मनीषा कोइराला का कैप्शन और भी दमदार है। उन्होंने लिखा है, आपका आकार या उम्र चाहे जो भी हो और आप जिंदगी के किसी भी पड़ाव पर हों। यात्रा जरूर करें। बीच पर टहलें। स्विमसूट पहनें। फोटो खिंचवाएं।

मनीषा ने आगे लिखा है, अपनी स्किन पर धूप और पैरों के नीचे रेत को महसूस करें। डर या दूसरों की राय को अपने ऊपर हावी न होने दें। आप जैसे हैं, वैसे ही जिंदगी को पूरी तरह जीने के हकदार हैं।

सबसे अजीब अफवाह थी कि मैं गे हूं : मौनी रॉय

मौनी रॉय ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुश्किल समय में दोस्तों का साथ सबसे जरूरी होता है। एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी सोशल मीडिया चर्चाओं और अफवाहों पर खुलकर बात की। मोनिका शर्मा के डिजिटल टॉक शो में उनसे पूछा गया कि बॉलीवुड में आने के बाद उन्होंने अपने बारे में सबसे अजीब अफवाह कौन-सी सुनी। इस पर मौनी ने जवाब दिया, यह कि मैं गे हूं। मौनी ने इस सवाल का जवाब हल्के अंदाज में दिया और साफ किया कि वह ऐसी अटकलों को गंभीरता से नहीं लेतीं। पिछले कुछ समय से उनकी निजी जिंदगी चर्चा में रही है और सोशल मीडिया पर उनके रिश्तों व दोस्ती को लेकर कई तरह के अनुमान लगाए जाते रहे हैं।

मौनी ने कहा कि उनके अच्छे-बुरे और मुश्किल दौर में करीबी महिला दोस्तों ने हमेशा साथ दिया। उनके मुताबिक मजबूत दोस्ती और सपोर्ट सिस्टम किसी भी इंसान को मुश्किल समय से बाहर आने में मदद करता है। एक्ट्रेस ने युवा महिलाओं के लिए संदेश देते हुए कहा कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और भावनात्मक रूप से मजबूत बनना चाहिए। उनके मुताबिक आत्मनिर्भरता सिर्फ करियर नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक मजबूती से भी जुड़ी होती है।

खेल जगत

लगातार दूसरे आईसीसी खिताब के लिए जोर लगाएगी भारतीय टीम

एजबेस्टन, 13 जून। भारतीय महिला टीम आईसीसी टी20 विश्व कप में रविवार को अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेगी। भारत का सामना ग्रुप-1 के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच इस वैश्विक टूर्नामेंट में कोई प्रतिस्पर्धा ही नजर नहीं आती। भारत का रिकॉर्ड इस टीम के खिलाफ बेहद दमदार है, लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम चाहेगी कि वो बिना किसी गलती के एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज करे। भारतीय महिला टीम ने 13 मैचों में जीत दर्ज की है तो वहीं पाकिस्तान ने तीन मैच जीते हैं।

अगर टी20 विश्व कप में दोनों टीमों के बीच मुकाबलों की बात करें तो दोनों के बीच आठ बार भिड़ंत हुई है। भारत ने छह मौकों पर जीत दर्ज की है, जबकि पाकिस्तान दो ही मैच जीत सका है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 2024 टी20 विश्व कप में भी मैच खेला गया था जिसमें भारतीय महिला टीम ने छह विकेट से जीता था।

हर विभाग में संतुलित भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ सलामी बल्लेबाजों स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फरवरी में 82 रन बनाने के बाद मंधाना ने अगले छह मैचों में 13, 12, 37, 0, 32 और आठ रन बनाए हैं।

शेफाली ने जोहानिसबर्ग में 64 रन बनाने के बाद अगले पांच मैचों में 9, 4, 2, 22 और 11 रन बनाए। हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में वापसी की जो मध्यक्रम के लिए अच्छा संकेत है। जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष और भारती फुलमाली पर भी रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। भारत इस मैच के लिए भारती को प्लेइंग-11 में जगह दे सकता है।

पिछले साल वनडे विश्व कप जीतने वाली हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारत की नजरें लगातार दूसरे आईसीसी खिताब पर लगी हैं। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड भी बेहतरीन रहा है और टीम अगर इस लय को बरकरार रखती है तो उसे फायदा होगा। भारत अगर पहला मैच जीतती है तो उसका मनोबल बढ़ेगा। भारतीय टीम कठिन ग्रुप में है जिसमें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें भी शामिल हैं। भारत के लिए राहत की बात यह है कि जिस टीम ने पिछले साल वनडे विश्व कप जीता था, उस टीम की ज्यादातर खिलाड़ी टी20 विश्व कप टीम का भी हिस्सा हैं। भारतीय टीम प्लेइंग-11 में कोई बड़ा बदलाव करेगी इसकी संभावना कम ही है।

भारत- स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, भारती फुलमाली, श्रेयंका पाटिल, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह।

पाकिस्तान- मुनीबा अली (विकेटकीपर), गुल फिरोजा, आयशा जफर, आलिया रियाज, फातिमा सना (कप्तान), इराम जावेद, नतालिया परवेज, तुबा हसन, डियाना बेग, नाशरा संधू, सादिया इकबाल।

सेमीफाइनल में यामागुची की चुनौती पार नहीं कर सकीं पीवी सिंधू, खिताब का इंतजार बढ़ा

सिडनी, 13 जून। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को ऑस्ट्रेलिया बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची से सीधे गेम में पराजित हो गईं जिससे इस भारतीय खिलाड़ी का बीडब्ल्यूएफ खिताब का इंतजार बरकरार रहा। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सिंधू को तीसरी वरीयता मिली थी। उन्होंने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी, लेकिन 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची से 20-22, 12-21 से हार गईं। सिंधू के बाहर होने के साथ ही इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया। सिंधू ने पहले गेम में यामागुची के हर शॉट का डटकर सामना किया। दोनों खिलाड़ियों ने लगातार छह-छह अंक हासिल किए, लेकिन भारतीय खिलाड़ी अपने गेम प्वाइंट को अंक में बदलने में नाकाम रही। यामागुची ने संयम बनाए रखते हुए पहला गेम जीत लिया। पर दूसरे गेम में खेल का रुख पूरी तरह बदल गया। यामागुची ने लगातार आठ अंक बनाकर 13-6 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में अपना दबदबा बनाए रखते हुए आसानी से मैच जीत लिया। अब जापानी खिलाड़ी महिला एकल के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी। सिंधू का इस हार के साथ यामागुची के खिलाफ हालिया संघर्ष जारी रहा। हालांकि जीत के रिकॉर्ड में भारतीय खिलाड़ी अब भी 15-13 से आगे हैं, लेकिन पिछले छह मुकाबलों में से पांच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीत के बाद से सिंधू बीडब्ल्यूएफ टूर का खिताब नहीं जीत पाई हैं। इस सत्र में सिंधू का यह दूसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले वह मलयेशिया ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं जिसमें उन्हें चीन की वांग झियी से हार का सामना करना पड़ा था।

मोरक्को के खिलाफ मैच से पहले ब्राजील को लगा झटका, पहले मुकाबले में नहीं खेल सकेंगे नेमार

नई दिल्ली, 13 जून। फीफा विश्व कप 2026 में मोरक्को के खिलाफ होने वाले अपने पहले मुकाबले में ब्राजील फुटबॉल टीम स्टार खिलाड़ी नेमार के बिना खेलेगी। टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के अनुसार, पिंडली की चोट से उबर रहे नेमार पूरे ग्रुप स्टेज में शायद चयन के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। कतर में हुए फीफा विश्व कप 2022 में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली मोरक्को टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले कोच एंसेलोटी ने कहा कि नेमार की फिटनेस में सुधार हो रहा है, लेकिन वह अभी वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, वह जल्द से जल्द फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह अगले हफ्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट पाएंगे। मोरक्को से पहले मैच में भिड़ने के बाद ब्राजील का ग्रुप एफ में 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड से सामना होना है। हालांकि कोच ने किसी भी मैच के लिए नेमार के उपलब्ध होने की गारंटी नहीं दी। 34 साल के सैंटोस स्ट्राइकर शुक्रवार को फिर से ट्रेनिंग से गायब नजर आए। नेमार चोट के कारण पनामा और मिस्र के खिलाफ ब्राजील के वार्म अप मैच भी नहीं खेल पाए थे। उनकी फिटनेस को लेकर चिंताओं के बावजूद एंसेलोटी ने बताया कि उन्होंने इस अनुभवी खिलाड़ी को अपनी विश्व कप टीम में क्यों शामिल किया।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान बनीं महक नरवासे

रायपुर 13 जून (हि.स.)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज शनिवार को राजनांदगांव जिले की प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर महक नरवासे ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तथा सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए टी-20 एवं वनडे दोनों टीमों का उपकप्तान नियुक्त किए जाने पर महक नरवासे को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर महक का सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महक नरवासे की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार या राजनांदगांव जिले की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियां आज खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और राष्ट्रीयस्तर पर नई पहचान बना रही हैं।

वैभव सूर्यवंशी की राह पर छोटे भाई आशीर्वाद स्थानीय मैच में जड़ा शतक, चौकों की कर दी बरसात

नई दिल्ली, 13 जून। भारतीय टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपने बल्ले से दमदार पारियां खेल रहे हैं। वैभव की प्रतिभा हाल ही में सभी ने आईपीएल 2026 में देखी थी, जहां उन्होंने दिग्गज गेंदबाजों के सामने निडर होकर बल्लेबाजी की। अब उनके छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी भी उन्हीं की राह पर चल दिए हैं। आशीर्वाद ने बिहार के समस्तीपुर में एक स्थानीय मैच के दौरान अपना दम दिखाया और शतकीय पारी खेली।

आशीर्वाद ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की और 87 गेंदों पर 103 रन बनाए। ताजपुर क्रिकेट अकादमी के लिए खेलते हुए आशीर्वाद ने 118.39 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और अपनी पारी में 20 चौके और एक छक्का लगाया। दिलचस्प बात यह है कि जहां वैभव पहली ही गेंद से आक्रामक होकर खेलते हैं, उनके छोटे भाई आशीर्वाद इससे उलट हैं। आशीर्वाद ने धैर्य का परिचय देते हुए सूझबूझ से बल्लेबाजी की। आशीर्वाद की पारी का अंत प्रशांत राज ने किया।

आशीर्वाद की पारी देखकर वैभव सूर्यवंशी भी गदगद हो गए और उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट कर आशीर्वाद को बधाई दी। इतना ही नहीं, वैभव के भाई उज्जवल ने भी सोशल मीडिया पर आशीर्वाद की पारी के बारे में पोस्ट किया। उज्जवल ने मैच की तस्वीरें और स्कोरकार्ड पोस्ट कर बताया कि आशीर्वाद ने अपने करियर का पहला शतक लगाया है।

मालूम हो कि वैभव सूर्यवंशी को अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर सीनियर भारतीय टीम में पहली बार मौका मिला है। वैभव आयरलैंड के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने गए हैं। 15 साल के वैभव को अगर प्लेइंग-11 में शामिल होने का मौका मिलता है तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे।

वैभव को जब छह जून को भारतीय टीम में चुना गया था तो उनके गांव ताजपुर में जश्न मना था। समस्तीपुर जिले में जश्न का माहौल था और उनके पड़ोसियों तथा रिश्तेदारों ने मीठाई बांटी थी और पटाखे चलाकर जश्न मनाया था। वैभव फिलहाल त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम के साथ श्रीलंका में हैं।

महिला टी20 विश्व कप की धमाकेदार शुरुआत पहले ही मैच में टूटे रिकॉर्ड, इंग्लैंड का दिखा दबदबा

नयी दिल्ली, 13 जून। महिला टी20 विश्व कप की धमाकेदार शुरुआत हुई है। पहले मैच में मेजबान इंग्लैंड ने श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में हराया। इस मैच में पूरी तरह से इंग्लैंड का दबदबा देखने को मिला और डैनी वॉट हॉग ने पहले ही मैच में शतक भी लगाया। इंग्लैंड ने इस तरह टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की है, जबकि श्रीलंका को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर 219 रन बनाए, जो महिला टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर भी है।

इंग्लैंड ने इस मुकाबले में श्रीलंका को 87 रनों से हराया।

इससे पहले, महिला टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी इंग्लैंड के नाम था।

टीम ने साल 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पांच विकेट खोकर 213 रन बनाए थे। मैच की बात करें तो इंग्लैंड को एमी जोन्स और डैनी वॉट ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर सिर्फ 13.4 ओवर में 135 रन जोड़े। जोन्स ने 38 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली, हालांकि जोन्स के आउट होने का ज्यादा फर्क वॉट पर नहीं पड़ा।

उन्होंने दूसरे छोर से अपनी तूफानी बल्लेबाजी जारी रखी। वॉट 62 गेंदों में 105 रन बनाकर नाबाद रहीं। 169 की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए उन्होंने अपनी शतकीय पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, कप्तान नैट साइवर ब्रंट ने भी अंत के ओवरों में आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों में नाबाद 46 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से छह चौके और एक छक्का निकला। 220 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम 132 रन बनाकर सिमट गई। टीम की तरफ से नीलाक्षी डी सिल्वा ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि हर्षिता समरविक्रमा ने 29 रनों का योगदान दिया।

वॉट महिला टी20 विश्व कप में इंग्लैंड की ओर अब सर्वाधिक रन बनाने वाली तीसरी बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने सारा टेलर को पीछे छोड़ दिया है। टेलर के नाम टी20 विश्व कप में 541 रन बनाने का रिकॉर्ड था, जबकि वॉट अब 593 रन बना चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने महिला टी20 विश्व कप की चौथी और इंग्लैंड की तरफ से दूसरी सबसे बड़ी पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से इस मेगा इवेंट में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड हीथर नाइट के नाम है, जिन्होंने 2020 में 108 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व बल्लेबाज मेग लेनिंग (126 रन) ने टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेली है।

अमेरिका ने पराग्वे को हराकर विश्व कप में जीत से की शुरुआत

लॉस एंजिलिस, 13 जून। अमेरिका ने फीफा विश्व कप के मुकाबले में पराग्वे को एकतरफा अंदाज में मात दी। अमेरिका ने पराग्वे को 4-1 से हराया। फीफा विश्व कप के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब अमेरिका ने एक ही मैच में चार गोल किए हैं।

सह- मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फीफा विश्व कप के अपने पहले मैच में पराग्वे को एकतरफा अंदाज में 4-1 से हराया। अमेरिका के लिए फोलारिन बालोगुन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। टीम ने शुरुआत से लेकर अंत कर दबदबा बनाए रखा और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। पराग्वे की टीम अमेरिका को चुनौती नहीं दे सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका ने इस मैच में विश्व कप के इतिहास का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

अमेरिका ने इस मैच के पहले हॉफ में ही दबदबा बना लिया था। सातवें मिनट में ही डेमियन बोबाडिला ने गोल दागकर अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद फोलारिन ने अपना कमाल दिखाया। उन्होंने पहले 31वें मिनट में पराग्वे के गोल पोस्ट को भेदा और फिर पहले हॉफ के इंजुरी समय में गोल दागा। इस तरह अमेरिका ने पहले हॉफ तक 3-0 की बढ़त अपने नाम कर ली थी। पहले हॉफ में पूरी तरह अमेरिका का दबदबा देखने को मिला और पराग्वे की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी।

पहले हॉफ में बुरी तरह पिछड़ने के बाद पराग्वे के लिए मॉरिसियो ने गोल का खाता खोला। मॉरिसियो ने 73वें मिनट में गोल दागा जिससे स्कोर 3-1 हो गया। अमेरिका ने इस बाद आक्रामकता बढ़ाई और एक बार फिर पराग्वे के डिफेंस को भेदने की कोशिश की। निर्धारित 90 मिनट पूरे होने के बाद सात मिनट तक अतिरिक्त समय जोड़ा गया। इसमें पराग्वे की कोशिश किसी तरह बराबरी हासिल करने की थी, लेकिन अमेरिका ने भी उम्मीद नहीं छोड़ा। अमेरिका ने लगातार हमले जारी रखे।

जूनियर पुरुष हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए 22 जून को होगा झारखंड टीम का चयन ट्रायल

रांची, 13 जून (हि.स.)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में 28 जुलाई से आठ अगस्त तक आयोजित होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप-2026 के लिए झारखंड टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस उद्देश्य से राज्यस्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन 22 जून को रांची में किया जाएगा।

हॉकी झारखंड की ओर से शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चयन ट्रायल सुबह नौ बजे से मोरहाबादी स्थित मारांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। ट्रायल में राज्य के सभी पात्र जूनियर पुरुष हॉकी खिलाड़ियों को भाग लेने का अवसर मिलेगा। चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संघ ने स्पष्ट किया है कि चयन ट्रायल में केवल वही खिलाड़ी भाग लेने के पात्र होंगे जिनकी जन्म तिथि एक जनवरी 2007 या उसके बाद की हो। खिलाड़ियों को चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आधार कार्ड, हॉकी इंडिया आईडी कार्ड तथा नगर निगम अथवा पंचायत की ओर से जारी जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में किसी भी खिलाड़ी को चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा। हॉकी झारखंड ने राज्य के सभी पात्र खिलाड़ियों से निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने की अपील की है।

क्या होता है पंचामृत, जिसके बिना अधूरी है भगवान विष्णु की पूजा

धर्म शास्त्रों में भगवान श्रीहरि विष्णु को जगपालक यानी जगत का पालनहार करने वाला देवता बताया गया है। भगवान विष्णु ने संसार के कल्याण के लिए अनेक अवतार लिए हैं। भगवान को एकादशी का व्रत समर्पित किया गया है।

धर्म शास्त्रों में भगवान विष्णु को पंचामृत अत्यंत प्रिय बताया गया है। गाय के दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से निर्मित यह दिव्य मिश्रण विष्णु पूजा में अनिवार्य है। तुलसी दल के बिना इसे स्वीकार नहीं किया जाता। पंचामृत का सेवन मोक्ष व वैकुंठ धाम की प्राप्ति कराता है, लेकिन इसे बनाते और ग्रहण करते समय नियमों का पालन आवश्यक है, ताकि पाप नहीं पुण्य मिलें।

धर्म शास्त्रों में भगवान श्रीहरि विष्णु को जगपालक यानी जगत का पालनहार करने वाला देवता बताया गया है। भगवान विष्णु ने संसार के कल्याण के लिए अनेक अवतार लिए हैं। भगवान को एकादशी का व्रत समर्पित किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी का व्रत करने से मृत्यु के बाद मोक्ष और वैकुंठ धाम में स्थान प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना बहुत विशेष तरह की जाती है।

श्रीहरि विष्णु से जुड़ा कोई भी धार्मिक अनुष्ठान या पूजा का आयोजन उनको पंचामृत का भोग लगाए बिना पूरा नहीं होता। बिना पंचामृत के पूजा अपूर्ण मानी जाती है और उसका फल भी प्राप्त नहीं होता।

पंचामृत का विशेष धार्मिक महत्व है। इसे भगवान विष्णु के सत्यनारायण से लेकर श्री कृष्ण अवतार की पूजा तक में भोग के रूप में चढ़ाए जाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। आइए जानते हैं कि पंचामृत भोग क्या होता है?

पंचामृत पांच चीजों का मिश्रण होता है। ये सभी पांच चीजें अति शुभ होती हैं और इनका खास धार्मिक महत्व धर्म शास्त्रों में बताया गया है। ये पांच चीजें हैं गाय का दूध, दही, गाय का घी, शहद और शक्कर। इन सभी चीजों को एक निश्चित मात्रा में मिलाकर भोग बनाया जाता है। फिर एक शुद्ध पात्र में रखकर भगवान को अर्पण किया जाता है। जब विष्णु जी और उनके अवतारों को पंचामृत का भोग अर्पित किया जाता है, तो इसमें तुलसी डाली जाती है।

मान्यताओं के अनुसार, बिना तुलसी दल या उसके पत्ते के भगवान पंचामृत या कोई अन्य भोग स्वीकार नहीं करते हैं। इसके अलावा पंचामृत का अपमान कभी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने वालों के पुण्य नष्ट होते हैं और पाप बढ़ते हैं।

पंचामृत बनाने के नियम : पंचामृत को सूर्यास्त के पहले बनाया जाना चाहिए। इसको बनाने के लिए सिर्फ गाय के दूध का ही उपयोग करना चाहिए। इसमें तुलसी दल और गंगाजल जरूर डालना चाहिए।

पंचामृत ग्रहण करते समय रखें ये सावधानी : पंचामृत को हमेशा दोनों हाथों से लेकर ही ग्रहण करना चाहिए। भूल से भी पंचामृत को भूमि पर नहीं गिराना चाहिए। पंचामृत ग्रहण करने के बाद दोनों हाथों से अपनी शिखा स्पर्श करनी चाहिए।

तमिलनाडु के सीएम विजय ने देवी मूकाम्बिका के दर पर टेका मत्था

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय 12 जून शुक्रवार को कर्नाटक के मूकाम्बिका देवी मंदिर पहुंचे। मंदिर में सीमए विजय ने मूकाम्बिका देवी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। मंदिर के मुख्य पुजारी रामचंद्र अडिगा ने पूजा संपन्न कराई। मंदिर के पुजारियों ने मुख्यमंत्री विजय के हाथ में रक्षाधारा बांधी। कलावा, मौली, रक्षासूत्र को दक्षिण भारत में रक्षाधारा कहते हैं।

विजय मंदिर में लगभग 30 मिनट तक रहे। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने मूकांबिका मंदिर में भेंट के तौर पर 1 l6 किलो चांदी की तलवार दी। उन्होंने जीत के प्रतीक के तौर पर यह तलवार भेंट की। साथ ही इस तलवार का रोजाना की पूजा-अर्चना में उपयोग करने का अनुरोध किया। मूकाम्बिका देवी का मंदिर उडुपी जिले के बायंदूर तालुक के कोल्लूर में है। आइए मूकाम्बिका देवी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

मूकाम्बिका देवी मंदिर कर्नाटक और केरल राज्य के लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थानों में से एक माना जाता है। देवी का ये मंदिर लगभग 1200 साल पुराना है। मान्यता है कि इस मंदिर निर्माण करने का विचार आदि शंकराचार्य का था। इस मंदिर में देवी की प्रतिमा की स्थापना उन्होंने स्वयं की थी। मूकाम्बिका देवी को आदि पराशक्ति का अवतार माना जाता है। माना जाता है कि देवी मूकाम्बिका शक्ति, सरस्वती और महालक्ष्मी का रूप हैं।

देवी विद्यार्थियों के लिए विशेष पूज्यनीय हैं। त्रिदेवी का संयुक्त रूप होने की वजह से नवरात्रि में भी उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि देवी प्रसन्न होकर ज्ञान, शक्ति और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। बच्चों की शिक्षा शुरू करने से पहले कई लोग मूकाम्बिका देवी का आशीर्वाद लेने जाते हैं। मंदिर में देव-प्रतिमा ज्योतिर्लिंग के रूप में है, जिसमें शिव और शक्ति दोनों का समावेश है।

नवरात्रि और विजयदशमी पर होता है उत्सव : मान्यताओं के अनुसार, आदि शंकराचार्य ने मंदिर में श्रीचक्र स्थापना की थी और देवी की पूजा की परंपरा का आज जो रूप नजर आता है उसको व्यवस्थित किया था। आज भी मंदिर में आदि शंकराचार्य वाली पूजा पद्धति की झलक नजर आती है। यहां पर पंचमुखी गणेश जी की एक उत्कृष्ट प्रतिमा भी मौजूद है। नवरात्रि और विजयदशमी के समय यहां भव्य उत्सव आयोजित किया जाता है।

कैंची धाम में 15 जून को स्थापना दिवस पर बंटते हैं मालपुआ, भंडारे में क्यों बनता है यह खास प्रसाद

हर साल 15 जून को कैंची धाम में स्थापना दिवस पर भव्य मेला लगता है, जहां लाखों श्रद्धालु आते हैं। इस अवसर पर विशेष रूप से मालपुआ प्रसाद वितरित किया जाता है, जिसे नीम करोली बाबा का आशीर्वाद माना जाता है। बाबा को मालपुआ अत्यंत प्रिय था, और उन्होंने स्वयं इस प्रसाद को बांटने की परंपरा शुरू की। यह मालपुआ सिर्फ प्रसाद नहीं, बल्कि भक्तों के लिए मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। हर साल 15 जून के दिन श्रद्धा और उत्साह के कैंची धाम का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस साल भी स्थापना दिवस को लेकर तैयारियां जोरों-शोरों की जा रही हैं। इस दिन यहां भव्य मेला लगता है। इस भव्य आयोजन में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु नीम करोली बाबा के आश्रम कैंची धाम में आते हैं। कैंची धाम में होने वाले इस विशाल आयोजन में आने वाले भक्तों को भंडारा खिलाया जाता है। कैंची धाम में स्थापना दिवस पर बनने वाला भंडारा बहुत खास माना जाता है। यहां स्थापना दिवस पर वितरित किए जाने वाला मालपुआ प्रसाद विशेष पहचान रखता है।

हर साल 15 जून के दिन श्रद्धा और उत्साह के कैंची धाम का स्थापना दिवस मनाया जाता है। इस दिन यहां भव्य मेला लगता है। इस भव्य आयोजन में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु नीम करोली बाबा के आश्रम कैंची धाम में आते हैं। कैंची धाम में होने वाले इस विशाल आयोजन में आने वाले भक्तों को भंडारा खिलाया जाता है।

इस प्रसाद को यहां आने वाले भक्त नीम करोली बाबा का आशीर्वाद मानते हैं। यही वजह है कि बाबा के मालपुए का प्रसाद पाने के लिए भक्तों की लंबी लाइने लगती हैं और जो प्रसाद नहीं पाते वो किसी ना किसी से मंगवा कर इस प्रसाद और बाबा के आशीर्वाद को ग्रहण करते हैं, लेकिन कैंची धाम आने वाले अधिकांश भक्तों के मन में ये सावल जरूर आता है कि स्थापना दिवस पर आखिर प्रसाद के रूप में मालपुआ ही क्यों चढ़ाया जाता है? इसके पीछे बाबा नीम करौली महाराज से जुड़ी एक विशेष परंपरा और गहरी आस्था है।

बाबा नीम करौली को बहुत पसंद था मालपुआ : बताया जाता है कि मालपुआ बाबा नीम करौली को बहुत पसंद था। इसी वजह से नीम करोली बाबा ने स्वयं मालपुए को प्रसाद के रूप में बांटने की परंपरा शुरू की। समय बीतने के साथ-साथ ये प्रसाद कैंची धाम आश्रम की पहचान बन गया। स्थापना दिवस के भंडारे में आने वाला हर भक्त मालपुए का प्रसाद अवश्य ग्रहण करता है। भक्तों के बीच मालपुए को लेकर कई धार्मिक मान्यताएं प्रचिलित हैं। कुछ भक्त इस प्रसाद को घर ले जाकर सालों तक सुरक्षित रखते हैं।

भक्त मालपुए को सिर्फ एक प्रसाद नहीं, बल्कि बाबा के आशीर्वाद का प्रतीक मानते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मालपुए का प्रसाद मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। ये प्रसाद जल्दी खराब नहीं होता है, इसलिए भक्त इस प्रसाद को लंबे समय तक सुरक्षित रख लेते हैं। बता दें कि कैंची धाम आश्रम एक चमत्कारिक सिद्धपीठ के रूप में दुनिया में प्रसिद्ध है।

शनि की टेढ़ी नजर से भगवान शंकर और गणेश जी भी नहीं बच पाए

हिंदू धर्मशास्त्रों में शनि देव को कर्मफल दाता और न्यायाधीश माना गया है। उनकी वक्र दृष्टि से हर कोई डरता है। देवों के देव महादेव और प्रथमपूज्य भगवान गणेश भी शनि की टेढ़ी दृष्टि से नहीं बच पाए। हिंदू धर्म शास्त्रों में शनि देव को कर्मों का फल देने वाला देवता और न्यायाधीश माना गया है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में शनि नवग्रहों में सबसे महत्वपूर्ण ग्रह माने गए हैं। शनि देव के बारे में एक बात बहुत प्रचिलित है कि वो जिस पर अपनी व्रक यानी टेढ़ी दृष्टि डालते हैं उस पर उनका प्रकोप पड़ना तय हो जाता है। शनि के वक्र दृष्टि से हर कोई डरता है।

लोग शनिवार के दिन शनि देव को प्रसन्न करने के लिए व्रत और उनकी पूजा करते हैं। ताकि वो शनि की टेढ़ी दृष्टि से बचे रहें, लेकिन क्या आप जानते हैं शनि देव की टेढ़ी दृष्टि से स्वयं देवों के देव महादेव और विघ्नहर्ता वो प्रथमपूज्य भगवान गणेश भी नहीं बच पाए थे। आइए जानते हैं वो रोचक कथा।

महादेव शनि देव के गुरु भी हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, एक दिन शनि देव कैलाश पर्वत पर अपने गुरु भगवान भोलेनाथ से मिलने पहुंचे। मिलने के बाद उन्होंने महादेव से कहा कि प्रभ! कल मैं

हिंदू धर्म शास्त्रों में शनि देव को कर्मों का फल देने वाला देवता और न्यायाधीश माना गया है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में शनि नवग्रहों में सबसे महत्वपूर्ण ग्रह माने गए हैं। शनि देव जिस पर अपनी व्रक यानी टेढ़ी दृष्टि डालते हैं उस पर उनका प्रकोप पड़ना तय हो जाता है।

आपकी राशि में प्रवेश करने जा रहा हूं। अर्थात मेरी वक्र दृष्टि आप पर पड़ेगी। ये सुनते ही शिव जी चौंक गए। फिर वो शनि देव से बोले कि आपकी वक्र दृष्टि मुझ पर कब तक रहेगी।

शनि ने कहा कि प्रभु कल से मेरी वक्र दृष्टि आप पर तीन प्रहर तक रहेगी। अगले दिन शिव जी धरती पर प्रकट हुए और कोकिला वन में हाथी का भेष बदलकर विचरण करने लगे। ताकि उन पर शनि की दृष्टि न पड़े। पूरे दिन भोलेनाथ हाथी का रूप धारण कर धरती पर घूमते रहे। शाम के समय भगवान अपना वास्तविक रूप धारण करके कैलाश पर्वत पर लौटे, जहां शनि देव उनका इंतजार कर रहे थे। शनि देव को देखते ही शिव जी ने कहा कि आपकी वक्र दृष्टि का कोई प्रभाव मुझ पर नहीं हुआ। भोलेनाथ की बात को सुनकर शनि देव ने कहा कि प्रभु! मेरी दृष्टि से न तो कोई देव बच पाए हैं और न ही कोई दानव। आप पर भी मेरी आज पूरे दिन मेरी वक्र दृष्टि का प्रभाव रहा। मेरी वक्र दृष्टि के कारण ही आप आज पूरे दिन देव-योनि से पशु योनि में जाने को मजबूर हुए। ऐसे आप मेरी वक्र दृष्टि के पात्र बने।

एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शंकर और मां पार्वती के पुत्र गणेश जी के जन्मोत्सव पर शनि देव कैलाश पर्वत पर पहुंचे। यहां वो अपनी नजर नीचे रखकर चल रहे थे। तब पार्वती जी ने शनि देव से इसकी वजह पूछी। शनि देव ने बताया कि उनकी दृष्टि से किसी को भी घातक हानि हो सकती है, लेकिन पार्वती जी ने शनि देव का उपहास किया। इस बीच उन्होंने अपने पुत्र गणेश जी को वहां बुलाया।

जैसे ही गणेश जी शनि देव के पास पहुंचे तो उनकी नजर माता पार्वती के पुत्र पर पड़ी। इसके प्रभाव से उनका मस्तिष्क कटकर धड़ से अलग हो गया। यह देखकर पार्वती जी बेहोस हो गईं। होश में आने पर उन्होंने शनि देव को अंग विहिन होने का श्राप दे दिया। पार्वती जी के श्राप के कारण शनि देव के एक पैर में दिक्कत हो गई थी।

मिथुन संक्रांति पर स्नान-दान और सूर्य पूजन का विशेष महत्व

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य देव ग्रहों के राजा माने जाते हैं। एक निश्चित समय पर सूर्य देव राशि और नक्षत्र परिवर्तन करते हैं। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने पर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। सूर्य जिस राशि में प्रवेश करते हैं उसके नाम से संक्रांति का पर्व जाना जाता है। इस दिन स्नान-दान और सूर्य पूजन का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि संक्रांति पर पूजा से प्रसन्न होकर सूर्य देव आरोग्यता का आशीर्वाद देते हैं।

द्रिक पंचांग के अनुसार, 15 जून को सूर्य देव वृषभ से निकलकर बुध की मिथुन राशि में प्रवेश करने वाले हैं, इसलिए इस दिन मिथुन संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। इन दिन सुबह पावन नदियों में स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाएगा। उनकी विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। जिनकी कुंडली में सूर्य कमजोर हैं उनके लिए इस दिन कुछ खास उपाय धर्म शास्त्रों में बताए गए हैं। इन उपायों को करने से जबरदस्त लाभ प्राप्त हो सकता है।

मिथुन संक्रांति के उपाय : पवित्र नदी में स्नान करें- इस दिन पवित्र नदी में स्नान करें। अगर नदी स्नान संभव नहीं है तो घर पर ही नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। ऐसा करने से बहुत पुण्य मिलता है।

सूर्य देव को अर्घ्य दें : मिथुन संक्रांति के दिन तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें लाल फूल, अक्षत, रोली और थोड़ा सा गुड़ मिलाकर सूर्य देव को अर्घ्य दें। मान्यता है कि ऐसा करने से सूर्य कुंडली में मजबूत होता है और ग्रह का शुभ फल प्राप्त होता है।

आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें : इस दिन सुबह के समय आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ जरूर करें। ऐसा करने से करियर में उन्नति के रास्ते खुलते हैं।

15 जून को सूर्य देव वृषभ से निकलकर बुध की मिथुन राशि में प्रवेश करने वाले हैं, इसलिए इस दिन मिथुन संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। इन दिन सुबह पावन नदियों में स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाएगा। उनकी विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।

दान करें : इस दिन तांबे के बर्तन, गुड़, वस्त्र, गेहूं और छाता का दान करें। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है।

शिवलिंग पर जल चढ़ाएं : इस साल मिथुन संक्रांति पर सोमवती अमावस्या भी मनाई जाएगी। ऐसे में इस दिन शिवलिंग पर काले तिल मिलाकर जल जरूर चढ़ाएं। ऐसा करने ग्रह दोषों से मुक्ति प्राप्त होती है।

मालपुए का दान करें : मिथुन संक्रांति और सोमवती अमावस्या के शुभ संयोग में 33 मालपुए का दान करें। ऐसा करने से भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होती है।

ऋतु परिवर्तन : यह संक्रांति गर्मियों के चरम और मॉनसून (पहली बारिश) के आगमन के बीच की कड़ी मानी जाती है।

सांस्कृतिक पर्व : विशेष रूप से ओडिशा में, इसे कृषि वर्ष की शुरुआत और धरती माता (भूदेवी) के मासिक धर्म या विश्राम के उत्सव के रूप में रज पर्व के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है?

'सिलबट्टे की पूजा : मिथुन संक्रांति के दौरान विशेष रूप से सिलबट्टे को धरती माता (भूमि देवी) का रूप मानकर पूजा की जाती है ?इस दौरान 3 दिनों तक उसका इस्तेमाल रोक दिया जाता है और चौथे दिन उसे दूध और जल से स्नान कराकर पूजा की जाती है।

रामायण के हर 1000वें श्लोक का पहला अक्षर जिससे बनता है गायत्री मंत्र

रामायण की रचना महर्षि वाल्मीकि ने की है। रामायण पावन हिंदू धर्म ग्रंथों में शामिल है। इसमें भगवान राम के जीवन और उनकी त्रेतायुग की सभी लीलाओं का वर्णन विस्तार से किया गया है। रामायण में बताया गया है कि किस प्रकार भगवान राम ने लंकापति रावण का वध किया और धरती पर पुन- धर्म को स्थापित किया। भगवान राम श्रीहरि विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं। रामायण में सात काण्ड (अध्याय) और 500 उपखंड हैं। रामायण में लगभग 24,000 श्लोक हैं।

इस पावन ग्रंथ में एक राजा, एक आदर्श पिता, आदर्श पुत्र, आदर्श पत्नी, आदर्श भाई, आदर्श सेवक के रूप में संबंधों के कर्तव्य बताए गए हैं। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण आदिकाव्य के रूप में जानी जाती है।

आदि का अर्थ होता है मूल या पहला और काव्य का मतलब होता है कविता, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रामायण के 1000 श्लोकों के बाद आने वाले पहले अक्षर से गायत्री मंत्र बनता है?

गायत्री मंत्र को इस पावन धर्म ग्रंथ का सार माना जाता है। इन 24,000 श्लोकों को इस प्रकार से व्यवस्थित किया गया है कि ये गायत्री मंत्र के बीज (बीजाक्षर) के चारों ओर तरंगों के समान फैले हैं। यह गणितीय और काव्यात्मक व्यवस्था इसलिए की गई, ताकि प्राचीन काल में रामायण के मूल पाठ में किसी भी फेरबदल या मिलावट न की जा सके। अगर कोई भी एक श्लोक हटता तो इस अद्भुत संयोजन में टूट हो जाती।

गायत्री मंत्र के 24 अक्षरों को आठ-आठ अक्षरों के तीन समूहों में विभाजित किया जाता है, तो कहा जाता है कि ये तीनों वेदों के सार का प्रतिनिधित्व करते हैं। पहले 8 अक्षर ऋग्वेद, अगले 8 अक्षर यजुर्वेद और अंतिम 8 अक्षर सामवेद का प्रतिनिधित्व करते हैं। रामायण का अध्ययन गायत्री मंत्र का जाप करने और चारों वेदों का पाठ करने के समतुल्य माना जाता है।

रानी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया खजराना गणेश मंदिर का निर्माण

खजराना गणेश मंदिर का निर्माण 1735 में मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था। माना जाता है कि मुगल शासक औरंगजेब से मूर्ति को बचाने के लिए इसको एक कुएं में छिपा दिया गया था। फिर बाद में अहिल्याबाई ने मूर्ति निकलवाकर मंदिर में स्थापित किया था।

खजराना गणेश मंदिर का निर्माण 1735 में मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था। माना जाता है कि मुगल शासक औरंगजेब से मूर्ति को बचाने के लिए इसको एक कुएं में छिपा दिया गया था। फिर बाद में अहिल्याबाई ने मूर्ति निकलवाकर मंदिर में स्थापित किया था। इंदौर का खजराना गणेश मंदिर अटूट श्रद्धा और भव्यता के लिए पूरी दुनिया में फेमस है।

खजराना गणेश मंदिर का निर्माण 1735 में मराठा रानी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था। माना जाता है कि मुगल शासक औरंगजेब से मूर्ति को बचाने के लिए इसको एक कुएं में छिपा दिया गया था। फिर बाद में अहिल्याबाई ने मूर्ति निकलवाकर मंदिर में स्थापित किया था।

इस मंदिर से जुड़ी कई अद्भुत परंपराएं जुड़ी हुई हैं। जिनमें सबसे अनोखी और चर्चित परंपरा है कि भगवान गणेश की पीठ पर %उल्टा स्वास्तिक बनाना है। वहीं भक्त दूर-दूर से अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां आते हैं और विशेष अनुष्ठान को करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर और यहां से जुड़ी मान्यता के बारे में बताने जा रहे हैं।

खजराना गणेश मंदिर में उल्टा स्वास्तिक बनाना मन्नत मांगने का एक तरीका माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि अगर कोई भक्त पूरी श्रद्धा के साथ मंदिर की पिछली दीवार पर सिंदूर से उल्टा स्वास्तिक बनाता है, तो उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और कठिन कार्य सिद्ध हो जाते हैं। लोग अपनी इच्छाएं और परेशानियां भगवान के चरणों में सौंपने के प्रतीक में उल्टा स्वास्तिक चिह्न बनाते हैं।

वहीं जब भक्त की मुराद पूरी हो जाती है, तो परंपरा के मुताबिक उनको मंदिर में दोबारा आना होता है। वहीं मनोकामना पूरी होने के बाद भक्त भी उसी दीवार पर सीधा स्वास्तिक बनाते हैं। साथ ही भगवान का आभार प्रकट करते हैं। वहीं लोग मोदक या लड्डू का भी भोग लगाते हैं।

क्या है धागा बांधने और परिक्रमा की परंपरा : उल्टा स्वास्तिक बनाने के अलावा इस मंदिर में धागा बांधने की एक प्राचीन परंपरा है। भक्त अपनी मन्नत को पूरा करने के लिए मंदिर की दीवार रक्षा सूत्र बांधते हैं। वहीं मंदिर की तीन परिक्रमा करने का भी महत्व है। माना जाता है कि ऐसा करने से भगवान और भक्त के बीच गहरा आध्यात्मिक संबंध बन जाता है। वहीं विघ्नहर्ता उनके जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर देते हैं।

बता दें कि इस मंदिर को भारतीय क्रिकेट टीम का सुपर सिलेक्टर भी माना जाता है। जब भी इंदौर में कोई बड़ा मैच होता है, या फिर भारतीय टीम का कोई अहम दौरा होता है, तो कई खिलाड़ी और क्रिकेट प्रेमी यहां पर मन्नत मांगने के लिए आते हैं।

वहीं भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए अक्सर यहां पर उल्टा स्वास्तिक बनाया जाता है। यहां के स्थानीय लोगों की मानें, तो शहर का कोई भी शुभ काम चाहे वह नया व्यापार हो या शादी, खजराना गणेश जी को पहला निमंत्रण दिए बिना अधूरा रहता है।

छपते छपते

स्पष्टीकरण: यह छपते छपते हिन्दी दैनिक का ई-संस्करण है, प्रकाशित अंक की प्रतिकृति (Replica) नहीं है।